@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 24 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 132 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आरएसएस ने संगठित हिंदू समाज के निर्माण का लिया संकल्प

बंगलूरू, 23 मार्च। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को अपनी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में आरएसएस ने दुनिया में शांति और समृद्ध लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण की बात की। बता दें कि यह प्रस्ताव तीन दिन तक चले कार्यक्रम के समापन पर पेश किया गया। इसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। अब बात अगर पारित प्रस्ताव की करें तो, इसमें मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने यह बताया कि हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता है, जो धर्म पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा।

हम भगत सिंह और बाबा साहब आंबेडकर को अपना आदर्श मानते हैं: अरविंद केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 23 मार्च। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम भगत सिंह और बाबा साहब आंबेडकर को अपना आदर्श मानते हैं। हमारे घर और दिल्ली और पंजाब सरकार के हर दफ्तर में इनकी तस्वीरें लगी हुई हैं। दिल्ली में नई सरकार ने सबसे पहला काम ये किया कि इनकी तस्वीरें हटा दीं। दिवस के मौके पर आयोजित एक शाम, शहीदों के नाम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ आप नेता मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज, नेता प्रतिपक्ष आतिशी व गोपाल राय समेत अन्य वरिष्ठ नेता, सभी पदाधिकारी, विधायक, प्रत्याशी, पार्षद समेत ब ?ी तादात में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति संगीत कार्यक्रम के साथ हुआ और अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखेदव की तश्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि आज भी हर भारतीय युवा के दिल में भगत सिंह बसते हैं। हमने उन्हें अपना आदर्श माना है, उनकी विचारधारा पर चलते हुए देश की सेवा करते रहेंगे। उनकी शहादत के लगभग 100 साल हो गए। 100 साल बाद भी आज के एक-एक नौजवान के दिल के अंदर भगत सिंह

बसते हैं। केजरीवाल ने कहा कि जब मैं जेल गया और मैंने एलजी को दो लाइन की एक चिट्ठी लिखी। जब मैं जेल में था, मैं मुख्यमंत्री था। मैंने इस्तीफा नहीं दिया था। 15 अगस्त के मौके पर मुख्यमंत्री झंडा फहराता है। जेल में मुझे चिंता हुई कि 15 अगस्त को इस बार कौन झंडा फहराएगा? मैंने एलजी साहब को चिट्ठी लिखी कि चूंकि मैं जेल में हूं, मैं झंडा नहीं फहरा पाउंगा। इसलिए इस बार 15 अगस्त को हमारी मंत्री आतिशी को झंडा फहराने की इजाजत दी जाए। लेकिन मेरा पत्र एलजी तक नहीं पहुंचा। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली में सरकार बनने के बाद बाबा साहब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर हटाने का काम किया। हमारे फैसले का कांग्रेस और उसके समर्थकों ने हमारी ब ?ी निंदा की थी। लेकिन जब भाजपा ने बाबा साहब और भगत सिंह की तस्वीरें हटाई तो कांग्रेस कुछ नहीं बोली। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि कोई भी सुविधा बंद नहीं की जाएगी। आप कुछ नई सुविधा दें और दिल्ली के लोगों को मिल रही मौजूदा सुविधाओं को बंद न करें। दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये और होली पर फ्री गैस का सिलेंडर के वादे को पूरा करें। उन्होंने कहा कि आप के कार्यकर्ता दिल्ली की सड़कों पर संघर्ष कर इन्हें पूरा करवाएंगे।

बब्बर खालसा के 4 आतंकियों के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट दायर

नई दिल्ली, 23 मार्च। चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी संगठन के चार आतंकियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए के चार्जशीट में पाकिस्तान में मौजूद हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका में रह रहे हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का नाम शामिल है। ये दोनों इस हमले के मुख्य साजिशकर्ता थे। एनआईए के अनुसार, इन आतंकियों ने भारत में मौजूद अपने साथियों को हथियार, गोला-बारूद, पैसे और दूसरी सुविधाएं दीं ताकि वे चंडीगढ़ में हमला कर सकें। एनआईए इस मामले में आगे जांच कर रही है और हमले में शामिल बाकी लोगों की तलाश जारी है। 10 सितंबर, 2024 को चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित कोठी नंबर-575 में हैंड ग्रेनेड बम ब्लास्ट के मामले में एनआईए की जांच टीम ने शुक्रवार को स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में बताया कि 10 सितंबर की शाम को करीब 6 बजे ऑटो में सवार दो अज्ञात बदमाशों ने 575 नंबर कोठी में हैंड ग्रेनेड बम फेंककर ब्लास्ट किया था। इस मामले में अब अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। एनआईए की जांच में इस कोठी में प्रयोग किया गया हैंड ग्रेनेड एचजी-84 पाकिस्तान का बना निकला। यह बम केवल पाकिस्तान और बांग्लादेश में ही बनते है। बता दें कि, आतंकी हरविंद्र सिंह रिंदा लंबे समय से पाकिस्तान में ही रह रहा है और उसने ही ये हैंड ग्रेनेड भेजा था। आर्गेस टाइप एचजी-84 ऑस्ट्रियाई मूल का एंटी-पर्सनल फ्रेगमेंटेशन हैंड ग्रेनेड है।

अखिलेश ने रामजीलाल के बयान का किया समर्थन

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 23 मार्च। राजधानी लखनऊ में रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने राणा सांगा पर दिए राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के विवादित बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा नेता औरंगजेब पर चर्चा करने के लिए इतिहास को पलट सकते हैं, तो रामजीलाल ने भी इतिहास के एक पन्ने का जिक्र किया है। दरअसल सांसद ने 21 मार्च को राज्यसभा में बोलते हुए राणा सांगा को देशद्रोही करार दिया था। कहा था कि हिंदू उनके वंशज हैं। भाजपा ने रामजीलाल सुमन के बयान का विरोध किया। अब अखिलेश यादव उनके बयान के समर्थन में उतरे हैं। इस पर भाजपा ने अखिलेश को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह पूरे हिंदू समुदाय का अपमान है। सपा मुखिया पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया। कहा कि उनकी टिप्पणी समाजवादी पार्टी की

हिंदू विरोधी मानसिकता को दर्शाती है।रामजीलाल सुमन ने संसद में कहा था कि अगर मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो हिंदू गद्दार राणा सांगा के वंशज होने चाहिए। हम बाबर की आलोचना करते हैं। लेकिन, हम राणा सांगा की आलोचना क्यों नहीं करते? हंगामे के बाद सुमन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सूर्यवंशी राजपूतों के सिसोदिया वंश के राणा सांगा 1508 से 1528 तक मेवाड़ के शासक थे। हर कोई इतिहास के पन्नों को पलट रहा है। भाजपा नेताओं से पूछिए कि वे कौन से पन्ने पलट रहे हैं। वे किस बारे में बहस कर रहे हैं? वे औरंगजेब के बारे में बात करना चाहते हैं। रामजीलाल के बयान पर हंगामा हुआ तो अखिलेश यादव ने उनका बचाव किया। कहा कि अगर, रामजीलाल ने इतिहास के किसी ऐसे पन्ने का जिक्र किया है, जिसमें कुछ तथ्य हैं, तो फिर मुद्दा क्या है? हमने 200 साल पहले इतिहास नहीं लिखा था। यह टिप्पणी भाजपा नेताओं और हिंदू संगठनों द्वारा मुगल सम्राट औरंगजेब के महिमामंडन के प्रयासों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में आई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उसने हिंदुओं पर अत्याचार किए थे। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा ऐतिहासिक घटनाओं को चुनिंदा तरीके से नहीं खोदे। अगर, भाजपा इतिहास को पलटना जारी रखती है, तो लोग यह भी याद रखेंगे कि छत्रपति शिवाजी के राज्याभिषेक के दौरान किसी ने हाथ से उनका अभिषेक नहीं किया था। ऐसा कहा जाता है कि उनका अभिषेक बाएं पैर के अंगूठे से किया गया था। क्या भाजपा आज इसकी निंदा करेगी?

धोखा देने वालों से कोई संबंध नहीं: संजय राउत

मुंबई, 23 मार्च। एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को पुणे के वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता उन लोगों से कोई संपर्क नहीं रखते जो पार्टी छोड़कर चले जाते हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अजीत पवार और उनके गुट ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है। बता दें कि इस बैठक में शरद पवार, उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, अजीत पवार और दिलीप वाल्से पाटिल जैसे नेता शामिल थे। यह बैठक वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट की गवर्निंग काउंसिल की बैठक का हिस्सा थी, जिसमें चीनी उद्योग और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। हालांकि जयंत पाटिल के अजीत पवार गुट में शामिल होने की अटकलें काफी समय से लगाई जा रही हैं, लेकिन पाटिल ने इन अफवाहों का खंडन किया है। संजय राउत ने यह भी कहा कि शिवसेना छोड़ने वालों के साथ कोई संवाद नहीं किया जाता और वे उनसे लड़ते रहेंगे। हालांकि ये पहली बार नहीं है कि संजय राउत ने शरद पवार के ऐसे काम से नाराजगी जताई हो। इससे पहले पिछले महीने राउत ने शरद पवार द्वारा एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने और उनकी प्रशंसा करने पर भी नाराजगी जताई थी। राउत का कहना था कि वे उन लोगों से संपर्क नहीं करते जिन्होंने शिवसेना को विभाजित किया और राज्य को धोखा दिया।

एकजुट होकर मजबूती से सामने आएं विपक्षी दल: कपिल सिब्बल

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 23 मार्च। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में बढ़ते मनमुटाव और आपसी विवाद के कारणों के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को एकजुट होकर एक मजबूत और संगठित रूप में सामने आना चाहिए, ताकि उनका प्रभावी रूप से प्रतिनिधित्व हो सके। सिब्बल ने यह भी कहा कि इंडिया को एक ब्लॉक के रूप में दिखाई देना चाहिए, न कि एक अलग-अलग खेमे के रूप में, जैसा कि बीते कई विधानसभा चुनावों में देखने को मिला है। सिब्बल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के दलों को एक सुसंगत नीति, वैचारिक रूपरेखा और कार्यक्रम की जरूरत है, ताकि विपक्षी एकता मजबूत हो और वह आने वाले चुनावों में भाजपा के खिलाफ बेहतर तरीके से मुकाबला कर सकें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विपक्षी दलों के लिए एक औपचारिक ढांचा होना चाहिए, जिसमें प्रवक्ताओं को सामने लाया जाए, जो उनके विचारों का सही तरीके से प्रतिनिधित्व करें। बता दें कि बीते कई विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के भीतर मनमुटाव और आपसी विवाद देखे गए हैं। ये विवाद खासकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच देखा गया। इस बात पर प्रकाश डालते हुए सिब्बल ने कहा कि इन विवादों से विपक्षी

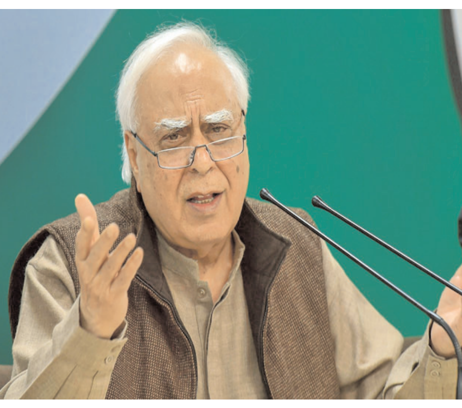

एकता कमजोर हुई है, लेकिन उन्हें विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर विश्वास है। उन्होंने कहा कि समय आने पर पता चलेगा कि यह गठबंधन किस रूप में होगा। सिब्बल ने संसद के बजट सत्र में पेश होने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास बहुमत नहीं है, इसलिए इस विधेयक पर क्या निर्णय लिया जाएगा, यह देखना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी चुनावों को देखते हुए उन्हें लगता है कि इस विधेयक का असर चुनावी प्रक्रिया पर पड़ सकता है। साथ ही सिब्बल ने इन दिनों लगातार चर्चा में चलव रहे परिसीमन मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसका भविष्य में देश की राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि नई जनगणना होने तक परिसीमन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि 2021 की जनगणना अभी तक पूरी नहीं हुई है। इसके अलावा, सिब्बल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन-भाषा फॉर्मूले को लेकर भी अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह एक विवादास्पद मुद्दा है, और इस पर देशभर में अलग-अलग राय हैं। साथ ही सिब्बल ने सरकार से अपील की कि ऐसे विवादास्पद मुद्दों से बचा जाए जो 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान नहीं करते। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने कांग्रेस छोड़ने के बाद समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा में प्रवेश किया।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ एआईएमपीएलबी का बड़ा एलान

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 23 मार्च। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली के प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती। उन्होंने विपक्षी दलों और सांसदों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया, बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया। एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्रवाई समिति ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक विधेयक का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है। आंदोलन के पहले

चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। इसमें कहा गया है कि एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इन प्रदर्शनों में भाग लेंगे। नागरिक समाज के नेता, अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की प्रमुख हस्तियां और दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के प्रमुख लोगों ने भी अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।बयान में कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से सांसदों को चालू संसद सत्र में भाग लेने के लिए व्हिप जारी करने के बावजूद, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्यों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। बयान के अनुसार, पटना में, बिहार के मुख्यमंत्री समेत जेडी(यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), वाईएसआर कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण भेजा गया है। इलियास ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को एक स्पष्ट संदेश भेजना है- या तो विधेयक के लिए समर्थन वापस ले लें या फिर हमारा समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। इस अभियान में धरना प्रदर्शन, मानव श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान शामिल होंगे।

दुर्घटना रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 23 मार्च। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह हर नागरिक के लिए यह एक गंभीर चिंता का विषय है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि जब हम सड़क पर होते हैं, तो हमें कई नियमों का पालन करना चाहिए ताकि दुर्घटनाएं रोकी जा सकें। रिजिजू ने सड़क दुर्घटनाओं को एक बड़ी चिंता का विषय बताते हुए कहा कि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बता दें कि रविवार को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित एक कार रैली 2025 में भाग लेने के दौरान किरेन रिजिजू ने सड़क सुरक्षा पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उन्हें कई केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों का समर्थन प्राप्त है। साथ ही उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए एक ठोस और समग्र रणनीति अपनाने की आवश्यकता को लेकर सभी से सहयोग की अपील की।

मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज

नरेश मल्होत्रा

पटना, 23 मार्च। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सख्त निर्देशों के बाद अब बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं बची है। पुलिस अपराध के खिलाफ एक्शन मोड में आ चुकी है। बीते कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलिस ने कई कुख्यात बदमाशों का एनकाउंटर किया है, वहीं दर्जनों को गिरफ्तार भी किया गया है। इसी साल जनवरी महीने में एसटीएफ की टीम ने 50-50 हजार के दो कुख्यात इनामी अपराधियों को मार गिराया। आठ नक्सलियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अब तक कुल 227 अपराधियों को दबोचा गया है, जिसमें 29 इनामी बदमाश भी शामिल हैं। राज्य की पुलिस अब साफ कर चुकी है कि जो कानून तोड़ेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पिछले तीन महीनों में पटना सहित कई जिलों में मुठभेड़ की चार घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें न केवल अपराधियों की धरपकड़ हुई, बल्कि उनके नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया है। अररिया, मुंगेर, गया, भोजपुर जैसे जिलों में भी पुलिस की कार्रवाई तेज है। अपराधियों की लोकेशन मिलने पर उन्हें मौके पर ही घेरकर कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से गठित एसटीएफ, एसओजी और जिला पुलिस के संयुक्त ऑपरेशनों के जरिए नक्सली और संगठित अपराधियों पर शिकंजा कस दिया गया है। बीते कुछ महीनों में एसटीएफ द्वारा गठित विशेष जांच

इकाइयों, चीता बल और अभियान दलों के माध्यम से की गई कार्रवाइयों में यह साफ हो चुका है कि राज्य में अपराधियों के लिए अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। नक्सली गतिविधियां अब केवल खड़गपुर और छक्कबरबंधा के सीमित पहाड़ी क्षेत्रों तक सिमट गई हैं। पुलिस का लक्ष्य है कि इन क्षेत्रों को भी आगामी तीन महीनों में पूरी तरह उग्रवादमुक्त कर दिया जाए। इसके लिए झारखंड की सीमा से सटे इलाकों में अंतर्राज्यीय समन्वय के साथ अभियान तेज किया गया है। इसके अलावा एसटीएफ द्वारा बनाए गए 15 विशेष ऑपरेशन ग्रुप ने संगठित अपराधियों के खिलाफ कई सफल अभियान चलाए हैं। माफिया नेटवर्क, फिरौती गिरोह, हथियार तस्करी और आर्थिक अपराधों के मामलों में सैकड़ों गिरफ्तारियां हुई हैं। राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया डिजिटल अपराध डाटाबेस भी पुलिस की कार्रवाई में मददगार साबित हो रहा है। टॉप-10 और टॉप-20 अपराधियों की सूची नियमित रूप से अपडेट की जा रही है। जेल में बंद रहते हुए या राज्य से बाहर रहकर अपराध करने वाले अपराधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। ऐसे अपराधियों को प्रश्रय देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार अब हथियारों की अवैध तस्करी के क्रय-विक्रय पर विधिसम्मत नियंत्रण लाने के लिए नई नीति लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्पष्ट संदेश है कि सुशासन के रास्ते में कोई बाधा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए पुलिस को फ्री हैंड दिया गया है और अपराध पर काबू पाने के लिए हर आवश्यक संसाधन मुहैया कराया जा रहा है। एसटीएफ और जिला आसूचना इकाइयों के बीच समन्वय को और मजबूत किया गया है। तकनीकी सेल द्वारा डिजिटल निगरानी, डेटा एनालिटिक्स और रियल टाइम इंटेलिजेंस के आधार पर अपराधियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। बिहार पुलिस की मौजूदा कार्यशैली केवल तात्कालिक कार्रवाई नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। राज्य को उग्रवाद, संगठित अपराध और भय से मुक्त करना अब केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकता बन चुकी है जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाना, और अपराधियों को स्पष्ट संदेश देना यही आज के बिहार की बदलती तस्वीर है। यही कारण है कि अब कहा जा सकता है कि बिहार में कानून का राज लौट रहा है और अपराधियों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

एलन मस्क ने टेस्ला की प्रतिष्ठा नष्ट कर दी

नई दिल्ली, 23 मार्च। टेस्ला में लंबे समय से निवेश कर रहे रॉस गेरबर ने सार्वजनिक रूप से एलन मस्क से सीईओ के पद से इस्तीफा देने की मांग की है। गेरबल का तर्क है कि विशेष रूप से व्हाइट हाउस में ट्रंप की भूमिका के कारण उनका ध्यान बंट रहा है, जो कंपनी को संकट की ओर ले जा रहा है। गेरबर कावासाकी वेल्थ मैनेजमेंट के सीईओ गेरबर ने स्काई न्यूज से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे (मस्क) सरकार में अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यहीं वह अपना समय बिता रहे हैं। वह टेस्ला नहीं चला रहे हैं। मुझे लगता है कि टेस्ला को एक नए सीईओ की जरूरत है। व्यवसाय को बहुत लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया है। एक दशक से ज्यादा समय से गेरबर कावासाकी ने मस्क के नेतृत्व में टेस्ला में निवेश किया है। टेस्ला के सबसे बड़े शेयरधारकों में से न होने के बावजूद- फरवरी 2025 तक उनके पास कंपनी के 262,352 शेयर हैं। उनका फर्म 2023 से लगातार टेस्ला में अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है। कंपनी के बोर्ड में बदलाव के मुखर समर्थक रॉस गेरबर ने मस्क की आलोचना करना शुरू कर दिया है। मस्क के व्हाइट हाउस की गतिविधियों में शामिल होने के बाद उनका विरोध और बढ़ गया है। उन्होंने आउटलेट से कहा, टेस्ला बहुत सारे महत्वपूर्ण काम कर रहा है, इसलिए या तो एलन को टेस्ला में वापस आ जाना चाहिए और टेस्ला का सीईओ बन जाना चाहिए और अपनी अन्य व्यस्तताएं छोड़ देनी चाहिए या फिर उन्हें सरकार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और वह काम करते रहना चाहिए जो वह कर रहे हैं, लेकिन टेस्ला के लिए एक उपयुक्त सीईओ ढूंढना चाहिए। टेस्ला के शेयरों में गिरावट जारी है। पिछले पांच दिनों में शेयरों पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। दिसंबर के शिखर से कंपनी के शेयर 50 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुके हैं। ऐसे में, गेरबर का कहना है कि नेतृत्व परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि ट्विटर (अब एक्स) के साथ मस्क की भागीदारी के समय से उनका ध्यान भटक गया है और टेस्ला को इससे एक नकारात्मक प्रचार मिला है।

बलूचिस्तान में बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया जुल्म

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के आह्वान पर आज की हड़ताल का बड़ा असर पड़ा है। सुबह से दुकानें बंद हैं। कुछ जिलों में आगजनी की घटनाएं भी हुई हैं। क्वेटा में रात से मोबाइल सेवाएं निलंबित हैं। इससे पहले डेटा सेवाएं बंद कर दी गई थीं। बीवाईसी ने दावा किया कि उसके प्रमुख नेताओं एवं अन्य प्रदर्शनकारियों को आज सुबह क्वेटा में धरनास्थल से पुलिस और सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार कर लिया। सुरक्षाबल सुबह 5:30 बजे पहुंचे। उन्होंने बलूच महिलाओं, बच्चों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा की।पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डान की खबर में 'फलों का बगीचा' के नाम से मशहूर क्वेटा और अन्य जिलों के ताजा सूरत-ए-हाल पर विस्तार पर चर्चा की दई है। बलूच यकजेहती समिति पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन का डेटा भी एकत्र करती है। बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं के कारण ही समिति संघीय और राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ा है। खबर के अनुसार, प्रांतीय राजधानी क्वेटा में समिति के सदस्यों को पुलिस दमन का सामना करना पड़ा। समिति के सदस्य जबरन उठा लिए लोगों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

ट्रंप के दो बड़े खुलासे, 'वेनेजुएला निर्वासन' पर हस्ताक्षर नहीं किए, पुतिन शांति तो चाहते हैं पर समझौते पर मुहर नहीं लगा रहे

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने दो बड़े खुलासे किए हैं। वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित करने पर न्यायपालिका से हुए टकराव पर उन्होंने कहा कि इसके लिए 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम को लागू करने के आदेश पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए। रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए प्रयासरत अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पुतिन शांति तो चाहते हैं पर दस्तावेज पर दस्तखत नहीं कर रहे। सीएनएन की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न व्हाइट हाउस में वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित करने के मुद्दे पर संवाददाताओं के प्रश्नों के जवाब में यह प्रतिक्रिया दी। संवाददाताओं ने उनसे न्यायाधीश जेम्स बोसबर्ग की चिंताओं पर पक्ष रखने का आग्रह किया था। बोसबर्ग ने कहा था कि घोषणा पर रात के अंधेरे में हस्ताक्षर किए गए और प्रवासियों को जल्दबाजी में विमानों में चढ़ाया गया। ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि इस पर कब हस्ताक्षर किए गए, क्योंकि मैंने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।इस बीच ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति तो चाहते हैं, जबकि यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी ऐसा नहीं मानते। पुतिन ने ने खुद कहा कि वह शांति चाहते हैं, लेकिन जब उन्हें समझौते का प्रारूप दिया गया तो उन्होंने इस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

अमेरिका के न्यू मैक्सिको में पार्क में हुई गोलीबारी में 3 लोगों की मौत, 14 घायल

ह्यूस्टन। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में एक पार्क में हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पीड़ितों में 19 वर्षीय दो पुरुष और 16 वर्षीय एक लड़का शामिल है। घायलों की उम्र 16 से 36 वर्ष के बीच है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच जारी है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बाली के तट पर नाव पलटने से एक विदेशी पर्यटक की मौत, 2 अन्य घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली के तट पर एक नाव पलटने से एक विदेशी पर्यटक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, शनिवार को एक अधिकारी ने बताया। रीजेंसी में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण एजेंसी की परिचालन इकाई के प्रमुख आई पुतु विडिया अदा ने यह जानकारी देते हुये बताया कि तेरह लोगों को ले जा रही नाव, जिसमें 11 ऑस्ट्रेलिया के थे, क्लुंगकुंग रीजेंसी के पास बड़ी लहरों से टकरा गई। अदा ने कहा, डेनपसार शहर के एक अस्पताल में ले जाते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई, और दो अन्य घायल हो गए।बाली प्रांत के खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख आई न्योमन सिदाकार्या ने बताया कि उस समय द्वीप पर मौसम की स्थिति बहुत खराब थी।

हीथ्रो एयर पोर्ट पर परिचालन पूरी तरह से शुरू, आग लगने से बिजली हो गई थी गुल

एजेंसी

लंदन। लंदन के हीथ्रो एयर पोर्ट ने कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं और हवाई अड्डा अब 'पूरी तरह से चालू' है। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि हीथ्रो आज खुल गया है और पूरी तरह से चालू है। एयरपोर्ट पर टीमें कल हवाई अड्डे के बाहर स्थित बिजली सबस्टेशन में हुई खराबी से प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं।' इसने कहा कि उड़ानों के लंबित मामलों को निपटाने में मदद के लिए सैकड़ों अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया गया है। बयान में कहा गया, 'हमने एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले अतिरिक्त 10,000 यात्रियों की सुविधा के लिए आज के शेड्यूल में उड़ानें जोड़ी हैं। यात्रियों को अपनी फ्लाइट के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करने का सुझाव दिया है।'हवाई अड्डे के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी थॉमस वोल्डबाय ने कहा कि उन्हें 'बड़ी मात्रा में' देरी और रद्दीकरण की उम्मीद नहीं है, लेकिन एयरलाइनों को उन यात्रियों से निपटना होगा जो बिजली कटौती के कारण हुई रुकावट से फंसे हुए हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक हीथ्रो के बंद होने से 200,000 लोगों का ट्रैवल प्लान बाधित होने का अनुमान है। इस बीच, मेट्रोपॉलिटन पुलिस (मेट) के आतंकवाद-रोधी अधिकारी पास के बिजली सबस्टेशन में लगी आग की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके कारण हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोधी कमान कारण जांच का नेतृत्व कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल किसी गड़बड़ी का कोई संकेत नहीं है, लेकिन अधिकारी आग लगने के कारण के संबंध में इस समय खुले दिमाग से काम कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार रात को पश्चिमी लंदन के हेस में एक बिजली सबस्टेशन में दो विस्फोटों और आग लगने के बाद उड़ानें रद्द कर दी गईं। लोगों को उनके घरों से निकाला गया और स्थानीय स्कूल बंद कर दिए गए। कुछ विमानों को लंदन गैटविक एयरपोर्ट, पेरिस और आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट सहित अन्य हवाई अड्डों पर भेजा गया।पिछले साल रिकॉर्ड 83.9 मिलियन यात्रियों को संभालने वाले एयरपोर्ट ने कहा कि उसके बैक-अप डीजल जनरेटर उम्मीद के मुताबिक काम कर रहे थे... लेकिन उन्हें पूर्ण संचालन की अनुमति देने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है। ब्रिटेन के ऊर्जा नियामक ऑफगेम ने घोषणा की कि वह इस घटना के कारण को समझने और इससे क्या सबक सीखा जा सकता है के लिए समीक्षा करेगा।

लेबनान ने इजराइल पर रॉकेट हमले की जांच शुरू की

एजेंसी

बेरूत। लेबनान ने अपने क्षेत्र से इजराइल पर किए गए रॉकेट हमले की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। इस हमले को लेकर लेबनान के रक्षा मंत्री मिशेल मेनासा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे युद्धविराम प्रायोजक देशों के जरिए इजराइल को उसकी लगातार हो रही घुसपैठ और हमलों से रोके।रक्षा मंत्री मेनासा ने कहा कि लेबनानी सेना ने रॉकेट हमले की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घटना के पीछे कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, हम शांति बहाली के अपने प्रयासों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं और नवंबर 2024 के युद्धविराम से पहले की स्थिति में लौटने के खिलाफ हैं। मेनासा ने इजराइल पर आरोप लगाते हुए कहा कि तेल अवीव निर्मूल और झूठे बहानों के तहत लेबनानी क्षेत्र पर हमले कर रहा है। उन्होंने कहा कि लेबनान अपनी दक्षिणी और पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी तरह के संघर्ष को बढ़ावा नहीं देना चाहता। हाल के महीनों में लेबनान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ा है, खासकर गाजा में जारी युद्ध के बाद। नवंबर 2024 में हुए युद्धविराम समझौते के बावजूद, दोनों देशों के बीच सीमा पर छिटपुट झड़पें और हमले जारी रहे हैं।

इस ताजा रॉकेट हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ा है। लेबनान सरकार ने कहा है कि वह इस मामले में सभी तथ्यों की पूर्ण जांच करेगी और किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देगी।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के साथ 'हमेशा' खड़ा रहेगा उत्तर कोरिया : किम जोंग उन

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का 'हमेशा' समर्थन करने की बात कही। एक शीर्ष रूसी सुरक्षा अधिकारी के साथ बैठक के दौरान उन्होंने अपने यह विचार प्रकट किए। प्योंगयांग के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। किम ने एक दिन पहले प्योंगयांग में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु के साथ 'महत्वपूर्ण और उपयोगी' चर्चा की। पूर्व रूसी रक्षा मंत्री वार्ता से कुछ घंटे पहले उत्तर कोरिया पहुंचे थे। कोरियन सेंट्रल न्यूज (केसीएनए) के हवाले से योनहाप ने बताया कि बैठक में दोनों देशों के सुरक्षा हितों की रक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। रिपोर्ट के मुताबिक किम ने यह भी कहा कि यह डीपीआरके सरकार का दृढ़ विकल्प और दृढ़ इच्छा है कि वह भविष्य में राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए रूस के संघर्ष में उसका हमेशा

समर्थन करे। बता दें डीपीआरके का मतलब डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है, जो उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है।केसीएनए ने ब्यौरा दिए बिना कहा कि शोइगू ने किम को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षरित पत्र सौंपा है।एक्सपर्ट्स का मानना है कि शोइगु संभवतः यूक्रेन युद्ध में संघर्ष विराम पर रूस के रुख को समझाने के लिए उत्तर कोरिया गए थे। वह यह भी जानना चाहते थे कि रूस में उत्तर कोरिया की सेना की तैनाती के बदले में मॉस्को को प्योंगयांग को क्या देना होगा? बता दें इस सप्ताह फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ युद्ध में आंशिक युद्ध विराम के तहत यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमलों को अस्थायी रूप से रोकने पर सहमति जताई। शोइगु की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि किम रूस की यात्रा कर सकते हैं।

जंगल की आग को बुझाने में बाधा बनी तेज हवाएं, लोगों को घर खाली करने के निर्देश

एजेंसी

चांगवोन। दक्षिण-पूर्वी काउंटी सानचियोंग में लगी जंगल की आग को बुझाने में तेज हवाओं के कारण मुश्किलें आ रही हैं, जिसके कारण और अधिक घरों को खाली करने का आदेश दिया गया। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, सांचियोंग के काउंटी कार्यालय ने आठ शहरों के निवासियों को दोपहर तीन बजे तक तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने का निर्देश दिया। यह कदम काउंटी कार्यालय की ओर से जंगल की आग से प्रभावित सात गांवों के 213 निवासियों को पास के एक अनुसंधान केंद्र में भेजने के आदेश के एक दिन बाद उठाया गया।

जंगल की आग से प्रभावित सात गांवों में से एक गांव के शख्स को धुएं के कारण अस्पताल में इलाज कराया गया, लेकिन किसी अन्य को नुकसान नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से प्रभावित क्षेत्र बढ़कर 290 हेक्टेयर हो गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे सूर्यास्त से पहले आग बुझाने के लिए

सभी जरूरी उपकरण और कर्मचारियों को जुटाने की पूरी कोशिश करें। उन्होंने निवासियों की सुरक्षा के साथ-साथ घटनास्थल पर तैनात अग्निशमन कर्मचारियों से भी अपनी सुरक्षा का ध्यान रखने को कहा। कार्यवाहक राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि अगर आग रात भर जलती रहे, तो उसके लिए पूरी तैयारी की जानी चाहिए। दोपहर 3:26 बजे आग लगने के लगभग तीन घंटे बाद अधिकारियों ने आग बुझाने के लिए सबसे उच्च स्तर के उपाय शुरू किए। अधिकारी आग लगने का सही कारण जानने की योजना बना रहे हैं। आग लगने की सूचना देने वाले व्यक्ति ने बताया कि घास काटते समय चिंगारी से आग लगी थी।

ढाका में सड़कों पर उतरे हजारों मजदूर, हाईवे किया जाम, क्या है मामला?

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी में हजारों मजदूरों ने प्रदर्शन किया और हाईवे जाम कर दिया। उन्होंने कारखाने को दोबारा खोलने, वार्षिक अवकाश, बकाया अवकाश भुगतान और बोनस की मांग की। मजदूरों ने दो घंटे तक ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग को जाम रखा, जिससे यातायात बाधित रहा और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ढाका संभाग के गाजीपुर जिले में जायंट निट गारमेंट फैक्ट्री के मजदूरों ने सुबह फैक्ट्री बंद होने का नोटिस देखने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू किया। गाजीपुर औद्योगिक पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) फारुक हुसैन ने बताया कि श्रमिकों ने छुट्टी और बोनस भुगतान को लेकर गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया था। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इसके जवाब में फैक्ट्री के अधिकारियों ने फैक्ट्री बंद करने का नोटिस जारी कर दिया।

छुट्टी और बोनस के बारे में अधिकारियों से बातचीत करने के कई कोशिशों के बावजूद, श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। एक प्रदर्शनकारी कर्मचारी ने डेली स्टार से कहा, हम अपने परिवारों के साथ जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ईद करीब आ रही है, फिर भी हमारी छुट्टियों के भुगतान और बोनस की कोई गारंटी नहीं है। फैक्ट्री को फिरमनी से खोलना चाहिए और हमारे बकाए का तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में सैकड़ों श्रमिकों ने वेतन न मिलने के मुद्दे पर गाजीपुर के भोगरा बाईपास चौराहे पर ढाका-तंगैल और ढाका-मैमनसिंह हाईवे को जाम कर दिया था। विरोध प्रदर्शन के कारण पहले से ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि 300 से अधिक मजदूरों को उनका वेतन नहीं मिला। अधिकारी बिना कोई वैध कारण बताए उनके वेतन में देरी कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह गाजीपुर के कलियाकोइर में कम से कम 15 कपड़ा कारखानों के मजदूरों ने एक कारखाने के बंद होने और श्रमिकों पर कथित हमले के विरोध में ढाका-तंगैल हाईवे को ब्लॉक कर दिया था। नवंबर 2024 में जारी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका और भूटान के बाद बांग्लादेश में दक्षिण एशियाई देशों में कम वेतन वाले मजदूरों का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है।

नेपाल सरकार की फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सरकार ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म- फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि अगर वे एक महीने में पंजीकरण करने में विफल रहते हैं तो इन तीनों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक नोटिस जारी करते हुए अपंजीकृत प्लेटफार्मों को सोशल मीडिया दिशानिर्देशों के खंड 3, उप-खंड (7) के तहत प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी दी है। नोटिस को लेकर सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने बताया कि बार-बार सभी सोशल मीडिया साइट्स को पंजीकरण का आग्रह किया गया था जिसके बाद अब तक सिर्फ वाइबर और टिकटॉक ने नेपाल में पंजीकरण करवाया है। गुरुंग ने कहा कि यह अंतिम बार एक महीने का नोटिस दिया गया है। यदि इस बार भी इन प्लेटफार्मों का पंजीकरण नहीं कराया जाता है तो नेपाल में इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। फेसबुक, एक्स, टिकटॉक और लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्मों से सोशल मीडिया उपयोग विनियमन दिशानिर्देशों का पालन करने का बार-बार आग्रह किया गया है।

इसके अतिरिक्त सरकार ने संसद में एक सोशल मीडिया विधेयक पेश कर सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों को कानून के अधिनियमन के छह महीने के भीतर सोशल मीडिया विभाग के साथ पंजीकरण करना होगा। अनुपालन में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। विधेयक में साइबरबुलिंग, हैकिंग और गलत सूचना जैसे अपराधों के उल्लंघन के लिए पांच साल तक की जेल की सजा के साथ-साथ 5 लाख रुपये तक का जुर्माना भी शामिल है।

नाटो में शामिल नहीं हो पाएगा यूक्रेन, जेलेंस्की ने माना : मध्य पूर्व में अमेरिकी दूत

एजेंसी

कीव । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व में दूत स्टीवन विटकॉफ ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मोटे तौर पर स्वीकार कर लिया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं हो पाएगा। अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन के साथ एक इंटरव्यू में विटकॉफ ने कहा कि जेलेंस्की और यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने 'काफी हद तक स्वीकार कर लिया है कि वे नाटो के सदस्य नहीं बनने जा रहे हैं।' विटकॉफ ने कहा, 'यदि कोई शांति समझौता होने जा रहा है, तो यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि यह बात काफी हद तक स्वीकार्य है।' दूत ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी नेतृत्व ने चुनाव कराने पर सहमति जताई है, लेकिन उन्होंने कोई ब्यौरा नहीं दिया। कार्लसन के यह पूछने पर कि क्या यूक्रेन में चुनाव होंगे विटकॉफ ने

कहा, ÷हां। होंगे। वे इसके लिए सहमत हो गए हैं। यूक्रेन में चुनाव होंगे। राष्ट्रपति चुनाव 2024 में होने की उम्मीद थी, लेकिन देश के मार्शल लॉ के कारण इसे स्थगित कर दिया गया, जो रूस के साथ चल रहे संघर्ष की शुरुआत से ही लागू है। एक महीने पहले, ट्रंप ने जेलेंस्की को ÷बिना चुनाव वाला तानाशाह÷ करार दिया था।इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ एक घंटे तक फोन पर %बहुत अच्छी% बातचीत की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करने के एक दिन बाद उनकी जेलेंस्की के साथ ये फोन वार्ता हुई। जेलेंस्की ने बाद में कहा कि उनका मानना है कि ट्रंप के नेतृत्व में 'इस साल स्थायी शांति हासिल की जा सकती है।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर संभावित अमेरिकी स्वामित्व पर भी चर्चा की गई। हालांकि बाद में जेलेंस्की ने कहा कि यह केवल रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया प्लांट के बारे में था। कॉल का लहजा पिछले महीने अलग लगता है, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति की व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ तीखी बहस हुई थी। पहली बार दोनों नेताओं ने ओवल ऑफिस में हुई बैठक के बाद बात की। हालांकि तब से, दोनों देशों की टीमें सऊदी अरब में मिल चुकी हैं और प्रस्तावित 30-दिवसीय युद्ध विराम पर बातचीत कर चुकी हैं। युद्ध विराम प्रस्ताव को यूक्रेन और अमेरिका का समर्थन प्राप्त है लेकिन ट्रंप के साथ बातचीत के बाद व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में तत्काल और पूर्ण युद्धविराम को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने केवल ऊर्जा ढांचे पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की।

अमेरिका ने नेपाल के एमसीसी अंतर्गत कुछ कार्यों को आगे बढ़ाने की दी अनुमति

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिकी सरकार ने विभिन्न तरह के आर्थिक सहायता कांटूने के अपने फैसले में मिलेनियम चैलेंज कॉम्पेक्ट (एमसीसी) परियोजना को भी रोक दिया था। 55 मिलियन डॉलर के इस आर्थिक सहायता वाले परियोजना के कुछ हिस्सों को अब अमेरिका ने जारी रखने का निर्देश दिया है। एमसीसी नेपाल की तरफ से रविवार को एक बयान जारी करते हुए इसकी जानकारी दी गई है। अपने बयान में एमसीए नेपाल ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा हाल ही में नेपाल के दफ्तर संचालन और कुछ सामग्री खरीद की अनुमति प्रदान की है। डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा अमेरिकी सत्ता संभालने के बाद से यूएसएआईडी सहित नेपाल में एमसीसी के सभी परियोजना और नेपाल स्थित उसके दफ्तर को बंद करने का निर्देश दिया था। एमसीसी अमेरिका की बैठक में किए गए निर्णयों के बाद एमसीसी नेपाल चैप्टर ने जानकारी दी है कि काठमांडू स्थित उनके दफ्तर को पुनः संचालित करने और टेंडर हो चुके परियोजना में खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति प्रदान की गई है। एमसीसी अमेरिका के तरफ से नेपाल में 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सहायता से दो अंतराष्ट्रीय विद्युत प्रसारण लाइन के निर्माण किया जा रहा था। एमसीसी नेपाल के प्रवक्ता पुष्कर माथेमा ने बताया कि नए निर्देशों के बाद जो ट्रांसमिशन लाइन निर्माण के लिए टेंडर निकल चुका हैं, उसका अग्रिम भुगतान कर सामग्री खरीद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। एक और नया टेंडर का परिणाम भी घोषित किया जाएगा जो पहले निकल चुका है और अचानक अमेरिकी सरकार के फैसले के कारण उसे बीच में ही रोक देना पड़ा था। एमसीसी नेपाल ने भारत की ट्रांसरेल कंपनी के साथ 18 किमी लंबे ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण का समझौता कर चुकी है। अगस्त 2024 में हुए इस समझौते के तहत नेपाल से भारत की सीमा तक 18 किमी लंबे प्रसारण लाइन का निर्माण किया जाएगा।

गाजा में स्थायी युद्धविराम के लिए पाकिस्तान ने यूएनएससी से की अपील

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से आग्रह किया है कि वह इजराइल को तुरंत गाजा में सैन्य हमले रोकने का आदेश दे और वहां स्थायी और निरंतर युद्धविराम लागू करने के लिए दबाव बनाए। पाकिस्तान का कहना है कि इससे घिरे हुए क्षेत्र में मानवीय सहायता बहाल की जा सकेगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 15 सदस्यीय बैठक के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकबर ने कहा कि गाजा की 90 प्रतिशत से अधिक आबादी भुखमरी का शिकार हो रही है, क्योंकि इजराइल की नाकेबंदी के कारण खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति बाधित हो गई है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गहरे संकट में पाकिस्तान, देश की अखंडता के साथ-साथ चीन की दोस्ती खोने का डर

एजेंसी

इस्लामाबाद । बलूचिस्तान पाकिस्तान के लिए न सुलझने वाली गुत्थी बनता जा रहा है। प्रांत में अलगववादी चरमपंथियों की कार्रवाईयों ने सरकार को हिला कर रख दिया है। इस प्रदेश में बढ़ती हिंसा न सिर्फ सुरक्षा के नजरिए से बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी पाकिस्तान को बड़ा जख्म दे सकती है। चीन ने यहा बड़े पैमाने पर निवेश किया है लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि हाल की हिंसक घटनाओं के बाद क्या बीजिंग अपने कदम पीछे खींच सकता है। पाकिस्तान के भूमि क्षेत्र का लगभग 44फीसदी हिस्सा बलूचिस्तान का है। यह अफगानिस्तान और ईरान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा भी साझा करता है। इस प्रांत केवल 5फीसदी कृषि योग्य है। यह अत्यंत शुष्क रेगिस्तानी जलवायु के लिए जाना जाता है लेकिन इसे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है। इसके बावजूद विकास की दौड़ में सबसे पीछे रह गया है। इस प्रांत में तांबा, सोना, कोयला और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार हैं, जो पाकिस्तान की खनिज संपदा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और मध्य एशिया को जोड़ने वाली अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, बलूचिस्तान न एक भू-राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहमियत रखता है। बलूचिस्तान की भू-रणनीतिक अहमियत के कारण चीन की मत्वकांक्षी परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) का एक बड़ा हिस्सा इसी प्रांत में है। सीपीईसी चीनी राष्टपति शी जिनपिंग की 'बेल्ट एंड रोड' पहल का हिस्सा है और ग्वादर शहर का बंदरगाह इस प्रोजेक्ट के लिए बेहद अहम माना जाता है। यह एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा परियोजना है जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के अरब सागर तट के माध्यम से चीन को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना है। अरब सागर पर स्थित ग्वादर बंदरगाह इस क्षेत्र के लिए एक प्रमुख व्यापार द्वार साबित हो सकता है। हालांकि बड़ी संख्या में बलूच लोग यह मानते हैं कि ये निवेश बाहरी शोषण का एक रूप है। पाकिस्तानी सरकार सीपीईस को गेम-चेंजर के रूप में पेश करती है लेकिन स्थानीय लोगों की दलील है कि इन विशाल परियोजनाओं से बहुत कम लाभ होता है। चीनी कंपनियों और श्रमिकों की आमद ने स्थानीय लोगों की नाराजगी को और गहरा कर दिया है क्योंकि वे बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं से जूझ रहे हैं। वैसे बलूचिस्तान के शोषण का मुद्दा काफी पुराना है। स्थानीय लोग दशकों से आरोप लगाते रहे हैं कि प्रांतीय और केंद्र सरकारें यहां के प्राकृतिक संसाधनों को दोहन का भारी मुनाफा कमाती रही हैं लेकिन इलाके में विकास को पूरी तरह उपेक्षा की जाती रही है। प्रांत में बलूच राष्ट्रवादियों ने आजादी के लिए 1948-50, 1958-60, 1962-63 और 1973-1977 में विद्रोह किए हैं। बलूचिस्तान में कई अलगाववादी समूह सक्रिए हैं जिनमें से बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे बड़ी चुनौती बन कर उभरा है। पिछले दिनों जाफर एक्सप्रेस को किडनैप कर इस समूह ने अपनी ताकत जता दी है। चीन के लिए, सीपीईसी की कामयाबी बलूचिस्तान में स्थिरता पर निर्भर करती है। हालांकि, अलगाववादी समूहों का निरंतर प्रतिरोध इसके निवेश के लिए एक गंभीर चुनौती है। यदि संघर्ष आगे बढ़ता है, तो यह क्षेत्र में बीजिंग की महत्वकांक्षाओं को खतरे में डाल सकता है। पाकिस्तान में सीपीईसी परियोजनाओं में वर्तमान में लगभग 30,000 चीनी नागरिक काम कर रहे हैं। बीजिंग के लिए अपने नगारिकों की सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल खासतौर से बलूचिस्तान में।

शाहीन बाग में फुटवियर शोरूम में लगी आग पर पांच घंटे बाद दमकल ने पाया काबू

एजेंसी

नई दिल्ली। शाहीन बाग इलाके में सुबह फुटवियर शोरूम में लगी आग पांच घंटे बाद बुझी। फिलहाल कूलिंग का काम जारी है।दमकल विभाग के अनुसार पूर्वाह्न 11.17 बजे सूचना मिली कि शाहीन बाग मार्केट स्थित बाटा के शोरूम में आग लग गई है। आसपास के स्टेशन से एक-एक कर 12 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर लगी थी। बढ़ती आग को देखते हुए दमकल विभाग ने हाइड्रोलिक मशीन भी मंगवाई। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शाम चार बजे आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल अधिकारी के अनुसार शोरूम वालों ने पहली मंजिल पर गोदाम बनाया हुआ था।

हत्या के मामले में दो नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने बिंदापुर इलाके में चार माह पूर्व हुए झगड़े का बदला लेने के लिए एक नाबालिग ने पहले ऑनलाइन शॉपिंग साइट अमेजन से चाकू मंगवाया फिर अपने नाबालिग दोस्त के साथ एक युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी। घटना में मृतक का साथी भी चाकू लगने से घायल हो गया था। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को बीती देर रात धर दबोचा है। उनके कब्जे से निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि बिंदापुर इलाके में बीती देर रात प्रताप गार्डन में चाकूबाजी की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला राजू नामक युवक तथा उसके दोस्त पर चाकू से हमला किया गया था। राजू की अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो गई थी जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस संबंध में बिंदापुर थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। द्वारका जिले की एंटी बर्गलरी सेल की टीम ने ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसमें वारदात के बाद हमलावर भागते नजर आए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने 1 घंटे के भीतर आरोपित नाबालिग को डाबड़ी के एकता मार्केट से दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर चाणक्य पैलेस इलाके से दूसरे नाबालिग को भी पकड़ लिया गया। दोनों की निशानदेही पर कूड़ेदान में छिपाया गया चाकू बरामद कर लिया गया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर नाबालिग ने बताया कि उसकी मृतक राजू के साथ करीब चार माह पहले कहासुनी हो गई थी।

पुलिस ने शातिर बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की सदर बाजार थाना पुलिस ने 83 आपराधिक मामलों में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान अर्जुन उर्फ चिमटा बादल उर्फ चेंजर उर्फ सुदामा (35) के रूप में हुई है। सदर बाजार इलाके में इसने एक युवक का महंगा मोबाइल झपट लिया था। पुलिस ने उसे रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने उसके कब्जे से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित दिसंबर 2024 में ही जेल से बाहर आया है। नशे की लत को पूरा करने के लिए उसने दोबारा अपराध शुरू कर दिया। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 19 मार्च की रात को उनकी टीम ग्रीन मार्केट, सदर बाजार में पेट्रोलिंग पर थी। इस बीच उन्होंने चोर-चोर का शोर सुना। जांच में पता चला कि एक युवक दूसरे व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा है। उसे दबोच लिया गया। उसके पास से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि पकड़ा गया आरोपित 83 मामलों में शामिल है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने डीडीए ग्राउंड, निरंकारी भवन के पास मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विशाल उर्फ बादल और कन्हैया उर्फ अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की स्कूटी व एक व दो पिस्तौल बरामद की है। शुरुआती जांच में पता चला है कि विशाल उर्फ बादल अशोक विहार में हत्या व डकैती के मामले में वांछित चल रहा था जबकि कन्हैया उर्फ अमित समयपुर बादली इलाके में हुई डकैती के मामले में वांछित था।

उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि दो बदमाश निरंकारी भवन के पास किसी से मिलने के लिए आने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। देर रात स्कूटी पर पुलिस को दो संदिग्ध युवक स्कूटी से आते दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने भी की। पुलिस की एक गोली विशाल उर्फ बादल के पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को धर दबोचा।

श्री राजीव अग्निहोत्री ने दिल्ली उच्च और जिला न्यायालय में विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई दी

नई दिल्ली (न्यूज वार्ता) लॉयर्स यूनाइटेड फ्रंट के सदस्यों की ओर से और लॉयर्स यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष के रूप में अपनी ओर से,मैं दिल्ली उच्च न्यायालय बार और जिला न्यायालय बार चुनावों में विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ ! मैं उन्हें सकारात्मक बदलाव, प्रगति और बिरादरी के लिए समृद्धि से भरा कार्यकाल देने की कामना करता हूँ। चुनावों को वैधानिक संस्थाओं के रूप में देखा जाता है, चुनाव लोकतांत्रिक राजनीति के मूल में हैं। कम से कम सिद्धांत रूप में तो ऐसा ही है,अगर हमेशा नहीं। हालांकि कुछ लोगों ने विजेताओं और हारने वालों दोनों के लिए मिश्रित भावनाएं व्यक्त की हैं। श्री राजीव अग्निहोत्री ने अपने सन्देश में कहा इस संभावना का पता लगाएं कि जो जीत नहीं सका लेकिन फिर भी बिरादरी की सेवा करने की तीव्र इच्छा रखता है । उनके लिए सेवा का मौका हरदम है और सेवा सिर्फ जीतने वाला ही कर सकता है । मैं एकता और अखंडता को बढ़ाने के लिए वकीलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने की एलयूएफ की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। ईश्वर हमारी बिरादरी को आशीर्वाद देते रहें और हमारे पेशे को महान और मजबूत बनाए रखें। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप्प पर बधाई सन्देश को बहुत से वकीलों ने सराहा वकील श्यामेन्द्र शर्मा, मयंक गक्खड़, तृषा चेरी , बलदेव शरण, जीतेन्द्र मिश्रा मीनाक्षी,दिनेश कुमार सिंह, मधुसूदन भयाना,राघव कपूर,अरविन्द अग्निहोत्री,प्रियांशु राज,वरिंदर कुमार पांडेय, पुष्पराज सिंह, वीरेन्द दुबे इत्यादि।

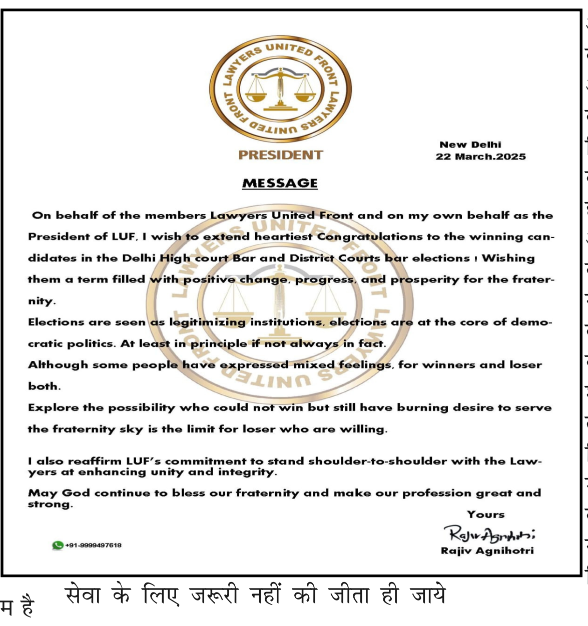

LAWYERS UNITED FRONT

PRESIDENT

New Delhi
22 March.2025

MESSAGE

On behalf of the members Lawyers United Front and on my own behalf as the President of LUF, I wish to extend heartiest Congratulations to the winning candidates in the Delhi High court Bar and District Courts bar elections ! Wishing them a term filled with positive change, progress, and prosperity for the fraternity.

Elections are seen as legitimizing institutions, elections are at the core of democratic politics. At least in principle if not always in fact.

Although some people have expressed mixed feelings, for winners and loser both.

Explore the possibility who could not win but still have burning desire to serve the fraternity sky is the limit for loser who are willing.

I also reaffirm LUF's commitment to stand shoulder-to-shoulder with the Lawyers at enhancing unity and integrity.

May God continue to bless our fraternity and make our profession great and strong.

Yours
Rajiv Agnihotri

+91-9999497618

सेवा के लिए जरूरी नहीं की जीता ही जाये

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस ने यहां अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 23 मतदाता पहचान पत्र, 19 पैन कार्ड , 17 आधार कार्ड, 1 सीपीयू., 11 जन्म प्रमाण पत्र और 6 खाली मतदाता पहचान पत्र बरामद हुए हैं। यहां पुलिस मुख्यालय में आज एक प्रेस वार्ता में डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि पकड़े गए इन 18 बांग्लादेशियों में 6 को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश भेज दिया गया है। आठ बांग्लादेशी पुलिस की गिरफ्त में हैं जबकि चार से पूछताछ चल रही है। उनसे पूछताछ में कुछ अन्य खुलासे संभव हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद ज्वेल इस्लाम, मोहम्मद आलमगीर, मोहम्मद लतीफ खान, मोहम्मद नदीम शेख, मोहम्मद मिजानुर रहमान, रबीउल पुत्र जहांगीर हुसैन, मोहम्मद रेजाउल और कमरुज्जमां के रूप में हुई है। डीसीपी के अनुसार बांग्लादेशी नागरिकों को शरण देने, उनके पहचान संबंधी फर्जी दस्तावेज तैयार करने और हवाला के जरिए रुपये बांग्लादेश भेजने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद मोइनुद्दीन, निजामुद्दीन बस्ती निवासी मोहम्मद शाहीन, पुलपहलादपुर निवासी जुल्फिकार अंसारी, जावेद, फरमान खान, मनवर हुसैन, निमाई कर्माकर और गौरांग दत्ता के रूप में हुई है। निजामुद्दीन बस्ती निवासी मनवर हुसैन दरगाह हजरत निजामुद्दीन में काम करता है। वह अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों से नकद रुपये एकत्रित कर बांग्लादेश में उनके परिवार व रिश्तेदारों के पास भेजने का काम करता था।

दिल्ली 'नेवा' प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाला 28वां राज्य बना, पेपरलेस होगी विधानसभा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस समझौते के साथ दिल्ली नेवा परियोजना को लागू करने के लिए मंत्रालय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 28वां राज्य बन गया है, जो विधायी कार्यप्रणाली में एक नए युग की शुरुआत को दर्शाता है।

इस समझौते पर संसदीय कार्य मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. सत्य प्रकाश, मिशन लीडर (नेवा) दिल्ली विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार प्रधान सचिव (कानून) रितेश सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव उमंग नरूला भी उपस्थित रहे। यह समझौता दिल्ली विधानसभा की पेपरलेस और अधिक पारदर्शी विधायी प्रणाली की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो ÷एक राष्ट्र, एक एप्लिकेशन÷ की प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप है। नेवा प्लेटफॉर्म संसदीय कार्य मंत्रालय के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है, जो विधायी कार्यों को डिजिटलीकरण, वास्तविक समय में दस्तावेजों की उपलब्धता और सदस्यों व सचिवालय के बीच सुगम समन्वय स्थापित करके अधिक कुशल, सुलभ और सतत बनाने का लक्ष्य रखता है। इस प्रणाली को अपनाने से दिल्ली विधानसभा कागज की खपत में भारी कमी, कार्यप्रवाह को सरल बनाने और विधायक सदस्यों को डिजिटल संसाधनों से सशक्त करने में सक्षम होगी। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव उमंग नरूला ने दिल्ली विधानसभा की इस पहल की सराहना की और नेवा के सुचारू कार्यान्वयन, प्रशिक्षण और सभी संबंधित पक्षों की सफल ऑनबोर्डिंग में मंत्रालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कांग्रेस ने की पटियाला में कर्नल से पुलिस मारपीट की घटना की न्यायिक जांच की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पंजाब में सेना के कर्नल पुष्पेंद्र सिंह बाठ और उनके पुत्र के साथ मारपीट करने की घटना की न्यायिक जांच की मांग की है। इसके साथ ही पटियाला के एसएसपी नानक सिंह को वहां से हटाने और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पार्टी ने इस घटना के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार को दोषी ठहराया है।एआईसीसी सचिव एवं पंजाब के सह प्रभारी आलोक शर्मा और एआईसीसी के भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के चेयरमैन कर्नल रोहित चौधरी ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस घटना के लिए पुलिस और पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि यह सबकुछ उस सीमावर्ती राज्य पंजाब में हुआ,

जहां सेना और पुलिस के बीच अत्यंत तालमेल होना चाहिए। पंजाब में 35 प्रतिशत जवान किसान परिवारों से आते हैं। जहां देश में जय जवान, जय किसान का नारा बुलंद किया जाता है, वहीं पंजाब की भगवंत मान सरकार अब मारो जवान को, मारो किसान को पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि पटियाला में सेना के सेवारत कर्नल और उनके बेटे के साथ पंजाब पुलिस के कर्मियों द्वारा 13-14 मार्च की रात बर्बरता से मारपीट की गई। ये बहुत ही गंभीर मामला है। इस घटना में कर्नल का हाथ टूट गया, लेकिन 4 दिन तक एफआईआर नहीं की गई। पीड़ित कर्नल घटना वाली रात 1 बजे अस्पताल पहुंचे लेकिन सुबह 6 बजे उनका इलाज किया गया। इस केस में 4 दिन तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। कल राज्यपाल के हस्तक्षेप से पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की बात की गई, लेकिन सुरक्षा किससे? पंजाब पुलिस के वर्दी वाले गुंडों से! आज हालात ये हैं कि एक फौजी पंजाब में अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के सम्मेलन में श्रमिकों को संगठित कर न्याय दिलाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 24 राज्यों के 530 प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसकी अध्यक्षता केकेसी चेयरमैन डॉ उदितराज ने की। सम्मेलन को कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक और पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद दिग्विजय सिंह ने सम्बोधित किया। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक ने इसमें सहभागिता कर रहे लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश को देखें तो एक तरफ उपेक्षित वर्ग है और दूसरी तरफ प्रस्थापित वर्ग है। उपेक्षित वर्ग की सहूलियत के लिए देश में जो कानून बने हैं, उन्हें असरदार तरीके से लागू किया जाए, इस पर सरकार को काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में दलितों और आदिवासियों, असंगठित कामगारों के लिए कई कानून बने लेकिन उनका पूरी तरह से लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा

है। इसलिए हमें श्रमिकों के बीच इन कानूनों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना होगा, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने आने वाले समय में असंगठित और उपेक्षित वर्ग को संगठित करने और उन्हें न्याय दिलाने पर जोर दिया। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में हर जाति के कुछ नेता होते हैं, जो अपनी जाति के लोगों को आगे लेकर जाने का काम करते हैं। कई जगहों पर जाति के नाम पर भेदभाव भी होता है। जब शहर में जाएंगे तो वहां 75 प्रतिशत लोग गैर-कृषि का काम करते हैं। वो क्लास में बंट जाते हैं। रेहड़ी-पटरी वाले, झुग्गियों में रहने वाले, हाउस हेल्प, रिक्शा चलाने वाले, गिग वर्कर्स एक अलग क्लास है। ये सभी असंगठित हैं। ये आपको कहीं भी संगठन में नजर नहीं आएंगे। इस वजह से उनकी आवाज नहीं उठ पाती है। इसीलिए केकेसी ऐसे लोगों की आवाज बनेगी।माकन ने कहा कि रेहड़ी-पटरी आजीविका संरक्षण कानून (वेंडर एक्ट) 2013 में कांग्रेस सरकार लेकर आई थी। इस कानून का नया ड्राफ्ट बतौर मंत्री मैंने लिखा था। ये ऐक्ट कहता है कि देश के हर शहर में वहां की कुल आबादी के 2.5 प्रतिशत के अनुपात में रेहड़ी-पटरी लगाने के लिए वेंडर्स को लाइसेंस सर्टिफिकेट दिए जाने चाहिए। इस हिसाब से पूरे देश में कुल 02 करोड़ लोगों को वेंडर्स लाइसेंस सर्टिफिकेट दिया जाना चाहिए लेकिन दुख की बात है कि मौजूदा सरकार ने अपने 10-11 साल में 2 लाख भी रिकॉग्नाइज्ड वेंडर्स सर्टिफिकेट नहीं बांटे हैं। उन्होंने कहा कि इस एक्ट की धारा-3 (3) कहती है कि जब तक वेंडिंग जोन चिह्नित ना हो जाए, एक भी वेंडर को हटाया नहीं जा सकता है।

स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में भारत की बड़ी छलांग, गोवा शिपयार्ड ने लांच किया फ्रिगेट 'तवस्या'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख रक्षा शिपयार्डों में से एक गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने प्रोजेक्ट 1135.6 (यार्ड 1259) के दूसरे फ्रिगेट 'तवस्या' के सफल लॉन्च के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह लॉन्च युद्धपोत निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो रक्षा निर्माण में देश के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। इस जहाज को नीता सेठ द्वारा रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की उपस्थिति में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्यमंत्री ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने वाली भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद केवल आठ महीनों के भीतर दो जटिल हथियार-गहन फ्रिगेट लॉन्च करने में जीएसएल की असाधारण उपलब्धि की सराहना की। नौसेना की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह लॉन्च भारत के नौसेना इतिहास में एक निर्णायक क्षण है, जो हमारी तकनीकी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, टारपीडो लॉन्चर, सोनार और सहायक नियंत्रण प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण घटकों का सफल स्थानीयकरण भारत के जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ते लचीलेपन को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि तवस्या का लॉन्च न केवल भारतीय नौसेना के लिए एक कदम आगे है बल्कि भारत की रणनीतिक रक्षा महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग है।

संघ ने बांग्लादेश के हिन्दुओं के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हिन्दू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ बढ़ती हिंसा और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही संघ ने वैश्विक समुदाय से हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का आग्रह किया है। संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बेंगलुरु के चन्नेनहल्ली स्थित जनसेवा विद्या केंद्र में चल रही है। बैठक के दूसरे दिन सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्तावों पर मीडिया को जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी मौजूद थे। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सराहनीय कदम उठाए हैं। बांग्लादेश सरकार के साथ कूटनीतिक प्रयास भी किए हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को उठाया है, लेकिन अगर अत्याचार जारी रहा या बढ़ा तो आगे और कार्रवाई की आवश्यकता हो सकती है।अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा पर अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्ताव में धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिन्दुओं की संपत्तियों को नष्ट करने

द्वारा बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान शीर्षक वाले प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि संघ बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के हाथों हिन्दू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति पर बढ़ती हिंसा, उत्पीड़न और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। बांग्लादेश की स्थिति का आह्वान किया गया। बयान में कहा गया कि हिंसा के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव में धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है।

भारत से एजेंटों के जरिये परिजनों को रुपये भेजते थे पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली में अवैध रूप से रहने वाले बंग्लादेशी कूड़ा, साफ-सफाई, फूड डिलीवरी व अन्य छोटे-मोटे काम करते थे। दिल्ली से यूपीआई ऐप से बॉर्डर एजेंटों को रुपये भेजकर हवाला के तरीके से रुपये बांग्लादेश निवासी अपने परिजनों तक पहुंचाते थे। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने आज यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपित पकड़े गये आरोपितों में से भोगल, निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद जेवेल इस्लाम व उसका बड़ा भाई मोहम्मद आलमगीर बांग्लादेश से दिल्ली आने के बाद यहां कबाड़ का काम करता था। इस दौरान उसने एक भारतीय महिला से शादी कर ली और उसके दो बच्चे भी हैं। दोनों बच्चे दिल्ली के स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा तीन आरोपित कोटला मुबारकपुर में रहने वाले लतीफ खान, मोहम्मद मिजानुर रहमान व रबिउल हैं। लतीफ कूड़ा बीनने का काम करता है। मिजानुर कबाड़ व्यापारी है और रबिउल अस्पताल में मामूली काम करता है। इनका परिवार बांग्लादेश में ही रहता है। लतीफ का भाई नदीम शेख साफ-सफाई व झाड़ू-पोंछा का काम करता था। साल 2000 में दिल्ली आये भलस्वा डेयरी के जेजे कॉलोनी निवासी मोहम्द रिजाउल ने यहां आने के बाद भारतीय महिला से शादी कर ली। कमाई के लिए कैब चालक का काम शुरू किया। उसने किसी तरह से एक भारतीय पासपोर्ट बनवाया और उसके बाद लगातार दिल्ली से बांग्लादेश आने जाने लगा। वह इसी बहाने से दिल्ली से रुपये लेकर बांग्लादेश में रह रहे अन्य आरोपितों के परिवारों तक पहुंचाता था। पिछले दो सालों में वह करीब 22 बार भारत से नेपाल व नेपाल से भारत की यात्रा कर चुका है। इसी क्रम में आरोपित कमरुज्जमान साल 2014 में दिल्ली आया और जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय का काम करने लगा। गिरोह का सरगना बस्ती निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद मोईनुद्दीन दिल्ली के अमीर खुसरो नगर में कंप्यूटर की दुकान चलाता था।

ईआरओ, डीईओ और सीईओ स्तर पर बैठकों में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) स्तर पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (एसी) में मतदान केंद्र स्तर पर लंबित किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए सर्वदलीय बैठकें कर रहे हैं। बैठकों में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर बताया कि देश भर में 4,123 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) अपने-अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (एसी) में मतदान केंद्र स्तर पर लंबित किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए सर्वदलीय बैठकें कर रहे हैं। इसी तरह, सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 788 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को जिला और केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर ऐसी बैठकों का आयोजन करने तथा लंबित मुद्दों का समाधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 में निर्धारित

कानूनी ढांचे और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और अनुदेशों के भीतर करने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय व राज्यीय राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी के साथ ये बैठकें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। ऐसी सभी बैठकें पूरे देश में प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, जिले और राज्य व केंद्र शासित प्रदेश में 31 मार्च तक पूरी कर ली जाएंगी। यह कदम आयोग द्वारा 4 मार्च को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ और प्रत्येक राज्य से एक डीईओ और ईआरओ की भागीदारी वाले सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में तथा निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में दिए गए निर्देशों के अनुरूप है। राजनीतिक दलों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जैसे बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), पोलिंग एजेंटों, काउंटिंग एजेंटों और चुनाव एजेंटों की चुनाव संचालन सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं में विशिष्ट भूमिकाएं होती हैं। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों, जिलों और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित बैठकों में सक्रिय रूप से और उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजनीतिक दलों द्वारा जमीनी स्तर पर उनकी इस प्रकार की भागीदारी का स्वागत किया गया है। आयोग सभी राष्ट्रीय व राज्यीय राजनीतिक दलों से अपील करता है कि वे किसी भी लंबित मुद्दे को समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए चुनाव अधिकारियों के साथ अपनी इस जमीनी स्तर की भागीदारी का सक्रियतापूर्वक लाभ उठाएं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने लोकतंत्र सेनानियों का किया अभिनंदन

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में 1977 में आपातकाल की समाप्ति दिवस पर आयोजित लोकतंत्र विजय दिवस कार्यक्रम में 1975 - 77 के आपातकाल बंदियों को सम्मानित किया। सचदेवा ने देश भर से कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे आपातकाल बंदियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अगर लोकतंत्र को समझना हो तो सबसे पहले हमें लोकतंत्र के सेनानी, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, उन्हें समझने की जरूरत है। इस मौके पर उपस्थित आपातकाल बंदियों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 21 मार्च को ही देश से आपातकाल हटाया गया था। इसलिए यह लोकतंत्र की विजय का दिन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासकों द्वारा 25 जून 1975 को लोकतंत्र को कुचलने का काम किया गया था। उस लड़ाई को लड़ने वाले आपातकालीन साथियों ने यातनाएं सहीं और 19 महीने तक जेलें काटीं और कई आपातकाल बंदियों को शहादत देनी पड़ी। आज का भारतीय लोकतंत्र उन सभी के त्याग और बलिदान पर खड़ा है। सचदेवा ने कहा कि देश भर से आए आपातकाल के वे सभी साथी, जिन्होंने इस कष्ट को सहा है, उन्हें आज सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इस बात को समझना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में किस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या की जाती रही है। आपातकाल के 19 महीने कांग्रेस शासन की तानाशाही का प्रमाण है।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने उन सभी आपातकाल बंदियों और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की, जिन्होंने आपातकाल के कष्ट सहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व भर में भारतीय लोकतंत्र का डंका बजा रहे हैं।

सहकारिता मंत्री ने ली जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की बैठक

नारनौल। सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही ट्रिपल इंजन की सरकार तिगुनी रफ्तार के साथ विकास कार्य करवाने में लगी हुई है। अधिकारी भी उसी रफ्तार के साथ सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा आज पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में पहले से निर्धारित कुल 16 मामले सुनवाई के लिए रखे गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार जन कल्याण को समर्पित है। सरकार जनता की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के आधार पर कार्य कर रही है। इस मौके पर नारनौल के सेक्टर-1 से संबंधित शिकायत के संबंध में सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर में निर्माणाधीन सड़कों की लगातार निगरानी की जाए। इस पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नगर आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि वे लगातार सेक्टर तथा सभी शहरों में जाकर विकास कार्यों का जायजा ले रहे हैं तथा सभी कार्यों पर कड़ी निगरानी है। सड़कों व गलियों में अतिक्रमण के संबंध में आ रही शिकायतों पर सहकारिता मंत्री ने नागरिकों से भी आह्वान किया है कि वे सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण न करें।

केसी अग्रवाल बने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के निदेशक

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल द्वारा उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के एसोसिएशन के अनुच्छेद में निहित प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के मुख्य अभियंता कैलाश चंद अग्रवाल को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के निदेशक मंडल में निदेशक/संचालन के रूप में नियुक्त किया गया है। हरियाणा सरकार ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह ने उनकी नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। उनकी नियुक्ति एक वर्ष की अवधि या सेवानिवृत्ति की तिथि तक, जो भी बाद में हो, के लिए होगी। श्री केसी अग्रवाल ने निदेशक के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व वे दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे। डीएचबीवीएन में अपने 35 वर्षीय सेवा काल के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए भिन्न-भिन्न जिलों में कार्यरत रहे। उनकी लंबी सेवा अवधि एवं अनुभव के मध्यनज़र वर्तमान में उन्हें निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। श्री अग्रवाल ने बिजली विभाग में एक लंबा सफर तय किया है। वे अप्रैल 1990 में हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड में शामिल हुए, पानीपत, फरीदाबाद और चरखी दादरी की विभिन्न सब डिवीजनों में एसडीओ पद पर तैनात रहे। 2006 में कार्यकारी अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए और एनआईटी फरीदाबाद में पदस्थ रहे। 2012 में गुड़गांव में सब अर्बन और सिटी डिवीजन में 2 साल तक रहे।

गुरुग्राम के टीबी मुक्त हुए 60 गांवों को डीसी ने किया सम्मानित

गुरुग्राम। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए सर्वे के अनुसार गुरुग्राम जिले के 60 गांव टीबी मुक्त पाए गए। जिसको लेकर डीसी अजय कुमार ने लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संबंधित पंचायत के सरपंचों को प्रशंसा पत्र व महात्मा गांधी की चांदी तथा कांस्य प्रतिमा देकर सम्मानित किया। सिल्वर मेडल से सम्मानित होने वाली जिला की 14 ग्राम पंचायतों में सोहना ब्लॉक से बहल्पा, मोहम्मदपुर, खुटपुरी, दौला, किरणकी खेड़ली, पटौदी ब्लॉक से तुर्कीपुर, मेहनियास, चित्तरसैन ढाणी, दौलताबाद कूनी, चिलावास, शायद शाहपुर, ग्वालियर गुरुग्राम से खेड़की और फर्रुखनगर ब्लॉक से शेरपुर शामिल हैं। टीबी मुक्त हुए 60 गांव में से 14 गांव की पंचायतों को पिछले 2 साल से एक भी टीबी मरीज नहीं होने के कारण सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया है। बाकी 46 पंचायतों को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी अजय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को उच्च प्राथमिकता देना तथा इस अभियान को जन-आंदोलन बनाना सभी नागरिकों का कर्तव्य है, क्योंकि टीबी हमारे देश में अन्य सभी संक्रामक बीमारियों से सबसे अधिक मृत्यु का कारण है।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने सनातन धर्म व संस्कृति को बढ़ावा दिया: उदयन राजे भोसले

नारनौल। छत्रपति शिवाजी महाराज के उत्तराधिकारी एवं 15 वे वंशज छत्रपति उदयन राजे भोसले (सांसद) सतारा, महाराष्ट्र आज अपनी निजी यात्रा पर नारनौल पहुंचे सर्वप्रथम उनका हवाई पट्टी बाछौद पर नारनौल के पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा,श्री गौड़ ब्राह्मण सभा जिला महेंद्रगढ़ के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट ने उनका स्वागत किया। हवाई पट्टी पर उन्होंने स्काई ड्राइविंग प्रशिक्षण तथा अन्य विषयों पर जानकारी हासिल की।

उसके पश्चात नारनौल में पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा के आवास पर पहुंचे और जलपान ग्रहण किया जहां उनका श्री गौड़ ब्राह्मण सभा जिला महेंद्रगढ़ के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट, सचिव कृष्ण ठेकेदार, सुरेश शर्मा अधिवक्ता, इंजीनियर रुचि शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा नांगलिया, महेंद्र शर्मा, शिवचरण चौहान आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उनका फूल माला पहनना कर स्वागत किया।

कर्मचारी के मार्किंग जिले में ही लगेगी मार्किंग ड्यूटी- बोर्ड अध्यक्ष

मूल्यांकन ड्यूटी के लिए बोर्ड चेयरमैन की अध्यक्षता में कमेटी गठित

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष प्रो0(डॉ.)पवन कुमार ने आज यहां जारी एक प्रेस वक्तव्य में बताया कि विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर अब गृह जिले में बोर्ड ड्यूटी देंगे शिक्षक चेयरमैन दी मंजूरी, मांग मंजूर... अब गृह जिले में बोर्ड ड्यूटी देंगे शिक्षक के संदर्भ में प्रसारित/प्रकाशित खबर पूर्णतः असत्य व निराधार है। उन्होंने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं समापन की ओर है। बोर्ड अब उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की ओर कार्य कर रहा है। बोर्ड अध्यक्ष प्रो0(डॉ.)पवन कुमार की अध्यक्षता में बोर्ड कार्यालय में देर शाम एक बैठक का आयोजन किया गया। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि बोर्ड ने उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। उन्होंने बताया कि बोर्ड 2 अप्रैल से

अपनी मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू कर देगा। इसके लिए लगातार उन्हें कई अध्यापक यूनियन के प्रतिवेदन मिल रहे हैं कि गृह जिले में अध्यापकों से मार्किंग का कार्य करवाया जाए। बोर्ड चेयरमैन ने कहा कि ऐसा संभव नहीं है। ऐसा करने से पूरे प्रदेश भर में चल रहे बच्चों की पढ़ाई बाधित होगी जो कि सही नहीं है। बोर्ड अध्यक्ष ने आगे बताया कि समय पर परिणाम घोषित करना शिक्षा बोर्ड की प्राथमिकता रहेगी, इसके लिए बोर्ड ने उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए ड्यूटी लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि किसी दूसरे जिले से अध्यापकों की ड्यूटी लगानी पड़ी तो इसके लिए पहले कमेटी से नियमानुसार राय ली जाएगी। कमेटी के प्रस्ताव के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। हालांकि प्रतिदिन काफी कर्मचारियों के प्रतिवेदन मिल रहे हैं कि उनकी ड्यूटी उनके गृह जिले में लगा दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा बोर्ड के नियमों में नहीं है इसलिए विशेष परिस्थिति में ही बोर्ड इस पर विचार करेगा।

वीरों के बलिदान से स्वतंत्रता संग्राम को मिली नई दिशा और ऊर्जा : कल्याण

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारियों शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इन वीरों के बलिदान से भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा और ऊर्जा मिली। उनका त्याग और साहस आज भी देशवासियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने देश के स्वतंत्र भविष्य के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा। उनके बलिदान से भारतीय युवाओं में देशभक्ति की भावना प्रबल हुई।

उन्होंने कहा कि इन अमर शहीदों की कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कल्याण ने कहा कि आज का दिन हम सभी को यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम उनके सपनों के भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे देश की एकता, अखंडता और समृद्धि बनाए रखने के लिए एकजुट होकर कार्य करें, यही उन महान सपूतों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत सरकारी कामों में आरक्षण देना ठीक नहीं - अनिल विज

मुसलमानों ने 400 साल तक हम पर राज किया है लेकिन यह निंदनीय है - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत सरकारी कामों में आरक्षण दिया गया, जोकि किसी प्रकार से ठीक नहीं कहलाया जा सकता क्योंकि मुसलमानों ने 400 साल तक हम पर राज किया है।उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है क्योंकि कांग्रेस एक बार फिर देश को बांटना चाहती है। श्री विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल कि, कांग्रेसी युवराज राहुल गांधी ने एक बार फिर से जातिगत जनगणना की बात कही है, का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम होने हमारे ऊपर 400 साल राज किया है। उनको (मुसलमानों) किसी भी प्रकार की छूट की क्या जरूरत है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार से कांग्रेस ने समाज को फाड़ने के लिए दूध में दही डाल दिया है ताकि यह फट जाए और यह कांग्रेस के चरित्र में है। श्री विज ने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी 1947 में अपनी इसी सोच के कारण बंटवारा करवाया था और

जमीन का बंटवारा तो इन्होंने (कांग्रेस) करवा दिया लेकिन लोग अपने पास रख लिए। उन्होंने कहा कि अब इनकी (कांग्रेस) कोई साजिश चल रही है और यह देश को एक बार फिर बांटना चाहते हैं इसलिए इस प्रकार के यह काम करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय है और हर राष्ट्र भक्त को इसकी निंदा करनी चाहिए। श्री विज ने कहा कि देश को दोबारा बांटने का इन्होंने (कांग्रेस) बहुत ही गलत प्रयास किया है। वही, विधानसभा चुनावों को 5.5 महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन अभी तक कांग्रेस ने अपना संगठन नहीं बनाया और न ही नेता प्रतिपक्ष चुना है, के सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कार्य करने के बिल्कुल अक्षम साबित हो रहा है, उनके दिमाग का कनस्तर खाली हो चुका है इसलिए 5.5 महीने में नेता प्रतिपक्ष का फैसला नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि इनको (कांग्रेस) तो लोगों ने बनाना नहीं था, अगर किसी प्रकार से मेजॉरिटी आ जाती तो इन्होंने तो 5.5 महीने तक मुख्यमंत्री का भी फैसला नहीं करना था, तो सरकार चल न पाती। उन्होंने कहा कि ये लोग (कांग्रेस) पहले से ही इनकी कार्यकुशलता से वाकिफ थे इसलिए लोगों ने उन्हें नहीं चुना। श्री विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि लोग जानते हैं कि पहले जब यह (कांग्रेस) सत्ता में थे तब भी अपना फर्ज नहीं निभा पाए और आज जब विपक्ष में है तब भी अपना फर्ज नहीं निभा पा रहे। उधर, इन दिनों पंजाब में आम आदमी पार्टी भी अपना कद मजबूत करने में लगी हुई है, के सवाल के जवाब में पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि पंजाब में अब चाहे आम आदमी पार्टी की सरकार कुछ भी कर ले और अब केजरीवाल जी पंजाब में जाकर बैठ गए हैं उनका तो पहरी ऐसा है ÷जहां-जहां पांव पड़े संतन के वहां वहां बंटाधार है÷। श्री विज ने कहा कि पहले दिल्ली का बंटाधार कर दिया और अब पंजाब में भी यही हाल करेंगे।

भाजपा की सरकार में हर वर्ग को मिल रहा है पूरा मान सम्मानः कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार आमजन के हितों के लिए कार्य कर रही है। भाजपा की सरकार में हर वर्ग को मान - सम्मान मिल रहा है। यही कारण है कि आज कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा पार्टी में ज्वाइनिंग की है। विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार इसराना (पानीपत) विधानसभा के शाहपुर गांव में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए निरंतर विकास के कार्य कर रही है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास के मामलों में जो उन्नति और प्रगति की है, उसकी पहचान आज विश्व भर में दिखाई देती है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र व राज्य सरकार ने बिना भेदभाव और सबका साथ सबका विकास की रणनीति अपनाते हुए हर वर्ग और क्षेत्र का विकास व कल्याण सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया है, यह बजट लोगों के लिए कारगर साबित होगा। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र कादियान भी उपस्थित रहे।

डी आर एम की जगह डीसीएम के पहुंचने पर अनिल विज ने लगाई फटकार

चंडीगढ़। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में डिविजनल रेलवे मैनेजर विनोद भाटिया के न पहुंचने पर उनके स्थान पर पहुंचे डिविजनल कॉमर्शियल मैनेजर को खूब खरीखोटी सुनाई। यहां तक कह दिया कि क्या डीआरएम को बैठक में आने में शर्म आती है? अगर कोई समस्या है तो कैसे चर्चा करें, क्या आप इस पर जवाब दे सकते हैं। दरअसल, अंबाला छावनी अनिल विज का विधानसभा क्षेत्र है। क्षेत्र में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर मंत्री नाराज थे और 17 विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। बैठक दोपहर 12 बजे अंबाला छावनी के लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस में बुलाई गई थी। सभी अधिकारियों को होमवर्क करके आने को कहा गया था।। इस दौरान डीआरएम के बैठक में न आने पर अनिल विज नाराज हो गए। डीआरएम की जगह सीनियर डीसीएम बैठक में पहुंच गए थे। विज पहले भी लगा चुके हैं कई अधिकारियों में फटकार ।10 जनवरी 2025 को अनिल विज कैथल के आर के एस डी कॉलेज में ग्रीवेंस मीटिंग में पहुंचे। यहां उन्होंने डीसी को जमकर फटकार लगाई थी। दरअसल, एक शिकायत को विज ने लंबित रखने के निर्देश दिए थे, लेकिन डीसी ने उसे ड्रॉप कर दिया था।

सेना अधिकारी कर्नल पुष्पिंदर बाठ औरउनके पुत्र पर हमले के दोषी निलंबित पुलिसकर्मियों की तुरंत गिरफ्तारी हो - रेखा शर्मा

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान को पत्र लिखकर सेना के अधिकारी कर्नल पुष्पिंदर बाठ और उनके पुत्र पर हुए बर्बर हमले की कड़ी निंदा की है।

यह घटना 13 मार्च 2025 की रात पटियाला में हुई थी, जिसमें पंजाब पुलिस के कर्मियों ने एक मामूली पार्किंग विवाद को लेकर कर्नल बाठ और उनके बेटे के साथ हिंसक मारपीट की। सांसद रेखा शर्मा ने इस घटना को पूरे देश के लिए शर्मनाक करार देते हुए कहा कि इस जघन्य कृत्य से न केवल सेना समुदाय बल्कि पूरे राष्ट्र की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँची है। उन्होंने कहा,'यह बेहद चिंताजनक है कि अब तक दोषियों के खिलाफ

कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है। केवल निलंबन पर्याप्त नहीं है। यह अपराध की गंभीरता को कम करके देखने जैसा है।'

उन्होंने मांग की कि—

1. सभी दोषी पुलिसकर्मियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

2. एक निष्पक्ष और स्वतंत्र एजेंसी से मामले की जांच करवाई जाए।

3. दोषियों के खिलाफ उचित धाराओं में सख्त एफआईआर दर्ज की जाए।

4. पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए ताकि उन पर कोई दबाव न डाला जा सके।

सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्नढ्ढक्रको इस तरह दर्ज किया गया है जिससे असली दोषियों को बचाने की कोशिश हो रही है और पीड़ित पक्ष को ही गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय में देरी की गई या इसे दबाने का प्रयास किया गया तो यह पूरे देश के लिए गलत संदेश होगा। 'हमारे सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने से भी पीछे नहीं हटते। अगर देश के अंदर ही उनके साथ इस प्रकार की हिंसा होगी और उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा। यह सरकार की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह इस मामले में त्वरित और कठोर कार्रवाई करे।' उन्होंने पंजाब सरकार से अपील की कि इस मामले में कोई कोताही न बरती जाए और सभी दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बजट की अधिकतर राशि तो वेतन, पेंशन, ब्याज में चली जाएगी तो विकास कार्यो का क्या होगा: कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने जो बजट पेश किया है उसमें से करीब 50 प्रतिशत धनराशि ब्याज में चला जाता है और बचता है उसकी 70 प्रतिशत राशि वेतन और सामाजिक पेंशन में चली जाती है ऐसे में जो राशि शेष बचती है उसमें विकास कार्य करवाए जाने संभव नहीं है ऐसे में कामों को एक बजट से दूसरे बजट की ओर सरका दिया जाता है, ऐसे में अधिकतर काम नहीं पाते। सरकार जनता को बताए कि उसकी ओर से जो घोषणाएं की जाती है और जनता जिन कामों की मांग करती है आखिर वे कहां से करवाए जाएंगे। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार कमाई का पैसा इंफ्रास्ट्रक्चर, विभागों की योजनाओं, कर्ज का ब्याज चुकाने, वेतन-भत्तों पर खर्च करती है। इस बार सरकार का दावा है कि वह सबसे ज्यादा 32.84 प्रतिशत खर्च सामाजिक सेवाओं पर कर रही है। सामाजिक सेवाओं में एजुकेशन पर 10.39 प्रतिशत, समाज कल्याण पर 9.67 प्रतिशत, हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर पर 4.72 प्रतिशत और पब्लिक हेल्थ पर

2.40 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। आर्थिक सेवाओं पर सरकार 21.53 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है जिसमें सबसे ज्यादा एग्रीकल्चर पर 10.67 प्रतिशत रकम खर्च की जा रही है। ग्रामीण विकास और ट्रांसपोर्ट, एयर कनेक्टिविटी और सड़को-पुल पर सरकार लगभग बराबर पैसा खर्च कर रही है। यानि सरकार ग्रामीण विकास और शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में बराबर पैसा लगा रही है। ट्रांसपोर्ट, एयर कनेक्टिविटी, सड़के-पुल पर 3.70 प्रतिशत और ग्रामीण विकास पर 3.61 प्रतिशत खर्च किए जा रहे हैं। एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस पर सरकार 4.78 प्रतिशत और पेंशन पर बजट का 8.22 प्रतिशत रुपए खर्च हो रहा है। हरियाणा सरकार ने इस बार दो लाख पांच हजार करोड रुपये का बजट पेश किया है। जिससें से 35788.78 करोड़ ऋण की अदायगी, 26331 करोड़ ब्याज में, 16650 करोड सोशल जस्टिस पर, 2866 करोड़ आबदा प्रबंधन के लिए रखा गया है। इस बजट की अधिकतर राशि कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, ब्याज पर खर्च की जाएगी। सरकार ने कर्मचारियों के वेतन के लिए 41672 करोड़ और पेंशन के लिए 27162 करोड़ रुपये रखे है। इस प्रकार कुल बजट की अधिकांश राशि वेतन, ब्याज, पेंशन में चली जाएगी, जो राशि बचेगी उससे विकास कार्य करवाए जाने संभव नहीं होंगे।

प्राथमिकता के आधार पर आमजन की समस्याओं का निराकरण करें अधिकारी : कृष्ण कुमार बेदी

कैबिनेट मंत्री ने अपने आवास पर आमजन की सुनी समस्याएं, समाधान के लिए दूरभाष पर दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की समस्याओं का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें। आमजन के कार्य को अपने निजी कार्य समझकर उसका निपटान करें। किसी भी व्यक्ति का कार्य नहीं रुकना चाहिए। अगर किसी समस्या को दूर करने में कोई तकनीकी बाधा है, तो संबंधित व्यक्ति को समझाएं ताकि उसकी समस्या का हल हो सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने नरवाना स्थित अपने निवास पर पहुंचे आमजन की समस्याओं को सुना और उनके

समाधान से संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे सदैव आमजन के साथ खड़े हैं। किसी भी आम जन को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। आमजन की खुशी और संतोष ही मेरी प्रेरणा है। नरवाना हलका में किसी भी तरह के विकास कार्यों में कमी नहीं रहने दी जाएगी। आने वाले कुछ सालों में नरवाना हलका हरियाणा में अपनी अलग पहचान बनाकर उभरेगा। विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। श्री बेदी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आशीर्वाद से हरियाणा अग्रणी राज्यों में शुमार है। प्रदेश के युवाओं को मेरिट के आधार पर रोजगार मिल रहा है। प्रदेश के पढ़े लिखे युवाओं को रोजगार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं बनाकर लागू की जा रही है।

हरियाणा में दिखेगा बिहार की संस्कृति, रीति-रिवाज, भाषा, बोलियों और कला परंपराओं का संगम: डा. अर्चना गुप्ता

भाजपा 23 मार्च को धूमधाम से मनाएगी बिहार स्थापना दिवस: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

पानीपत। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं बिहार दिवस प्रदेश संयोजक डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि बिहार शौर्य, शिक्षा और संस्कृति की पहचान है। बिहार की धरती हजारों सालों से पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित करती है। हरियाणा में भी 23 मार्च को बिहार की संस्कृति, रीति-रिवाज, भाषा, बोलियों और कला परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। डा. गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के सात जिलों पानीपत, यमुना नगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, फरीदाबाद एवं गुरुग्राम में बिहार दिवस हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने बिहार के स्थापना दिवस की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में बिहार स्थापना दिवस के मौके पर बिहार राज्य से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। गुरुग्राम में होने वाले कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री डा. सुनील कुमार मुख्य अतिथि होंगे और बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष संतोष पाठक की भी गरिमामयी उपस्थित रहेगी। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में एमएलसी मंत्री कृष्णानंदन पासवान मुख्य अतिथि व बीजेपी बिहार के राज्य सचिव स्वदेश यादव भी साथ में रहेंगे। यमुनानगर में होने वाले कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामप्रीत पासवान मुख्य अतिथि व

संजय प्रकाश मयूख मुख्य अतिथि और बिहार के राज्य सचिव सरोज झा भी मौजूद रहेंगी। पानीपत में बिहार सरकार के मंत्री विजय मंडल मुख्य अतिथि होंगे और भाजपा राज्य सचिव संजय गुप्ता मौजूद रहेंगे। डा. अर्चना गुप्ता ने बताया कि करनाल में मुख्य अतिथि विधायक कृष्ण कुमार ऋषी होंगे व आनंद पाठक की भी गरिमामयी उपस्थित रहेगी। इसी तरह से सोनीपत में बिहार सरकार के मंत्री मोती लाल प्रसाद मुख्य अतिथि होंगे साथ ही पूर्व एमएलएसी रजनीश कुमार भी मौजूद रहेंगे। कुरूक्षेत्र में बिहार सरकार के भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह मौजूद रहेंगे। डा अर्चना गुप्ता ने आगे कहा कि ये सभी कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत में बिहार का बहुत ही महत्व है। बिहार कलात्मकता, साहित्यिक और आध्यात्मिक धरोहरों को अपने में समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विकास में बिहार राज्य के नागरिकों का बहुत ही योगदान है।

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रेवाड़ी की टीम द्वारा नूंह जिले में अवैध तरीके से चलाये जा रहे अस्पतालों पर छापेमारी

एजेंसी

नूंह। जिला नूंह में अवैध निजी अस्पतालों की भरमार का हाल ही में विधानसभा में मुद्दा उठाये जाने पर आखिरकार खुफिया विभाग सक्रिय हो गया हैं और मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रेवाड़ी की टीम ने जिला नूंह के रोजका मेव में संचालित 2 निजी अस्पतालों पर रेड की। गुप्तचर इकाई नूंह की सूचना पर स.उप.नि. मनोज कुमार ने इस कार्रवाई को अमल में लाया। इस दौरान डॉ शिवम एम.ओ. पीएचसी घासेडा, डॉ यक्ष ढिल्लो एम.ओ. पीएचसी सुडाका, हरीश कुमार ड्रग निरीक्षक नूंह, निरीक्षक सतेन्द्र कुमार इन्चार्ज गुप्तचर इकाई नुंह मौजूद रहे। रेड के दौरान विजय शर्मा अस्पताल में डॉक्टर की कुर्सी पर कन्हैया शर्मा पुत्र नौबत सिंह वासी वार्ड न. 4 नीलम विहार तावडू हाल आई.टी.आई. कॉलोनी सोहना जिला गुरूग्राम बैठा हुआ पाया गया। टीम ने कन्हैया शर्मा से अस्पताल से सम्बन्धित रजिस्ट्रेशन,डिग्री आदि मांगी जिन्हे वह पेश नही कर सका। रेड के दौरान अस्पताल में दवाईयाँ, डिलीवरी उपकरण, ओपीडी रजिस्टर, डीवीआर व 8 बैड मिले। दवाईयों, डिलीवरी उपकरणों, ओपीडी रजिस्टर व डीवीआर को कब्जे मे लिया गया। अस्पताल में 2 मरीज दाखिल मिले। इसी दौरान कन्हैया शर्मा मौके से फरार हो गया। डॉ शिवम की शिकायत पर आरोपी अस्पताल संचालक कन्हैया शर्मा के खिलाफ मुकदमा थाना रोजकामेव दर्ज किया गया है। अन्य अस्पताल पूजा फैमिली अस्पताल एवं स्कीन केयर रोजकामेव पर रेड के दौरान अस्पताल के काउंटर पर पूजा उर्फ ममता पत्नी जितेन्द्र उर्फ जीत वासी माहोली थाना हसनपुर जिला पलवल हाजिर मिली। जिसने बताया कि इस अस्पताल को मेरे पति जितेन्द्र उर्फ जीत चलाते है वही ईलाज करते है। जो किसी कार्य से बाहर गये है। टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल से दवाईयाँ व उपकरण बरामद हुऐ। जिनको कब्जे में लिया गया। टीम द्वारा काउंटर पर मौजूद महिला पूजा उर्फ ममता से अस्पताल की रजिस्ट्रेशन,डिग्री आदि मांगी गई जो वह पेश नही कर सकी।

सोना सस्ता, चांदी में तेजीअर्थ साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। सप्ताहांत सोना एवं चांदी में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 100 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता बिका। वहीं चांदी 1800 रुपये ऊंची होकर बिकी। कारोबार की शुरुआत म सोना 89500 रुपये पर खुलने के बाद दिन 89400 रुपये प्रति दस ग्राम बिका। चांदी में व्यापार की शुरुआत 100300 रुपये पर हुई और यह 98500 रुपये बिकी।कामकाज में सोना ऊंचे में 89800 नीचे में 89100 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 100300 तथा नीचे 98400 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 3035 डॉलर तथा चांदी 3321 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

मूंगफली तेल में मजबूती, पाम तेल सस्ता

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव नरमी लिए रहे। मूंगफली तेल ऊंचा बिका, वहीं पाम तेल सस्ता।सोयाबीन रिफाइंड में कामकाज अलगभग स्थिरता लिए रहा। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली बताई गई।

मूंगफली तेल 1390 से 1400 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1370 से 1390 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1270 से 1275 रुपये पर खुलकर 1270 से 1275 रुपये बिका। पाम तेल 1410 से 1415 रुपये खुलकर 1405 से 1410 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव लगभग बने रहे। सरसों, सोयाबीन में रिफाइनरी वालों की खरीदी सीमित रही। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई। शुरूआत 1950 रुपये प्रति 60 किलोग्राम से हुई जो सप्ताहांत 2025 रुपये बिकी।

चना कांटा, मसूर, तुअर महंगी, दालों में मिश्रित रंगत

इंदौर। संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा, मसूर तथा तुअर महंगी बिकी। मूंग में कामकाज घटा रहा। दालों के दामों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। चावल में खरीदी बनी बताई गई।

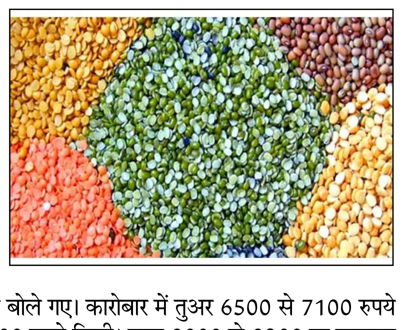

चना कांटा 5600 से 5650 रुपये खुलने के बाद 5600 से 5700 रुपये होकर थमा। मूंग 8000 से 8400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7000 रुपये बिकी। शनिवार को? भाव 8000 से 8100 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 6500 से 7100 रुपये खुलकर 6500 से 7400 रुपये बिकी। उड़द 8000 से 8200 पर खुलकर 8000 से 8200 रुपये रही। मसूर 6000 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 6050 से 6100 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी। दालों में भाव मांग सुस्ती से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत उड़द दाल के साथ तुअर दाल सस्ती बिकी। चना दाल, मसूर, तुअर दाल में भाव कमी कम तो कभी ज्यादा हुए। रवा, मैदा नरमी पर खुलने के बाद मजबूत बताया गया। गेहूं आटा में लिवाली रही। वहीं दलिया सुधार लिए रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे

दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.32 प्रतिशत चढ़कर 68.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.07 प्रतिशत उतरकर 72.11 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से प्याज निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल, 2025 से प्याज के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क वापस ले लिया है। उपभोक्ता मामले विभाग के संचार पर राजस्व विभाग द्वारा आज इस आशय की एक अधिसूचना जारी की गई। घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने शुल्क, न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) और यहां तक कि 8 दिसंबर 2023 से 3 मई 2024 तक लगभग पांच महीने के लिए निर्यात प्रतिबंध के माध्यम से निर्यात की जांच करने के उपाय किए थे। 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क, जिसे अब हटा दिया गया है, वह 13 सितंबर 2024 से लागू था। निर्यात प्रतिबंध के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल प्याज निर्यात 17.17 एलएमटी और वित्त वर्ष 2024-25 में (18 मार्च तक) 11.65 एलएमटी था। मासिक प्याज निर्यात मात्रा सितंबर 2024 में 0.72 एलएमटी से बढ़कर जनवरी 2025 में 1.85 एलएमटी हो गई है।

यह निर्णय सरकार की इस प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है कि वह किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ उपभोक्ताओं के लिए प्याज की वहनीयता को बनाए रखेगी, जबकि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर जब रबी फसलों की अच्छी मात्रा में आवक की उम्मीद के बाद मंडी और खुदरा दोनों कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, मौजूदा मंडी कीमतें पिछले वर्षों की इसी अवधि के स्तर से ऊपर हैं, फिर भी अखिल भारतीय भारित औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इसी तरह, पिछले एक महीने में अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क मार्केट लासलगांव और पिंपलगांव में प्याज की आवक इस महीने से बढ़ गई है, जिससे कीमतों में गिरावट आई है। 21 मार्च 2025 को लासलगांव और पिंपलगांव में मॉडल कीमतें क्रमशः 1330 रुपये प्रति क्विंटल और 1325 रुपये प्रति क्विंटल थीं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अनुमान के अनुसार इस वर्ष रबी का उत्पादन 227 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) है, जो पिछले वर्ष के 192 एलएमटी से 18 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल प्याज उत्पादन में रबी प्याज का योगदान 70-75 प्रतिशत है, जो अक्टूबर-नवंबर से खरीफ फसल के आने तक समग्र उपलब्धता और कीमतों में स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। इस सीजन में अनुमानित उच्च उत्पादन से आने वाले महीनों में बाजार की कीमतों में और कमी आने की उम्मीद है।

मुजफ्फरनगर से जीआई-टैग वाला 30 मीट्रिक टन गुड़ बांग्लादेश को किया गया निर्यात

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से 30 मीट्रिक टन जीआई-टैग वाले गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात के लिए रवाना की गयी है। यह गुड़ अपने उच्च गुणवत्ता वाले गन्ने के लिए प्रसिद्ध है।वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा देते हुए 30 मीट्रिक टन गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात की गई है। यह पहल किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश को गुड़ के सीधे निर्यात की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी ने मुजफ्फरनगर और शामली में उत्पादित गुड़ की बेहतर गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। चौधरी ने कहा कि इस गुड़ की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी मांग है। उन्होंने निर्यात को सुविधाजनक बनाने में निरंतर सहयोग के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को धन्यवाद दिया और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में

राज्य सरकार के सहयोग के महत्व पर जोर दिया। एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए बीईडीएफ के संयुक्त निदेशक डॉ. रितेश शर्मा ने प्रत्यक्ष कृषि निर्यात के लिए एफपीओ को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कृषि समुदाय को अधिक लाभ मिले।

सरकार ने 10 पीएलआई योजनाओं के लिए जारी किए 14,020 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली, 22 मार्च (हि.स.)। केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा सहित दस क्षेत्रों के लिए 14,020 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस योजना ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित?त वर्ष तक 15.52 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 14 लाख करोड़ रुपये की बिक्री उत्पन्न की है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा, 10 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत करीब 14,020 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की गई है। मंत्रालय ने कहा, अधिकांश परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं और समय आने पर प्रोत्साहन दावे दायर किए जाएंगे। ये क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, आईटी हार्डवेयर, थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, वाहन और ऑटो घटक तथा ड्रोन हैं। मंत्रालय ने कहा कि अबतक 14 क्षेत्रों के लिए

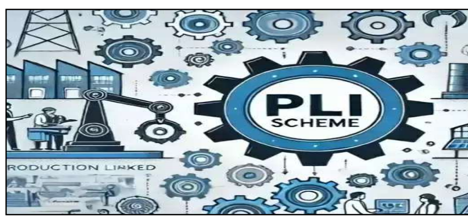

पीएलआई योजनाओं के तहत 764 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत नवंबर 2024 तक लगभग 1.61 लाख करोड़ रुपये (18.72 अरब यूएस डॉलर) का वास्तविक निवेश दर्ज किया गया है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 तक 15.52 लाख करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 162.84 अबर यूएस डॉलर) का उत्पादन/बिक्री उत्पन्न हुई है, जबकि 11.5 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं।वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक पारदर्शी तंत्र के जरिए समय-समय पर अलग-अलग मामलों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं को विनिर्माण की प्रकृति के आधार पर दो-तीन वर्षों में कार्यान्वित किया जाता है। आमतौर पर उत्पादन के पहले वर्ष के बाद दावे किए जाते हैं। इनमें बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मा, टेलीकॉम, व्हाइट गुड्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल्स और ड्रोन जैसे क्षेत्र हैं। इसके अलावा पीएलआई लाभार्थियों में 176 एमएसएमई शामिल हैं।

मिजोरम से सिंगापुर तक एंथुरियम फूलों का पहली बार हुआ निर्यात

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने मिजोरम के आइजोल से एंथुरियम के फूलों की पहली खेप सिंगापुर निर्यात किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि आइजोल से सिंगापुर के लिए एंथुरियम फूलों की पहली खेप को 26 फरवरी, 2025 को रवाना किया गया।

एपीईडीए ने 50 नालीदार बक्सों में पैक किए गए 1,024 एंथुरियम फूलों (वजन 70 किलोग्राम) की पहली खेप आईवीसी एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आइजोल से कोलकाता के रास्ते सिंगापुर निर्यात किया। एपीईडीए के अध्यक्ष अभिषेक देव और मिजोरम राज्य बागवानी विभाग की विशेष सचिव रामदिन लियानी ने मिजोरम से सिंगापुर के लिए एंथुरियम फूलों की पहली खेप को रवाना किया। इस अवसर पर एपीईडीए, बागवानी विभाग, मिजोरम सरकार, ज़ो एंथुरियम ग्रोवर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी, आईवीसी एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड और वेज प्रो सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी उपस्थित

रहे। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का पुष्प उत्पादन निर्यात 86.62 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। मिजोरम से सिंगापुर को एंथुरियम फूलों की यह पहली खेप पुष्प उत्पादन निर्यात के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एंथुरियम मिज़ोरम में उगाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण फूलों में से एक है, जो स्थानीय आर्थिक गतिविधि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर महिलाओं सहित किसानों को लाभ पहुंचाता है।

बोइंग ने भारत में 180 लोगों को नौकरी से निकाला, कार्यबल में कटौती के लिए उठाया कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने भारत में 180 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने वैश्विक कार्यबल में कटौती के तहत यह कदम उठाया है। खर्चे कम करने और जरूरी बदलाव की कवायद के तहत कंपनी ने बंगलूरू की इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी केंद्र में 180 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना कर रही बोइंग के भारत में करीब 7,000 कर्मचारी हैं। भारत कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार भी है। पिछले साल बोइंग ने वैश्विक कार्यबल में करीब 10 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की थी। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वैश्विक कार्यबल में कटौती के तहत बंगलूरू में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी केंद्र में 180 कर्मचारियों को 2024 की दिसंबर तिमाही में नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि, बोइंग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नए पद भी सृजित किए गए

सूत्र ने बताया कि ग्राहकों या सरकारी परिचालन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसका ध्यान रखते हुए रणनीतिक समायोजन किए गए। कुछ पदों को खत्म किया गया, लेकिन नए पद भी सृजित किए गए। भारत में स्टाफ की कटौती करते वक्त ग्राहक सेवा, सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया।

अमेरिका के बाहर सबसे बड़े निवेशों में से एक

बंगलूरू और चेन्नई में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (क्ष्ढ्ढश्वञ्जष्ट) जटिल उन्नत एयरोस्पेस संबंधी काम करता है। बंगलूरू में कंपनी का पूर्ण स्वामित्व वाला इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी परिसर अमेरिका के बाहर इसके सबसे बड़े निवेशों में से एक है। इसके अलावा इसकी वेबसाइट के मुताबिक, भारत से बोइंग की सोर्सिंग 300 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं के नेटवर्क से सालाना लगभग 1.25 बिलियन अमरीकी डॉलर है।

एअर इंडिया और अन्य एयरलाइंस ने लंदन के लिए निर्धारित उड़ानें बहाल कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। एअर इंडिया, वर्जिन अटलांटिक और ब्रिटिश एयरवेज ने नई दिल्ली से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे (एलएचआर) के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें बहाल कर दी हैं। एलएचआर ने 'एक्स' पर पोस्ट पर एक बयान में बताया कि उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं, हवाई अड्डा पूरी तरह से चालू हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक ने आज सुबह लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट के लिए अपनी उड़ानें संचालित कीं और एअर इंडिया की एक और उड़ान रवाना होने वाली है। हीथ्रो एयरपोर्ट पर भारतीय समय के अनुसार रात परिचालन बहाल हुआ। एअर इंडिया की दिल्ली हवाई अड्डे से एलएचआर के लिए छह उड़ानें हैं। भारत और एलएचआर के बीच ब्रिटिश एयरवेज की प्रतिदिन आठ उड़ानें हैं, जिनमें मुंबई से तीन और दिल्ली से दो उड़ानें शामिल हैं।

वर्जिन अटलांटिक की दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से एलएचआर के लिए पांच दैनिक उड़ानें हैं। उल्लेखनीय है कि लंदन स्थित हीथ्रो हवाई अड्डे के पास एक बिजली उपकेंद्र में आग लगने और एयरपोर्ट की बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद वहां विमानों का परिचालन करीब 18 घंटे तक ठप रहा था।

डीजीजीआई ने 357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट को ब्लॉक किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले अवैध ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म पर सख्त कार्रवाई की है। वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने 357 वेबसाइट और यूआरएल को ब्लॉक कर दिया है, जबकि 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जीएसटी खुफिया अधिकारियों ने विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की 357 वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है, जबकि 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा है। इसके साथ ही करीब 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं। मंत्रालय ने जनता को विदेशी गेमिंग मंचों से जुड़ने के खिलाफ आगाह भी किया है। मंत्रालय ने कहा कि बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट

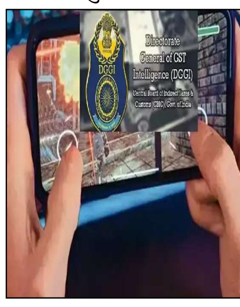

खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें, तो भी इनसे नहीं जुड़ना चाहिए। डीजीजीआई ने यह कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ समन्वय में कार्य करते हुए आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत की है, जिसमें 357 गैर-अनुपालन वाली गेमिंग वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक कई ऑफशोर गेमिंग संस्थाएं पंजीकरण न करवाकर, कर योग्य भुगतानों को छिपाकर और कर दायित्वों को दरकिनार करके जीएसटी की चोरी भी कर रही हैं। कुछ अवैध गेमिंग प्लेटफार्मों के खिलाफ हाल ही में डीजीजीआई ने प्रतिभागियों से धन एकत्र करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों को अवरुद्ध किया है, जबकि आई4सी और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के समन्वय में करीब 2,000 बैंक खाते और 4 करोड़ रुपये जब्त किए है। इसके अलावा एक अन्य कार्रवाई में इनमें से कुछ अपतटीय संस्थाओं की वेबसाइटों पर पाए गए यूपीआई आईडी से जुड़े 392 बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कर दिया गया है और इन खातों में कुल 122.05 करोड़ रुपये की राशि अस्थायी रूप से जब्त की गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि डीजीजीआई अवैध ऑफशोर गेमिंग संस्थाओं के खतरे से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी आईपीएल सीजन के साथ, अवैध गेमिंग संचालन को रोकने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई अधिक सख्त होगी। जिम्मेदार गेमिंग के लिए जानकारी रखना और विनियमित प्लेटफ़ॉर्म चुनना महत्वपूर्ण है।

विदेशी मुद्रा भंडार 30.5 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 654.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई।स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 14 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 654.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15.3 अरब डॉलर के रिकॉर्ड इजाफे के साथ 653.9 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 14 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.6 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 557.2 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 6.6 करोड़ डॉलर उछलकर 74.4 अरब डॉलर

हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार 5.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.3 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 28.3 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 4.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

एयरटेल की 180 से अधिक देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवायें देने वाली कंपनी भारती एयरटेल के अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक के साथ इस पर्यटन सीजन के दौरान संयुक्त अरब अमीरात सहित 180 से अधिक देशों में निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए 133 रुपये दैनिक वाली रोमिंग पैक शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ये प्लान ग्राहकों को कनेक्टिविटी संबंधी सभी चिंताओं से मुक्त दुनिया भर में यात्रा करने की आजादी देता है। मात्र 133 रुपये प्रतिदिन से शुरू होने वाले प्लान के साथ, एयरटेल 180 से अधिक देशों में निर्बाध वॉयस और हाई-स्पीड डेटा कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए यात्रियों को किफायती सुविधा प्रदान कर रहा है। एयरटेल के डेटा लाभ, इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी और चौबीसों घंटे ग्राहक सहायता सुविधाएं, उपयोगकर्ता अनुभव को और भी बेहतर बना देते हैं। सरलता और सुविधा के महत्व को समझते हुए, एयरटेल ने ग्राहकों को अलग-अलग गंतव्यों वाले देशों के लिए कई पैक लेने की आवश्यकता से आजादी दिलाते हुए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है। इसके बजाय, यात्री अब अपनी यात्रा की अवधि के आधार पर एक एकल, सर्व-समावेशी पैकेज का चयन कर सकते हैं, जो उन्हें बेजोड़ किफ़ायती दरों पर दुनिया भर में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

रिपोर्ट का दावा- भारत दिग्गज देशों को पीछे छोड़ने की राह पर, 2034 तक खपत दोगुनी...

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में खपत लगातार बढ़ रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी वृद्धि की रफ्तार सबसे तेज है। इसके दम पर भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एंजल वन और आइकॉनिक एसेट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे, जिससे 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धिशील खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसमें भारतीय जीडीपी को एक फीसदी तक बढ़ाने की क्षमता है।

अगले 25 साल में होगी 10 गुना अधिक बचत

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अगले 25 वर्षों में पिछले 25 साल की तुलना में 10 गुना अधिक बचत होने की उम्मीद है। 1996-97 से 2022-23 के बीच भारत की कुल बचत 12 लाख करोड़ डॉलर थी, जो 2027 तक करीब 10 गुना बढ़कर 103 लाख करोड़ डॉलर पहुंच जाएगी। इससे वृद्धिशील उपभोग की व्यापक संभावनाएं खुलेंगी। खास बात है कि सरकार की नीतियों से भारत वैश्विक कार्यबल वृद्धि में भी अग्रणी बनने के लिए तैयार है।

उपभोग के मोर्चे पर अमेरिका-चीन की राह पर चलने को देश तैयार

एंजल वन एवं आइकॉनिक एसेट ने अपनी रिपोर्ट में कहा, आर्थिक और आय विस्तार के दौरान अमेरिका व चीन दोनों देशों में गैर-विवेकाधीन खर्च की तुलना में विवेकाधीन उपभोग अधिक रहा। भारत भी अब इसी राह पर चलने के लिए तैयार है। प्रति व्यक्ति आय में मजबूत वृद्धि के दौर में अमेरिका में उपभोग खर्च में 10 गुना की वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ भारत में भी उपभोग खर्च में ऐसी ही बढ़ोतरी देखे जाने की उम्मीद है।?

रिपोर्ट की अन्य खास बातें...

विवेकाधीन उपभोग में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, आभूषण और एसेसरीज तेजी से उभरने वाले सेगमेंट हैं।

92 फीसदी खुदरा व्यापार अब भी किराना स्टोर के जरिये होता है।

आधुनिक खुदरा व्यापार के लिए भी आगे बढ़ने और बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का एक बड़ा अवसर है।

भारत में अमेरिका की कुल आबादी से अधिक जनरेशन जेड की संख्या हैं। 2035 तक खर्च किया जाने वाला हर दूसरा रुपया जनरेशन जेड की जेब से आएगा, जिससे खपत वृद्धि को जोरदार समर्थन मिलेगा।

वैश्विक खपत में होगा 16 फीसदी हिस्सा

दुनिया की कुल खपत में भारत की हिस्सेदारी 2050 तक बढ़कर 16 फीसदी पहुंच सकती है, जो 2023 में 9 फीसदी थी। मैकेंजी ग्लोबल इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक, 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सिर्फ उत्तरी अमेरिका ही भारत से आगे होगा।

गर्मियों में स्किन पर खुजली करती है परेशान, एलोवेरा में ये चीज मिलाकर लगाएं

गर्मियां आते ही स्किन प्रॉबल्म भी शुरू हो जाती है. अक्सर गर्मियों में कुछ लोगों को स्किन पर खुजली की समस्या हो जाती है. ऐसे में ये बहुत परेशान करती है. इसके राहत पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय भी है. लेकिन अगर आप एलोवेरा में कुछ चीजें मिलाकर लगाएंगें तो खुजली की समस्या से राहत पा सकते हैं.

गर्मियों का मौसम आते ही स्किन की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. तेज धूप, पसीना और उमस स्किन को रूखा, चिपचिपा और खुजलीदार बना सकती हैं. इस मौसम में त्वचा पर रैशेज, जलन और खुजली आम समस्या बन जाती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी हो जाता है. अगर आप भी गर्मियों में स्किन पर होने वाली खुजली से परेशान रहते हैं, तो आपको नेचुरल उपायों अपनाने चाहिए.

जब भी स्किन केयर की बात आती है, तो एलोवेरा जेल का नाम सबसे पहले आता है. एलोवेरा में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन को ठंडक पहुंचाते हैं और खुजली को कम करने में मदद करते हैं. लेकिन अगर इसमें कुछ खास चीजें मिलाकर लगाया जाए, तो इसका असर और भी ज्यादा बढ़ जाता है. आइए जानते हैं कि गर्मियों में स्किन पर खुजली होने पर एलोवेरा के साथ कौन-कौन सी चीजें मिलाकर लगानी चाहिए.

गर्मियों में स्किन पर खुजली दूर करने के लिए एलोवेरा के साथ मिलाएं ये चीजें

1. एलोवेरा और नीम की पत्तियां

नीम में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो त्वचा से संक्रमण और खुजली को दूर करने में मदद करते हैं. सबसे पहले 10-15 नीम की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें. इसमें 2 चम्मच फ्रेश एलोवेरा जेल मिलाएं. इस मिश्रण को खुजली वाली जगह पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें. बाद में ठंडे पानी से धो लें.

2. एलोवेरा और हल्दी

हल्दी नेचुरल रूप से एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है, जो स्किन पर खुजली और जलन को दूर करने में मदद करती है.इसके लिए आपको 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर लेना है. फिर इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें. इसे इफेक्टिव एरिया पर लगाएं और 15 मिनट के बाद धो लें.

3. एलोवेरा और गुलाब जल

गुलाब जल त्वचा को ठंडक देता है और खुजली से राहत दिलाने में मदद करता है. इसके लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच गुलाब जल मिलाएं. इसे खुजली वाली जगह पर हल्के हाथों से लगाएं. स्किन इसे अच्छे से सोख लेगी और खुजली की समस्या कम हो जाएगी.

4. एलोवेरा और नारियल तेल

नारियल तेल स्किन को गहराई से मॉइस्चराइज़ करता है और खुजली को दूर करता है. इसके लिए आपको 1 चम्मच शुद्ध नारियल तेल में 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाना है. इसके बाद इसे सोने से पहले खुजली वाली जगह पर लगा लेना है. इसे रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ देना है और सुबह उठकर वॉश कर लेना है.

5. एलोवेरा और खीरे का रस

खीरा भी जलन और खुजली कम करने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है. खीरे का रस स्किन को ठंडक देता है और जलन को कम करता है. इसके लिए आपको बस 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच खीरे का रस मिला लेना है. फिर इस मिश्रण को त्वचा पर लगा कर छोड़ देना है और 20 मिनट बाद धो लेना है.

बीजों की रिश्तेदारी की अनूठी पहल

निर्माण संस्था के नरेश विश्वास कहते हैं कि पातालकोट की जमीन समतल नहीं है। ऊंची-नीची और पथरीली है। इसमें दहिया खेती ही हो सकती है, जो भारिया आदिवासी पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। उनका देसी खेती व बीजों का ज्ञान पारंपरिक है। दहिया में ही देसी पौष्टिक बीजों की खेती हो सकती है।

मध्यप्रदेश के पातालकोट में भारिया आदिवासियों के बीच बीजों की रिश्तेदारी का अनूठा कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत जो परंपरागत बीज लुप्त हो चुके हैं, उन्हें खोजने, खेतों में बोने और उनके आदान-प्रदान का करने का काम किया जाता है। मैं इस इलाके में कई बार गया हूं और यहां के लोगों से मिला हूं, और उनके बीज संग्रह को देखा है। आज इसी कहानी को बताना चाहूंगा जिससे यह जाना जा सके कि बिना पानी या कम पानी में किस तरह पौष्टिक अनाजों की खेती की जा सकती है।आगे बढ़ने से पहले पातालकोट के बारे में जानना उचित होगा। छिंदवाड़ा से करीब 75 किलोमीटर दूर है पातालकोट। छिंदवाड़ा जिले की ही तामिया तहसील में है पातालकोट। पातालकोट का शाब्दिक अर्थ है पाताल यानी पाताल की तरह गहराई वाली जगह और कोट यानी दुर्ग। दीवारों से घिरा हुआ। यहां दीवार से अर्थ सतपुड़ा की ऊंची-ऊंची पहाड़ियों से है। यह आकार में कटोरे सा लगता है।सतपुड़ा की पर्वतमाला के बीच नीचे और बहुत गहराई में बसे हैं 12 गांव और उनके ढाने (मोहल्ले)। यहां के बारे में कहा जाता है कि जमीन से नीचे होने और सतपुड़ा की आड़ी-तिरछी पहाड़ियों के कारण यहां सूरज की रोशनी देर से पहुंचती हैं।

भारिया आदिवासी ही यहां के मुख्य बाशिंदे हैं। कम संख्या में कुछ गोंड आदिवासी भी यहां हैं। यहां के 12 गांव हैं- कारेआम रातेड़, चिमटीपुर, पलानी गैलडुब्बा, घोंघरी गुज्जाडोंगरी,घटलिंगा, गुढ़ीछतरी, घाना कोड़िया, मालनी डोमनी, जड़मांदल हर्राकछार, सेहरा पचगोल, झिरन, सूखा भण्ड हारमऊ।

जब मैं यहां गया था तो सामाजिक कार्यकर्ता नरेश विश्वास मेरा इंतजार कर रहे थे। नरेश विश्वास, बीजों की रिश्तेदारी नामक कार्यक्रम के आयोजक थे और वे ही निर्माण संस्था के प्रमुख हैं। बैगा आदिवासी के बीच देसी बीजों पर लम्बे अरसे से काम करते हैं। पिछले साल वे मुझे सेवाग्राम में मिले थे, जहां उन्होंने आदिवासियों की खेती के बीजों की प्रदर्शनी लगाई थी।

उन्होंने यह कार्यक्रम सिर्फ मध्यप्रदेश ही नहीं, छत्तीसगढ़ में भी चलाया जा रहा है। इसमें कोशिश की जाती है कि एक इलाके से दूसरे इलाकों में देसी बीज पहुंचे, उनका आदान-प्रदान हो और उसके साथ बीजों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान भी पहुंचे, जिससे देसी बीजों का प्रचार-प्रसार हो और इस खेती को बढ़ावा मिल सके।पातालकोट की यात्रा के दौरान हम सूखाभंड गांव से हम पैदल गैलडुब्बा पहुंचे थे। यहीं पर बीजों की रिश्तेदारी कार्यक्रम के तहत देसी बीजों की प्रदर्शनी, अनाजों के व्यंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन था। अलग-अलग गांवों से पैदल तो कुछ वाहनों से बड़ी संख्या में स्त्री-पुरुष पहुंचे थे।

यहां पंडाल में देसी बीजों की प्रदर्शनी लगी थी। रंग-बिरंगे देसी बीज न केवल रंग-रूप में अलग थे बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ थे। बेउरी कुटकी, भदेल कुटकी, कंगना, कंगनी, मड़िया, बाजरा, कुसमुसी, बेड़ाबाल, तुअर, काला कांग, धान, सांवा, जगनी, मक्का, के बीज थे। बल्लर (सेमी), बरबटी, नेवा, लाल सेमा भी था।महुआ का भुरका था,जिसे जगनी और महुआ दोनों को कूटकर बनाया गया था। इसे लोगों ने बहुत पसंद किया। मैंने भी चखा। बेड़ा बाल की घुंघरी (उबालकर) बनाई जाती है। कुसमुसी की दाल व बड़े बनाए जाते हैं। कुटकी का भात और बल्लर की दाल प्रमुख भोजन है। कुटकी का पेज (एक तरह का सूप) बनाकर पीते हैं। मक्के की रोटी भी खाते हैं और भात (चावल की तरह) भी खाया जाता है।

प्रदर्शनी में कई प्रकार के कांदा भी थे। बड़ा कांदा, माहली कांदा, सेत कांदा, डूनची कांदा, केऊ कांदा, कडु कांदा, मोड़ो कांदा, मूसल कंद, रातेड़ कांदा। इसके अलावा यहां कई प्रकार की जड़ी-बूटियां भी थीं। सफेद मूसली, सतावर, रामदातौन, गुडवेल, चिरायता, हर्रा, बहेड़ा, आंवला, अंतमूल (चाय की तरह पीते हैं), भिलवां इत्यादि।गैलडुब्बा के भगलू चालथिया ने बताया कि भारिया बरसों से आम की रोटी (आम की गोही को चूरा कर रोटी बनाई जाती है) और बल्लर की साग खाते थे। महुआ खाते थे। बांस की करील की सब्जी और दोवे भाजी की साग पकाते थे।। कोयलार भाजी की हरी पत्तियों की सब्जी बनती है।वे आगे बताते हैं कि पहले हम दहिया खेती (शिफ्टिंग कल्टीवेशन) करते थे। खूब बेउर कुटकी पकती थी। मड़िया, कांग, कांगनी, जगनी, सिक्का और डंगरा बोते थे। अब दहिया पर रोक लगाई जा रही है। फिर हम कैसे जिएंगे?भगलू ने आगे बताया कि दहिया खेती का तरीका यह था कि बारिश के पहले ललताना व छोटी झाड़ियां काटकर उसमें आग लगा देते थे। चाहे उस जगह पर पत्थर ही क्यों न हों। जब झाड़िया जलकर राख हो जाती थीं, कांगनी फेंक देते थे। पानी गिरता था तो वह उग जाती थी। बाद में दो-तीन बार निंदाई-गुड़ाई करनी पड़ती थी और फसल पक जाती थी, बस।इस तरह खेती में एक-दो साल में जगह बदलनी पड़ती थी। इसमें हल चलाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए अंग्रेजी में इसे सिफ्टिंग कल्टीवेशन कहते हैं। बहुत दिनों से भारियाओं ने इसे करना छोड़ दिया है।निर्माण संस्था के नरेश विश्वास कहते हैं कि पातालकोट की जमीन समतल नहीं है। ऊंची-नीची और पथरीली है। इसमें दहिया खेती ही हो सकती है, जो भारिया आदिवासी पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। उनका देसी खेती व बीजों का ज्ञान पारंपरिक है। दहिया में ही देसी पौष्टिक बीजों की खेती हो सकती है।

नरेश विश्वास मंडला- डिंडौरी के बैगाचक के बैगा आदिवासियों, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के पहाड़ी कोरवाओं में दहिया खेती के जरिए पुराने देसी बीजों की खेती को बढ़ावा देते रहे हैं। जो देसी बीज लुप्त हो चुके थे, उन्हें खोजकर आदिवासियों को उपलब्ध कराते हैं। सिकिया ऐसा ही अनाज था, जिसे लोग भूल चुके थे। मंडला में फिर से लोग इसे बोने लगे हैं। इसी प्रकार, बाजरा, जिसे चिड़िया बहुत खाती हैं, लेकिन उनके पास ऐसी देसी किस्म है जिसमें रोएं होते हैं, जिससे चिड़िया नहीं खा पाती। जिससे फसल का नुकसान नहीं होता है।पौष्टिक अनाजों की खेती में पक्षियों का झुंड में आना और फसलों के दाने को चुगना, एक समस्या है। पर लोग यहां खेतों में मचान बनाकर रहते हैं, और जोर से आवाज लगाकर, खेतों में धोखा (बिजूका) बनाकर पक्षियों का भगाते हैं। आदिवासियों को खेती-किसानी से जुड़ी ऐसी समस्याओं का हल आता है।इन सबके बावजूद अब भारिया बाहरी दुनिया से प्रभावित हैं। उन्होंने सिंचाई व रासायनिक खेती भी करना शुरू कर दिया है। उनकी जीवनशैली भी बदल रही है। नई पीढ़ी मोबाइल व मोटर साइकिल वाली है। इस कार्यक्रम में बीज प्रदर्शनी के साथ भारियाओं ने डंडा नृत्य, गेड़ी नृत्य व शैताम जैसे पारंपरिक लोकगीत भी गाए।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि भारियाओं का जीवन प्रकृति से जुड़ा हुआ है। उनकी जंगल आधारित खाद्य व भोजन व्यवस्था थी जिसमें अब कमी आ रही है। एक तो जलवायु बदलाव व मौसम बदलाव हो रहा है। जंगल कम हो रहे हैं। बारिश कम हो रही है। पानी के परंपरागत स्रोत भी सूख रहे हैं। कुछ समय पहले एक गांव में भूस्खलन की खबर भी आई थी। उनकी जीवनशैली व खेती भी बदल रही है।लेकिन शुरूआत भर है। अगर दहिया खेती के साथ देसी बीजों की खेती को बढ़ावा दिया जाता है तो जैवविविधता के साथ पर्यावरण और आजीविका की सुरक्षा भी हो सकेगी।

संपादकीय

नकली पर नकेल

लंबे समय से हरियाणा के किसान घटिया बीज व कीटनाशक बाजार में बेचे जाने के आरोप लगाते रहे हैं। जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। एक तो इस बाबत बने कानून सख्त नहीं थे। वहीं निगरानी करने वाले तंत्र की काहिली भी मिलावटी कृषि इनपुट बेचने वालों के हौसले बुलंद कर रही थी। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने सार्थक पहल की है। हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था। जिसके चलते कानून ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सक्षम नजर नहीं आ रहा था। उल्लेखनीय है कि सख्त कानून के अभाव और नियामक तंत्र की कोताही के चलते लंबे समय से किसान ठगी के बाजार का खामियाजा भुगत रहे थे। हाल का एक चौंकाने वाला मामला टोहाना में प्रकाश में आया, जिसमें नकली कीटनाशकों के छिड़काव के चलते 60 एकड़ के खेतों में खड़ी धान की फसल नष्ट हो गई थी।

इस प्रकार के नुकसान के स्तर से पता चलता है कि धांधली किस स्तर पर की जा रही है। वहीं दूसरी ओर सिरसा में भी ऐसा ही मामला प्रकाश में आया था, जहां किसानों को बिना उचित लेबलिंग के नकली उत्पाद बेचकर धोखा दिया गया। ये घटनाएं इस बात की आवश्यकता बता रही थी कि सरकार इस दिशा में तत्काल हस्तक्षेप करे। निश्चित रूप से नकली उत्पादों की बिक्री से किसानों को होने वाला नुकसान चौंकाने वाला है। वहीं दूसरी ओर किसानों द्वारा लाखों रुपये नुकसान होने पर जब रिपोर्ट दर्ज करायी जाती थी तो अकसर अपराधी मामूली दंड के साथ बच निकलते थे। उनकी धांधली की गतिविधियां फिर दूसरी जगह शुरू हो जाती थी। यही वजह थी कि पीड़ित किसानों को पर्याप्त मुआवजा या कोई अन्य सहारा नहीं मिल पाता था। लेकिन इसके साथ यह भी स्पष्ट है कि सिर्फ सख्त कानूनी प्रावधान ही इस तरह की मिलावटी कीटनाशकों व बीजों की बिक्री पर रोक लगाने में सक्षम होंगे, इस बात में संदेह हैं। इसके लिए जरूरी है कि औचक निरीक्षण और बेहतर शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। न्यायपालिका को भी इन नकली कृषि इनपुट बेचने वाले अपराधियों के मामले में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। तभी ऐसे अपराधियों को कानून की खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर किसानों को जागरूक करने के लिये पूरे हरियाणा में मुहिम चलाने की जरूरत है। दरअसल, यह भी एक हकीकत है कि बाजार में विश्वसनीय विकल्पों की कमी के कारण कई किसान अभी भी फर्जी विक्रेताओं के झांसे में आ जाते हैं। राज्य सरकार के बजट में हर जिले में बीज परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। जो कि एक स्वागत योग्य कदम है। इसके अलावा कृषि उत्पाद बेचने वाले डीलरों को लेकर भी सतर्कता बरतने की जरूरत है। इसमें सख्त लाइसेंसिंग नियम मददगार हो सकते हैं। निश्चित रूप से नकली बीजों और कीटनाशकों पर कार्रवाई सिर्फ कानून तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस पहल से देश को खाद्यान्न उपलब्ध कराने वाले किसान को वास्तविक सुरक्षा देना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रोजगार का अधिकार : उपयोगिता के बीस साल

नरेगा योजना आपदाओं के दौरान रोजगार प्रदान करता है। इसके तहत मिलने वाली मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी से जुड़ी हुई है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह गरीबी-विरोधी उपाय के रूप में कार्य करे। योजना में महिलाओं की भागीदारी अधिक है जिसका उद्देश्य उन्हें राजनीतिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और स्वायत्तता देना है। कई कार्य स्थलों पर कामकाजी महिलाओं के लिए पालनाघर सेवाएं भी हैं ताकि छोटे बच्चों वाली महिलाएं बिना किसी चिंता के काम कर सकें।

बीस साल पहले संसद ने काम करने या रोजगार का अधिकार कानून पास किया था। यह एक ऐतिहासिक वैधानिक अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 41 में इस तरह के अधिकार की परिकल्पना की गई जो सभी राज्यों को सभी नागरिकों के लिए काम करने का अधिकार सुरक्षित करने का निर्देश देता है। इस कानून को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के रूप में जाना जाता है जिसे 23 अगस्त, 2005 को संसद ने अपनी मंजूरी दी थी। इसे %नरेगा% भी कहते हैं। इस कानून ने काम मांगने वाले प्रत्येक ग्रामीण परिवार के एक सदस्य के लिए एक निर्दिष्ट दैनिक मजदूरी पर सौ दिनों के अकुशल मैनुअल काम का अधिकार दिया। इन सृजित नौकरियों में से एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित होनी थीं। आवेदक के निवास के 5 किलोमीटर के भीतर रोजगार दिया जाना है और अगर सरकार इस तरह के रोजगार का सृजन करने में असमर्थ है तो उसे मजदूरी के बदले कुछ भत्ता देना होगा। यह दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा और लोक निर्माण कार्यक्रम है। शुरुआत में इस कार्यक्रम की सफलता पर संदेह होने के बावजूद अब विश्व बैंक द्वारा इसे विकास के एक मुख्य कार्यक्रम के रूप में वैश्विक सम्मान प्राप्त है।मांग पर ग्रामीण नौकरियों का प्रावधान बेरोजगारी बीमा के लिए एक प्रॉक्सी है। विकसित देशों में बेरोजगार व्यक्ति रोजगार कार्यालय में जाकर अपना पंजीकरण कराता है और नौकरी की तलाश के दौरान बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करता है। भारत में श्रम बाजार उतना व्यवस्थित नहीं है इसलिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसके बजाय हमारे पास नरेगा है जो ग्रामीण आबादी को कवर करती है। सूखे और अकाल के दौरान नरेगा रोजगार की मांग बढ़ जाती है और यही कारण है कि यह वास्तव में एक %बीमा% कार्यक्रम है। जब श्रम बाजार की स्थिति में सुधार होता है और कृषि श्रमिकों के लिए बहुत सारे काम उपलब्ध होते हैं तब नरेगा की मांग घटती है। यदि नरेगा की मांग गिरती है तो यह एक अच्छा संकेत है। यदि इस कार्यक्रम की उपयोगिता समाप्त हो जाती है तो इसका मतलब होगा कि ग्रामीण भारत पूर्ण रोजगार की स्थिति तक पहुंच गया है, लेकिन हम उस स्थिति से फिलहाल बहुत दूर हैं। हाल ही में महामारी के दौरान नरेगा के तहत काम की मांग में तेजी से वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2020-21 में नरेगा पर कुल व्यय बजट से दोगुना था जो लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 300 करोड़ व्यक्ति दिवस का काम पैदा हुआ।

नरेगा योजना आपदाओं के दौरान रोजगार प्रदान करता है। इसके तहत मिलने वाली मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी से जुड़ी हुई है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह गरीबी-विरोधी उपाय के रूप में कार्य करे। योजना में महिलाओं की भागीदारी अधिक है जिसका उद्देश्य उन्हें राजनीतिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और स्वायत्तता देना है। कई कार्य स्थलों पर कामकाजी महिलाओं के लिए पालनाघर सेवाएं भी हैं ताकि छोटे बच्चों वाली महिलाएं बिना किसी चिंता के काम कर सकें। नरेगा के अंतर्गत सार्वजनिक कार्य, सिंचाई जलाशयों, तालाबों, नहरों, ग्रामीण सड़कों, वनीकरण आदि के काम शामिल किए गए हैं जो सार्वजनिक संपत्ति का निर्माण करते हैं। कुछ राज्यों में इस कार्यक्रम में ग्रामीण आवास या निजी संपत्ति का निर्माण भी शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता शहरों पर माईग्रेशन के तनाव को कम करती है। महामारी के दौरान गांवों में नरेगा के तहत काम प्रदान किया गया जिसके कारण बड़े पैमाने पर रिवर्स माइग्रेशन हुआ। श्रमिकों के अधिकार कानून में निहित हैं इसलिए लोगों के पास उन अधिकारों को हासिल करने का एक बेहतर मौका है। आधार लिंकेज की बदौलत मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खातों में जमा किया जाता है जिससे लीकेज कम होता है।

नरेगा के नकारात्मक पहलू क्या हैं? सर्वप्रथम, चूंकि यह एक श्रम बाजार हस्तक्षेप है जो मजदूरी का धरातल और वैकल्पिक विकल्प प्रदान करता है जिसकी वजह से जमींदार और मजदूरों की तलाश करने वाले लोग परेशान हैं। वे अक्सर श्रमिकों की कमी के बारे में शिकायत करते हैं या कहते हैं कि नरेगा श्रमिकों को %आलसी% बना रहा है। नरेगा के तहत मिलने वाली मजदूरी न्यूनतम है इसलिए श्रमिकों को लुभाने के लिए वैकल्पिक कार्य के लिए मजदूरों को उच्च मजदूरी की पेशकश करने की आवश्यकता है।दूसरा नकारात्मक पहलू यह है कि नियंत्रण और बायोमेट्रिक उपकरणों के बावजूद अभी भी निधियों का रिसाव है जिनमें श्रमिकों के नकली हाजिरी रजिस्टर जैसे तरीके शामिल हैं जो पैसे को बेईमानी से बाहर निकालने में मदद करते हैं। इसे रोकने के लिए ग्रामीणों या गैर सरकारी संगठनों के सामाजिक ऑडिट की आवश्यकता है। राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में, जहां अच्छी सामाजिक लेखा परीक्षा है, लीकेज बहुत कम था।तीसरी नकारात्मक समस्या बायोमेट्रिक आवश्यकताओं के कारण है। अंगूठे के निशान या रेटिना रीडर काम नहीं करते या बिजली या मशीन की विफलता के कारण श्रमिक को मजदूरी से वंचित कर दिया जाता है। यहां तक कि गलती की दर अगर 2 प्रतिशत है तो इसके परिणामस्वरूप 1 या 2 करोड़ श्रमिकों को योजना के लाभों से वंचित किया जा सकता है। यह एक गंभीर चूक है। बायोमेट्रिक काम नहीं करने की स्थिति में कुछ सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है।चौथी कमी भुगतान में देरी की है। इस प्रवृत्ति में हाल में वृद्धि हुई है। ये दिहाड़ी मजदूर हैं इसलिए भुगतान में एक या दो सप्ताह से अधिक की देरी बहुत परेशान करने वाली हो सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल 975 करोड़ रुपये के भुगतान में गंभीर विलंब हुआ है।नरेगा की कई विशेषताएं हैं और उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें सुधार किया जा सकता है। यह यूनिवर्सल बेसिक इनकम (यूबीआई) से अलग है जो बिना शर्त धन हस्तांतरण है। इसे 2017 के आर्थिक सर्वेक्षण में एक अवधारणा के रूप में पेश किया गया था। इसके विपरीत नरेगा स्व-चयनित व्यक्तियों के लिए है जिसमें कठिन शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है। अगर सिस्टम ठीक से काम करता है तो यह संभवत~ नकली और धोखाधड़ी के दावेदारों को फ़िल्टर करता है। एनआरईजीएस की सफलता का एक पैमाना यह है कि शहरी समकक्ष बेरोजगारों के लिए इस तरह की योजना शुरू करने की भी मांग होती है। कई राज्य सरकारों ने शहरी रोजगार गारंटी योजना भी शुरू करने पर विचार किया है।नरेगा लोक निर्माण कार्यक्रमों, प्रयोगों और पायलट परियोजनाओं की परिणति थी जो कुछ हद तक सफलता के साथ 1960 के दशक की शुरुआत में आरंभ हुई थी। लंबे सूखे की पृष्ठभूमि में 1973 में महाराष्ट्र की रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई थी। राज्य सरकार ने शहरों में कार्यरत लोगों पर प्रोफेशनल टैक्स लगाकर इसके लिए धन इकठ्ठा किया था। यह योजना अच्छे तरीके से चली और यह राष्ट्रीय कानून के लिए एक प्रेरणा थी। भारत में नरेगा जैसी योजना की आवश्यकता तब तक है जब तक कार्यरत श्रमिकों व बेरोजगार श्रमिकों के व्यापक पंजीकरण तथा ट्रैकिंग के साथ एक पूर्ण औपचारिक बेरोजगारी बीमा योजना शुरू नहीं होती एवं इसके लिए भुगतान करने के लिए नियोक्ताओं से पेरोल टैक्स एकत्र किया जाता रहेगा।मुफ्त खाद्यान्न (5 किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह) और विभिन्न प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं जैसे पीएम किसान या लाडकी बहिण योजनाका अतिरिक्त प्रभाव इतना है कि नरेगा की आवश्यकता कुछ हद तक कम हो सकती है। यह नहीं भूलना चाहिए कि अपनी कार्य आवश्यकता के कारण नरेगा टिकाऊ ग्रामीण परिसंपत्तियों का सृजन करता है जो उत्पादकता और लोक कल्याण में भी वृद्धि करता है। यह महिला सशक्तिकरण के लिए एक अप्रत्यक्ष माध्यम के रूप में भी कार्य करता है।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।
गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल ... बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म ... हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी ... नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यही तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड ...

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता हैं। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेंगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

दूसरे नशे को भी आमंत्रित करता है धूम्रपान

किशोरावस्था में ही सिगरेट या बीड़ी को मुँह से लगाते ही स्वास्थ्य संबंधी कई जोखिम भी साथ हो लेते हैं। सबसे पहला असर श्वसन प्रणाली पर पड़ता है। यहीं से निकोटीन की लत की शुरुआत भी हो जाती है। इस उम्र में धूम्रपान शुरू करने का एक और बड़ा खतरा यह है कि जो किशोर नियमित रूप से कुछ अर्से तक इसे पीने लगते हैं वे वयस्क होने पर भी अपनी आदत पर कायम रहते हैं।

धूम्रपान करने वालों के फेफड़े हमेशा उन लोगों से कम काम करते हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। धूम्रपान करने वाले जिन वयस्कों को दिल की बीमारी घेरती है उसकी नींव किशोरावस्था में किए गए धूम्रपान के दौरान ही रखी जाती है। युवावस्था में गले पड़ी धूम्रपान की लत न तो शरीर ही ठीक रहने देती और न ठीक से काम करने देती है। जो युवा धूम्रपान नहीं करते उनकी तुलना में धूम्रपान करने वालों की रेस्टिंग हार्ट बीट हमेशा अधिक पाई जाती है।

फेफड़े के कैंसर का जोखिम भी युवावस्था में धूम्रपान करने वालों को दूसरों की तुलना में अधिक होता है। धूम्रपान करने वाले युवाओं की साँस जल्दी उखड़ जाती है। उन्हें दूसरे युवाओं की अपेक्षा बलगम भी अधिक बनता और निकलता है। धूम्रपान करने वाले युवाओं में शराब की लत लगने का जोखिम तीन गुना अधिक होता है। इसकी आशंका आठ गुना अधिक होती है कि वे गाँजे का सेवन भी शुरू कर दें। 22 गुना आशंका रहती है कि वे कोकीन का उपयोग भी करने लगेंगे।

फिलहाल अध्ययनों से पता चला है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत तथा महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है। धूम्रपान करने वाले 50 प्रतिशत लोग इसी वजह से दम तोड़ देते हैं। 25-69 के आयु समूह में मरने वालों में 25 प्रतिशत धूम्रपान के कारण मर जाते हैं। धूम्रपान करने वालों को टीबी के कीटाणु लगने का जोखिम दूसरों की बनिस्बत चार गुना अधिक होता है।

डिप्रैशन कम करे एक्सरसाइज

एक्सरसाइज करने से सिर्फ हमारा शरीर ही नहीं, बल्कि दिमाग भी फिट रहता है। एक्सरसाइज से डिप्रैशन कम होता है, यह तो साबित हो चुका है, पर साइंटिस्ट यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि एक्सरसाइज से डिप्रैशन के कम होने के पीछे वजह क्या है। एक ताजा रिसर्च में पाया गया है कि एक्सरसाइज करने से दिमाग में नए सैल्स बनते हैं। डिप्रैशन कम होने की वजह यही नए सैल्स हो सकते हैं। स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के एस्ट्रिड ब्यौनबर्क और उनके साथियों ने चूहों पर इस रिसर्च को अंजाम दिया। उन्होंने आनुवांशिकी प्रभाव के तहत डिप्रैशन के लक्षण दिखाने वाले चूहों पर 30 दिनों तक रिसर्च की। इनमें से कुछ चूहों को फिजिकल एक्सरसाइज देने के मकसद से रनिंग व्हील में रखा गया। इसके बाद साइंटिस्ट्स ने सभी चूहों का एक स्विम टैस्ट लिया। ऐसे चूहे जिन्होंने फिजिकल एक्सरसाइज नहीं की थी, वे ज्यादा समय तक पानी में शांत पड़े रहे। दूसरी ओर रनिंग व्हील में रखे गए चूहे पानी में काफी जोश से तैरते नजर आए।

ब्यौनबर्क ने बताया कि 30 दिन तक रनिंग व्हील में रखे गए चूहों में डिप्रैशन का प्रभाव कम दिखाई दिया। रिसर्चर्स ने लर्निंग और मैमरी से जुड़े दिमाग के हिप्पोकैंपस हिस्से का भी परीक्षण किया। इससे कुछ चौंकाने वाले परिणाम सामने आए।

रनिंग व्हील में डाले गए चूहों के दिमाग में न्यूरॉन्स की संख्या बढ़ गई थी। पिछले अध्ययनों से पता चला था कि डिप्रैशन के दौरान दिमाग का हिप्पोकैंपस हिस्सा सिकुड़ जाता है, जिससे कई तरह की मानसिक समस्याएं होती हैं।

हेल्थ प्लस

आदमी चिंताओं का पुतला

आधुनिक जीवन में व्यक्ति अनेक चिंताओं से ग्रसित है, जैसे परिवार की चिंता, आपसी स्त्री-पुरुषों के संबंध, आत्मसम्मान को बनाए रखना, लोग क्या कहेंगे, बच्चों का भविष्य, महँगाई में जीवन जीना, आतंकवाद, आपसी परिवार में संबंध, वजन बढ़ने या घटाने की चिंता, काम-धंधे के उतार-चढ़ाव को लेकर चिंता, बुढ़ा होने की चिंता, स्वास्थ्य व भविष्य के प्रति चिंता और सो गए तो उठने की चिंता उठ गए तो हजारों तरह की आदि अनेक बातों से व्यक्ति घिरा हुआ हैं।

सभी तरह की चिंताओं से चिंतित रहने से क्या कोई लाभ मिला? चिंता करने से भी जीवन में कोई बदलाव नहीं हुआ और नहीं करने से भी। जबकि चिंतित रहने से हमने अपनी चिंतन शक्ति को खोया, आत्म विश्वास को खोया और दोनों के खो जाने से सबकुछ खोया। तो क्यों न सभी तरह की समस्याओं को ताक में रखकर हम खुश रहते हुए योग करें जो हमें चिंताओं से दूर करें।

नाड़ीशोधन प्राणायाम : कमर-गर्दन सीधी रखकर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी गहरी श्वास लेकर दूसरे स्वर से निकालें, फिर उसी स्वर से श्वास लेकर दूसरी नाक से छोड़ें। 10 बार यह प्रक्रिया करें।

इसका लाभ : चिंता से घिरे व्यक्ति की श्वासें उखड़ी-उखड़ी रहती है जिसके कारण मस्तिष्क में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सिजन संचार नहीं हो पाता और व्यक्ति अशांत रहता है। तो नाड़ी शोधन प्राणायाम से सर्वप्रथम तो हमें अपनी श्वासों को ही सही गति और दिशा देना होगी। इससे हृदय और मस्तिष्क में शांति मिलती है।

ध्यान : आँखें बंद कर मन को सामान्य श्वास-प्रश्वास पर लगाते हुए श्वास भीतर आने और श्वास बाहर निकालते समय नासाग्र पर ध्यान दें। ऐसा लगभग 5 से 10 मिनट करें। यह ध्यान की सामान्य प्रक्रिया है। आप चाहें तो आँखें बंद कर सिर्फ श्वांसों के आवागमन पर ही ध्यान देते रहे।

इसका लाभ : ध्यान करते रहने से हमारे मस्तिष्क में ऑक्सिजन का भरपूर संचार होता है और मन-मस्तिष्क पूर्णत: शांत रहता है। यदि मस्तिष्क शांत है तो व्यक्ति निश्चिंत जीवन शैली को अपनाता है। ध्यान करते रहने से शक्ति और आत्मविश्वास का अहसास होने लगता है।

ब्रह्ममुद्रा : वज्रासन में या कमर सीधी रखकर बैठें और गर्दन को 10 बार ऊपर-नीचे चलाएँ। दाएँ-बाएँ 10 बार चलाएँ और 10 बार सीधे-उल्टे घुमाएँ।

इसका लाभ : ब्रह्ममुद्रा से हमारे चेहरे पर जवानी बनी रहती है। जिन लोगों को सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, थाइराइड ग्लांट्स की शिकायत है उनके लिए यह आसन लाभदायक है। इससे गर्दन की माँसपेशियाँ लचीली तथा मजबूत होती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह आसन लाभदायक है।

मार्जायासन : इसे मार्जारी आसन भी कहते हैं। चौपाये (गाय या भैस) की तरह घुटने के बल होकर गर्दन और कमर को ऊपर-नीचे 10 बार चलाना चाहिए। इसके बाद पुठ्ठों को आगे-पीछे करते हुए क्लाक वाइज और एंटी क्लाक वाइज घुमाएँ।

इसका लाभ : यह पेट, कमर, गर्दन, कंधें, रीढ़ की हड्डी के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही यह यौन रोग से भी बचाकर यौन शक्ति बढ़ाता है। मार्जारी आसन पीठ और कमर की मांसपेशियों के तनाव को कम करने में सहायक है। इससे रीढ़ की तंत्रिकाओं में स्फूर्ति आती है।

उष्ट्रासन : घुटनों पर खड़े होकर पीछे झुकते हुए एड़ियों को दोनों हाथों से पकड़कर गर्दन पीछे झुकाएँ और पेट को आगे की तरफउठाएँ। 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : इस आसन से घुटने, ब्लडर, किडनी, छोटी आँत, लीवर, छाती, लंग्स एवं गर्दन तक का भाग एक साथ प्रभावित होता है, जिससे कि उपर्युक्त अंग समूह का व्यायाम होकर उनका निरोगीपन बना रहता है। श्वास, उदर, पिंडलियों, पैरों, कंधे, कुहनियों और मेरुदंड संबंधी रोग में लाभ मिलता है। उदर संबंधी रोग, जैसे कॉस्ट्रयूपेशन, इनडाइजेशन, एसिडिटी रोग निवारण में इस आसन से सहायता मिलती है। गले संबंधी रोगों में भी यह आसन लाभदायक है।

शशकासन : शशक का अर्थ होता है खरगोश। इस आसन को करते वक्त खरगोश की आकृति-सी स्थिति हो जाती है। वज्रासन में बैठकर सामने झुककर 10-15 बार श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : हृदय रोगियों के लिए यह आसन लाभकारी है। पेट, कमर व कूल्हों की चर्बी कम कर आँत, यकृत, अग्न्याशय व गुर्दों को बल प्रदान करता है। तनाव, क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि को दूर करता है।

मत्स्यासन : वज्रासन या पद्मासन में बैठकर कोहनियों की मदद से पीछे झुककर गर्दन लटकाते हुए सिर के ऊपरी हिस्से को जमीन से स्पर्श करें और 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : इससे आँखों की रोशनी बढ़ती है। गला साफ रहता है तथा छाती और पेट के रोग दूर होते हैं। रक्ताभिसरण की गति बढ़ती है, जिससे चर्म रोग नहीं होता। दमे के रोगियों को इससे लाभ मिलता है। पेट की चर्बी घटती है। खाँसी दूर होती है।

सर्वांगासन : पीठ के बल लेटकर हाथों की मदद से पैर उठाते हुए शरीर को काँधों पर रोकें। 10- 15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : थायराइड एवं पिच्युटरी ग्लैंड के मुख्य रूप से क्रियाशील होने से यह कद वृद्धि में लाभदायक है। दमा, मोटापा, दुर्बलता एवं थकानादि विकार दूर होते है। इस आसन का पूरक आसन मत्स्यासन है, अत: शवासन में विश्राम से पूर्व मत्स्यासन करने से इस आसन से अधिक लाभ प्राप्त होते हैं।

भुजंगासन : पीठ के बल लेटकर हथेलियाँ कंधों के नीचे जमाकर नाभि तक उठाकर 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : यह आसन फेफड़ों की शुद्धि के लिए भी बहुत अच्छा है और जिन लोगों का गला खराब रहने की, दमे की, पुरानी खाँसी अथवा फेंफड़ों संबंधी अन्य कोई बीमारी हो, उनको यह आसन करना चाहिए। इससे पेट की चर्बी घटाने में भी मदद मिलती है और आयु बढ़ने के कारण से पेट के नीचे के हिस्से की पेशियों को ढीला होने से रोकने में सहायता मिलती है।

धनुरासन : पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़कर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : धनुरासन पेट की चर्बी तेजी से घटाने में मददगार है। इससे सभी आंतरिक अंगों, मांसपेशियों और जोड़ों का व्यायाम हो जाता है। गले के तमाम रोग नष्ट होते हैं। पाचन शक्ति बढ़ती है। इससे कब्ज की समस्या दूर होती है और पाचन क्रिया में सुधार होता है. लीवर की कार्यक्षमता नियमित होती है और अग्नाशय और एड्रिनल ग्रंथी भी उचित स्त्राव करने लगती है।

शवासन : पीठ के बल लेटकर, शरीर ढीला छोड़कर 10-15 श्वास-प्रश्वास लंबी-गहरी श्वास लेकर छोड़ें तथा 30 साधारण श्वास करें और आँखें बंद रखें।

इसका लाभ : आंतरिक अंग सभी तनाव से मुक्त हो जाते हैं, जिससे कि रक्त संचार सुचारु रूप से प्रवाहित होने लगता है। और जब रक्त सुचारु रूप से चलता है तो शारीरिक और मानसिक तनाव घटता है। खासकर जिन लोगों को उच्च रक्तचाप और अनिद्रा की शिकायत है, ऐसे मरीजों को शवासन अधिक लाभदायक है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2028

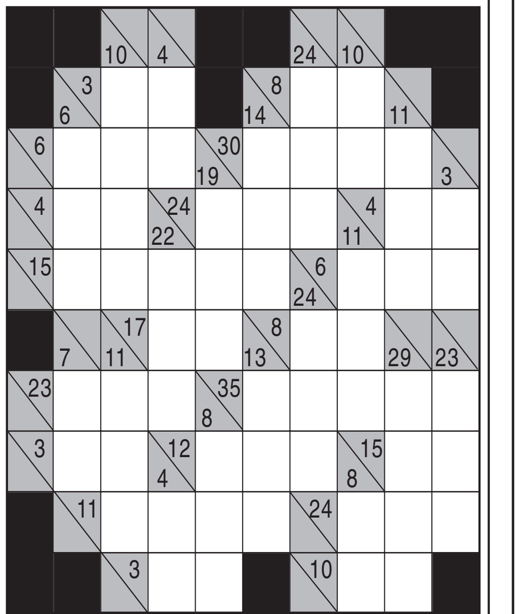

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

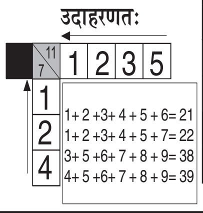

काकुरो - 2027 का हल

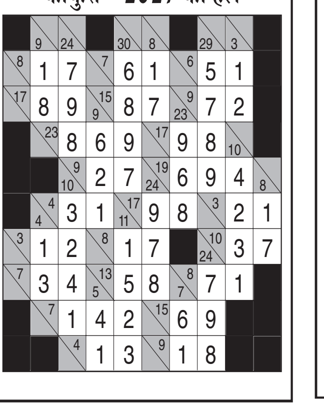

लॉफिंग जौन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

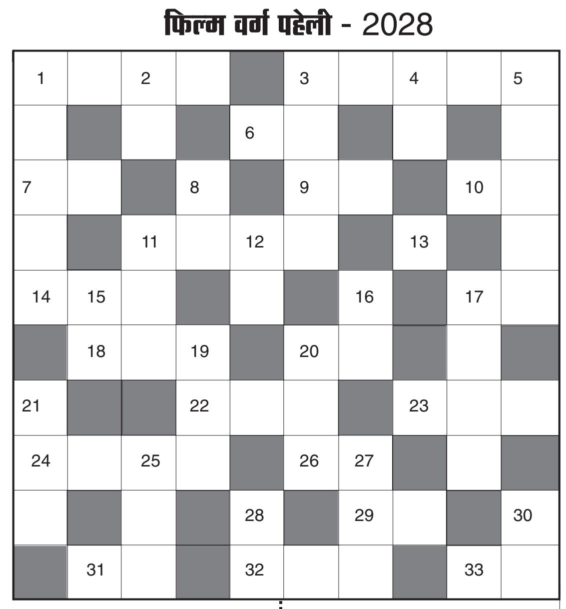

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2027

सूडोकु -2028

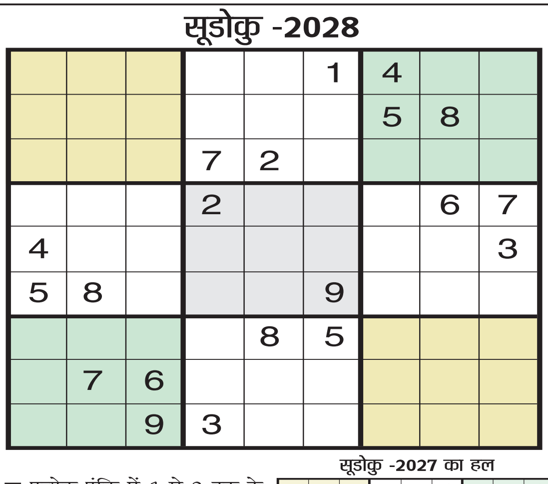

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -2027 का हल

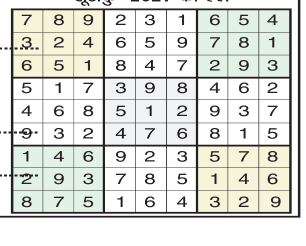

शब्द पहेली - 2028

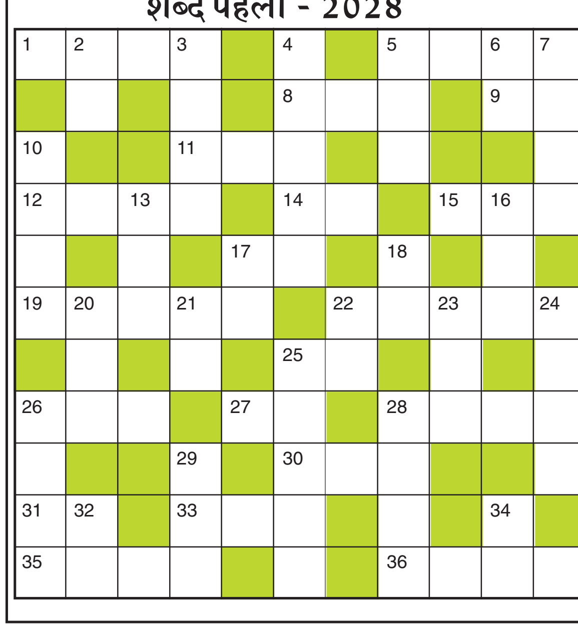

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2027 का हल

'एक देश, एक चुनाव' से समय और धन की बचत होगी : शांता कुमार

एजेंसी

पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने देश में 'एक देश, एक चुनाव' की वकालत करते हुए कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक के सभी चुनाव पांच साल में एक बार होने चाहिए। इससे देश का अमूल्य समय और संसाधन बचेंगे, जो विकास कार्यों और बुनियादी समस्याओं के समाधान में लगाया जा सकेगा। शांता कुमार ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अनुच्छेद 370 की समाप्ति, 500 वर्षों बाद भव्य राम मंदिर निर्माण और कुंभ मेले की सफलता जैसे असंभव कार्यों को पूरा किया है। अब एक देश, एक चुनाव उनकी अगली ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। शांता कुमार ने कहा कि विश्व के किसी भी देश में हर साल चुनाव नहीं होते, लेकिन भारत में लगातार किसी न किसी राज्य में चुनावी प्रक्रिया चलती रहती है। इससे राजनीति केवल चुनावों में उलझी रहती है और देश के विकास को प्राथमिकता देने का समय नहीं मिल पाता। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से धन की भारी बर्बादी होती है। वर्तमान में चुनाव काले धन के प्रभाव में लड़े जाते हैं, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

अमेरिका में गुजरात के पिता-पुत्री की गोली मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मेहसाणा। अमेरिका में गुजरात के मेहसाणा निवासी पिता-पुत्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर ने वारदात को स्टोर में घुस कर अंजाम दिया। पुलिस ने गोली मारने के आरोपी अश्वेत युवक को गिरफ्तार जेल भेज दिया। पिता-पुत्री विजिटर वीजा पर अमेरिका गए थे। वहां पर वह किराए पर स्टोर चला रहे थे। वारदात अमेरिका स्थित वर्जिनिया राज्य के एकोमेक काउंटी में 20 मार्च की शाम पांच बजे की है। गुजरात के महेसाणा जिले की बेचराजी तहसील के कनोडा गांव निवासी प्रदीप पटेल (56) और उनकी बेटी उर्वी पटेल (24) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ये दोनों स्टोर पर थे। इसी दौरान एक अश्वेत युवक वहां आया और दोनों को गोली मार दी। गोली लगने से पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रदीप पटेल पहले मेहसाणा के मोढेरा चौराहे पर इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते थे। करीब सात वर्ष पूर्व वह पत्नी हंसाबेन और बेटी उर्वी के साथ विजिटर वीजा पर अमेरिका गए थे। वहां किराए पर स्टोर चला रहे थे। पुलिस ने आरोपी अश्वेत ज्योर्ज फ्रेजियर को गिरफ्तार कर डेवोना व्हार्टन जेल भेज दिया। अमेरिका की पुलिस के अनुसार जल्द ही हत्या की वजह का पता चलेगा। उधर घटना से गुजराती समुदाय में भारी शोक और रोष व्याप्त है । स्टोर मालिक परेश पटेल ने बताया कि पिता-पुत्री उनके परिवार के सदस्य थे। मृतक उर्वी उनके चचेरे भाई की पत्नी थी।

सुशांत सिंह राजपूत के घर से मिटाए गए थे सबूत, उद्धव ठाकरे की वजह से नहीं मिला न्याय : राम कदम

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दायर कर दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत की मौत किसी भी तरह की साजिश या आपराधिक षड्यंत्र से नहीं हुई है। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर अब महाराष्ट्र से भाजपा विधायक राम कदम की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे ने पहले ही सीबीआई को केस दे दिया होता तो आज परिवार को न्याय मिल जाता। भाजपा विधायक राम कदम ने कहा, सुशांत सिंह राजपूत के केस को लेकर पूरे देश की एक ही मांग थी कि इसे सीबीआई को सौंपा जाए, मगर जानबूझकर लापरवाही बरती गई। बिहार की पुलिस जब इस मामले की जांच के लिए मुंबई आई तो उन्हें भी रोका गया। तत्कालीन उद्धव ठाकरे ने अपने लोगों को बचाने के लिए सारे सबूत मिटा दिए। इतना ही नहीं, घर का फर्नीचर हटाया गया और रंगाई-पुताई कर उसे घर के असली मालिक को सौंप दिया गया। उन्होंने आगे कहा, जब सारे सबूत मिटा दिए जाएंगे और उनके नेता रिया चक्रवर्ती के साथ प्रवक्ता बनकर खड़े रहेंगे तो सवाल उठना लाजिमी है। अगर उद्धव ठाकरे ने पहले ही सीबीआई को केस दे दिया होता तो आज सुशांत सिंह राजपूत के पिता को न्याय मिल गया होता। उन्हें न्याय नहीं मिल पाया तो इसके लिए तत्कालीन उद्धव ठाकरे जिम्मेदार हैं।

बीकानेर की कृति सोनी यूएसएमएलई परीक्षा मे चयनित

बीकानेर। शिक्षा के क्षेत्र मे बीकानेर के युवा शहर का नाम रोशन करते आ रहे है इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए मेडिकल एज्युकेशन मे भी डॉ. गुंजन सोनी एवं डॉ. सोनाली धवन की पुत्री कृति सोनी ने यूनाइटेड स्टेट्स मेडिकल लाइसेंसिंग एग्जामीनेशन पास किया है, इसमें कृति का चयन इंटरनल मेडिसिन में हुआ है। डॉ. सोनी ने बताया की पुरे विश्व मे यह परीक्षा सिर्फ 5000 विद्यार्थी ही पास करते है चयन प्रक्रिया 6 से 7 घंटे के साक्षात्कार एवं 18 घंटो की लिखित परीक्षा से पुरी होती है. इसमें चयन से कृति सोनी संयुक्त राज्य अमेरिका मे मेडिकल लाइसेंस प्राप्त कर प्रेक्टिस कर पाएगी। यह परीक्षा तीन चरणों मे समाप्त होती है. कृति का चयन इंटरनेशनल लेवल पर मेडिकोज की डिग्री लेने की इच्छा रखने वालो के लिए प्रेरणादायक है.इंटरनेशनल मेडिकल ग्रेजुएट्स के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है. कृति के इस चयन पर परिवार और दोस्तों मे खुशी का माहौल है।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष ने कहा, केवल आंतरिक जांच काफी नहीं, ईडी व सीबीआई करे जांच

एजेंसी

प्रयागराज। दिल्ली हाईकोर्ट के सीनियर जज, जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला थमने की बजाय गहराता जा रहा है। लखनऊ खंडपीठ में भी जस्टिस यशवंत वर्मा के ट्रांसफर का विरोध हुआ तो इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस मामले में आंतरिक जांच पर असंतोष जताया है। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि प्रकरण की ईडी व सीबीआई से जांच कराई जानी चाहिए। अनिल तिवारी ने स्पष्ट किया कि सोमवार को जनरल हाउस में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग के लिए राजनीतिक पार्टियों और सांसदों से सिफारिश का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। साथ ही प्रकरण की ईडी व सीबीआई जांच और जांच रिपोर्ट आने तक उन्हें न्यायिक कार्यों से अलग रखने की मांग का प्रस्ताव भी प्रमुखता से रखेंगे। उन्होंने कहा

कि जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर उनका और यहां के वकीलों का विरोध जारी रहेगा। सोमवार को होने वाले आमसभा की बैठक के लिए कई वकीलों ने इस बात का प्रस्ताव लाने को कहा है कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की सिफारिश राजनीतिक दलों और सांसदों से की जाए। अध्यक्ष ने कहा कि हाईकोर्ट बार को इस बात की पूरी उम्मीद है कि सांसद और राजनीतिक पार्टियां महाभियोग की सिफारिश को जरूर अमल में लाएंगी। आमसभा की बैठक में इस बात का भी प्रस्ताव पारित किया जा सकता है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर हाईकोर्ट के वकीलों की मांग को नजर अंदाज किया गया तो वे न्यायिक कार्य से विरत होने का निर्णय ले सकते हैं। बार अध्यक्ष अनिल तिवारी, महासचिव विक्रांत पांडेय सहित हाईकोर्ट बार के दूसरे पदाधिकारियों का कहना है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में सिर्फ आंतरिक जांच काफी नहीं है। इस मामले की ईडी और सीबीआई से भी जांच कराई जानी चाहिए, क्योंकि निष्पक्ष जांच से ही यह साफ हो सकेगा कि उन पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है।

बरात से लौट रही स्कार्पियो डिवाइडर से टकराई, दो भाइयों समेत चार की मौत

एजेंसी

पटना।बिहार में बेगूसराय में बड़ा रविवार की सुबह दुखद हादसा हो गया। बारात से लौटते समय स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार दो भाइयों समेत चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को सदर अस्पताल बेगूसराय में भर्ती कराया है। हादसा बेगूसराय जिले के नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत खतोपुर चौक के पास नेशनल हाई-वे-31 पर हुआ। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान मनोज कुमार सिन्हा के 19 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार और उसके भाई अभिषेक कुमार, रुदल पासवान के 19 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार और जगदीश पंडित का 18 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव

निवासी चंदन महतो के पुत्र अभिषेक कुमार की शादी की बारात साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के न्यू जाफर नगर गई थी। बताया जाता है कि स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि डिवाइडर को तोड़ते हुए वह हाई-वे पर पलटी गई। इससे गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

रीएजेंट खरीद घोटाले में ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत ने पांचों आरोपितों को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) में करोड़ों के रीएजेंट खरीद घोटाले में ईओडब्लू की विशेष अदालत ने पांचों आरोपितों को आज सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। ईओडब्ल्यू ने दो आईएएस समेत सीजीएमएससी और हेल्थ विभाग के दर्जन भर अधिकारियों को तलब कर लंबी पूछताछ करने के बाद की पांचों लोगों को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। ज्ञात हो कि सीजीएमएससी घोटाला मामले में ईओडब्लू ने शनिवार बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के पांच अधिकारियों को न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट में कोर्ट में पेश किया। इन पांच अधिकारियों में सीजीएमएससी के तत्कालीन महाप्रबंधक बसंत कौशिक के साथ डॉ अनिल परसाई, शिरौंद्र रावटिया, कमलकांत पाटनवार और दीपक बांधे शामिल है। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट से 15 दिनों की रिमांड का आवेदन दिया था। वहीं, कोर्ट ने 28 मार्च तक सभी आरोपितों को पुलिस

रिमांड पर सौंप दिया है।

सीबीआई से जांच कराने की मांग

वहीं आज कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने प्रेस क्लब रायपुर में सीजीएमएससी घोटाले मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए इस केस की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मीडिया में लगातार खबरें छपने के बाद राज्य की भाजपा सरकार ने दबाव में आकर रिएजेंट और दवा सप्लाई घोटाले की जांच की घोषणा की थी। आरोप लगाया कि इस मामले की लीपापोती करने ईओडब्ल्यू से जांच कराई जा रही है, जबकि यह केंद्रीय पैसे में घोटाला है। इसलिए इसकी जांच सीबीआई से करानी चाहिये। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी शामिल हैं।

नागपुर हिंसा के आरोपितों से नुकसान भरपाई वसूली जाएगी : मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में कहा कि यहां हुई हिंसा के आरोपितों नुकसान की भरपाई वसूली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा मामले में अब तक 104 आरोपितों को नामजद किया गया है, इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर से कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि इस घटना के चार से पांच घंटे के भीतर दंगों पर नियंत्रण पा लिया। इसके लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया गया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने दंगे के सीसीटीवी फुटेज और लोगों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। अब तक 104 आरोपितों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। चूंकि 12 लोग नाबालिग हैं, इसलिए उनके खिलाफ विधि संघर्ष अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में अभी भी पुलिस कुछ और लोगों को गिरफ्तार करने वाली है। पुलिस हिंसा करने वाले या उनकी मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ेगी नहीं, सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया ट्रैकिंग के जरिए हिंसा भड़काने वालों को भी सह-आरोपित बनाया जाएगा। अब तक कुल 68 पोस्ट हटा दी गई हैं और कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि भड़काऊ पॉडकास्ट बनाने और अफवाह फैलाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों को नुकसान हुआ है और जिनकी गाडियां खराब हो गई हैं, उन्हें अगले तीन-चार दिनों में मुआवजा मिल जाएगा। नागपुर में कर्फ्यू के कारण लगाए गए प्रतिबंधों से सार्वजनिक जीवन और व्यापार प्रभावित हुआ है। अब जबकि माहौल शांत है, स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक यह कहना संभव नहीं है कि नागपुर हिंसा की जड़ें बांग्लादेश से जुड़ी थीं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में किसी भी महिला पुलिसकर्मी के साथ छेड़छाड़ नहीं हुई है, हां महिला पुलिसकर्मी पर हमला किया गया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस घटना में पुलिस बल पर हमला हुआ है और पुलिस पर हमला करने वालों से सरकार कड़ाई से निपटेगी।

महाराष्ट्र के नागपुर दंगे में घायल की अस्पताल में मौत

एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में बीते 17 मार्च को हुए दंगे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मृतक का नाम इरफान अंसारी है और वह नागपुर के गरीब नवाज नगर इलाके का रहने वाला था। उसका स्थानीय मेयो अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस बारे में आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि इरफान अंसारी दंगे में घायल हो गया था। उनका नागपुर के मेयो अस्पताल में इलाज चल रहा था। पिछले दो दिनों से उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। इसी बीच करीब 11 बजे इलाज के दौरान इरफान की मौत हो गई। इरफान के मौत की खबर मिलते ही मेयो अस्पताल के सामने भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे तनावपूर्ण माहौल बन गया। नतीजतन एहतियात के तौर पर मेयो अस्पताल क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इस

क्षेत्र में सशस्त्र जवानों को भी तैनात किया गया है। इसके साथ ही मोमिनपुरा, हंसपुरी, चिटणीस पार्क चौक और भालदारपुरा के साथ-साथ तहसील, लकड़गंज गणेश पेठ के इलाकों में भी पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

इंदौर में बिहार स्थापना दिवस कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ने तीन नए छठ घाट बनाने की घोषणा

एजेंसी

इंदौर। इंदौर में भाजपा ने पहली बार बिहार स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। शाम यहां आयोजित वृहद बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि इंदौर में छठ पूजा के लिए तीन तालाबों पर नए घाट बनाए जाएंगे। सरकार की सहभागिता से मेले का आयोजन भी होगा। उन्होंने कहा कि बिहार ने हमेशा देश की रक्षा और विकास में अहम योगदान दिया है। उन्होंने बिहार के लोगों से भाजपा को सत्ता में लाने के लिए समर्थन की अपील की। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं यहां तीन बातें कहने आया हूं। पहली- इंदौर में रहें, इंदौर में जमे और

बिहार को प्यार करें। दूसरी, खूब अच्छा काम करिए और मध्य प्रदेश के विकास में सहयोगी बनिए। अच्छे नागरिक के रूप में काम करिए। तीसरी बात - अपने परिवार को थोड़ा टाइट करिए। बिहार सही रास्ता पर रहना चाहिए। आप समझ रहे हैं न मैं क्या कहना चाहता हूं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में बिहार और बिहार के निवासियों की योग्यता, बुद्धिमत्ता और श्रमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार और मध्य प्रदेश का प्राचीन काल से ही गहरा नाता रहा है। भारत देश के वैभवकाल में पाटलिपुत्र और अवंतिका सत्ता के दो केंद्र हुआ करते थे। सम्राट अशोक की राजधानी पाटलिपुत्र रही, लेकिन उनकी संतति ने मध्य प्रदेश से ही श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार की नींव रखी। उन्होंने कहा कि माँ गंगा के पावन जल में मध्य प्रदेश की नदियों का जल भी समाहित है। मध्य प्रदेश से निकलने वाली अनेक नदियाँ अंततः गंगा में जाकर समाहित होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विधर्मी यहां आए तो परमार वंश के शासकों ने देश-धर्म बचाने के लिए पूर्वोत्तर में शरण ली। उन्होंने बिहार में शरण ली। इसलिए भोजपुरी भाषा में हमारा भी योगदान है। ऐसे कई ऐतिहासिक प्रमाण मिलेंगे। हमारी चंबल नदी गंगा जी से मिलकर बिहार की तरफ यात्रा करती है। सोन नदी छत्तीसगढ़ होते हुए बिहार में प्रेम लुटाती है।

भारत जगत गुरु बनने की दिशा की ओर अग्रसर : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

अयोध्या। श्रीअरविंद सोसायटी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड हिंदी राज्य समिति का वार्षिक सम्मेलन राम नगरी में आरंभ हुआ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी आयोजकों एवं पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सम्मेलन के मुख्य विषय सनातन धर्म और श्री राम, श्रीअरविंद के आलोक में पर विभिन्न आयामों में प्रकाश डाला, भारत की एकता और पुनरुत्थान के परिप्रेक्ष्य में मनोवृत्ति एवं संयम की विभिन्न अवधारणाओं को लेते हुए बताया कि भारत जगत गुरु बनने की दिशा की ओर अग्रसर हो रहा है। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत श्रीअरविंद सोसायटी अयोध्या केंद्र की चेयरपर्सन डॉ. मीनू दुबे ने किया। उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में श्रीअरविन्द सोसायटी, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड राज्य समिति के चेयरमैन विष्णु गोयल के

उद्बोधन के साथ हुआ। गोयल ने संगठन के प्रारूप की चर्चा करते हुए संगठन के विस्तार के महत्व को बताया और महर्षि अरविंद एवं श्री मां के द्वारा मानव जगत के आध्यात्मिक उत्थान के लिए उनके द्वारा किये गये योगदान की चर्चा की। तदुपरांत मथुरा केंद्र तथा संस्था की संस्था की स्मारिका 'श्रीरामचंद्रिका' के संपादक अनिल बाजपेई ने अपने अभिभाषण में बीते वर्षों में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर हुए समिति के अधिवेशनों के अनुभवों को साझा करते हुए इस विरासत को आगे बढ़ने का आग्रह लोगों से किया। समिति की प्रदेश कार्यकारिणी की अनिता बंसल, कीर्ति, आर डी तिवारी एवं सुश्री सीमा ने सभी आए हुए प्रतिनिधियों का लोगों से परिचय कराया एवं अधिवेशन के उद्देश्यों एवं उनकी

कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत श्रीअरविंद सोसायटी अयोध्या केंद्र की चेयरपर्सन डॉ. मीनू दुबे ने किया।

उपयोगिता को रेखांकित किया। विषय प्रवर्तन डॉक्टर जे पी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रति अरविंद सोसायटी उत्तर प्रदेश उत्तराखंड की सचिव अनिता बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश दिव्यम् द्वारा किया गया। राजा मोहन गर्ल्स पी जी कॉलेज की छात्राओं द्वारा रंगोली एव राष्ट्र गान प्रस्तुत किया गया है।

'हर नागरिक तक पहुंचे कानूनी सहायता, दूरदराज के इलाकों में भी' : जस्टिस गवई

एजेंसी

चुराचांदपुर (मणिपुर)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा कि कानूनी सहायता हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए, चाहे वे दूरदराज के क्षेत्रों में ही क्यों न रहते हों। मणिपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस गवई ने 'कानूनी सेवा शिविर', 'स्वास्थ्य शिविर' और 'कानूनी सहायता क्लिनिक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के मूल उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को सभी नागरिकों तक शीघ्र और सुलभ तरीके से पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से देश के दूरस्थ क्षेत्रों में कानूनी और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी समुदाय या समूह पीछे नहीं छूटना चाहिए और एक न्यायसंगत समाज

के लिए न्याय, स्वास्थ्य सेवा और गरिमा के साथ जीवन जीने के अवसरों तक पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन 'आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना है, जो अपने पहचान, संपत्ति के अधिकार और मुआवजे के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने 'राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण' (नालसा) के तहत विस्थापित लोगों को न्याय दिलाने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की। मणिपुर राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (मासलसा) ने राज्यभर में 265 कानूनी सहायता क्लीनिक स्थापित किए हैं, जिनमें से कई विस्थापित समुदायों के बीच हैं, जहां मुफ्त कानूनी सहायता दी जा रही है। जस्टिस गवई ने इन सेवाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए पुनर्वास में हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की एक टीम शनिवार सुबह मणिपुर पहुंची। जस्टिस गवई के साथ जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, एमएम सुंदरेश और नोंगमेकापम कोटेश्वर सिंह शामिल थे। चुराचांदपुर जिले में उन्होंने एक राहत केंद्र का दौरा किया और विस्थापित परिवारों से बातचीत की। संघर्ष प्रभावित लोगों की पीड़ा सुनने के बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मणिपुर में शांति लौटेगी और लोग अपने घरों को वापस जा सकेंगे। जस्टिस गवई ने कहा, ÷हम जानते हैं कि आप कठिन समय से गुजर रहे हैं, लेकिन यह जल्द ही खत्म होगा।

आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एसआई शहीद, एक जवान घायल

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में नक्सलियों की ओर से पूर्व से लगाये गए आईईडी की चपेट में आने से सीआरपीएफ 193 बटालियन के एसआई गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसने रांची में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। वहीं एक अन्य जवान घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान छोटानागरा थाना क्षेत्र स्थित वनग्राम मरांगपोंगा में आईईडी के चपेट में

सुरक्षाबल आ गए। सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियोंकी ओर से पूर्व में लगाये आईईडी को विस्फोट किया गया। इसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 193 बटालियन के एसआई सुनील कुमार मंडल एवं एचसी पार्थ प्रतिम डे जख्मी हो गये। प्राथमिक उपचार के बाद दोनो को हेलीकाप्टर से एयरलिप्ट कर रांची भेजा गया। रांची राज अस्पताल में इलाज के दौरान एसआई शहीद हो गए। इसकी पुष्टि आईजी अभियान एवी होमकर ने की है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पूछा- राहुल गांधी किस मेरिट के आधार पर बने विपक्ष के नेता

एजेंसी

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल का ज्ञानभरा वक्तव्य आया है कि इस देश में मेरिट नाम की चीज सही काम नहीं करती है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह किस मेरिट से विपक्ष के नेता बने हैं। मेरिट के नियमों की सरासर अवहेलना उनकी नियुक्ति में की गई है। राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते या उन्हें ट्यूटर बदलने की जरूरत है, जो उन्हें भारत की सही जानकारी दे। वे घोर माओवादियों के प्रभाव में नजर आ रहे हैं।पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं बिहार से सांसद रविशंकर प्रसाद इंदौर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी द्वारा एक इंटरव्यू में दिए उस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि मेरिट एक पूरी तरह से दोषपूर्ण अवधारणा है। रविशंकर प्रसाद यहां बिहार दिवस के उपलक्ष्य में वृहद बिहारी समाज के स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा रविशंकर प्रसाद ने औरंगजेब की कब्र हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसका निर्णय राज्य सरकार लेगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी और औरंगजेब दो

व्यक्तित्व हैं। औरंगजेब कभी भारत की विरासत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय से ओबीसी का हक मारा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि उपासना पद्धति के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण देना स्पष्ट कर रहा है कि कांग्रेस वोट बैंक की लालसा में अपना वजूद खत्म करेगी। उन्होंने चर्चित शाहबानो प्रकरण का भी उदाहरण दिया। जस्टिस वर्मा व बीते दिनों हाई कोर्ट द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हम न्यायपालिका की निष्पक्षता के समर्थक हैं। मेरे कानून मंत्री रहते नेशनल ज्यूडिशल कमीशन बनाया गया था। इंदौर आए प्रसाद ने यहां बिहार दिवस के आयोजन में बिहार निवासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से रिश्ता नया नहीं है। वह व्यक्तिगत रूप से ईमानदार नेता हैं। उनके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने पर कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय बजट पर भी चर्चा की।

इतिहास प्रसिद्ध इस्तांबूल

नैसर्गिक एवं प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती सूर्यरश्मियां, बर्फानी पहाडियां, समुद्रीतट व झीलों के नयनाभिराम परिदृश्यों से पर्यटको को लुभाता, दो महाद्वीपों के आलिंगन में बंधा राष्ट्र टर्की? भारत से यूरोप जाते समय टर्की रास्ते में पडता है, बिना किसी अतिरिक्त किराये के आप इसकी राजधानी अंकारा एवं प्रसिद्ध नगर इस्तंबूल के भमण की सुखद अनुभूति कर सकते है।

बोसफोरस की संकरी जल प्रणाली दोनो महाद्वीपो के मध्य सीमारेखा के रूप मे विद्यमान है, किन्तु टर्की का अधिकांश भू भाग एशिया महाद्वीप के अर्न्तगत पडता है। बोसफोरस के एक तरफ यूरोपियन इस्तंबूल का पुराना शहर है जो पर्यटको के आर्कषण का केन्द्र है। इस्तंबूल का दूसरा भाग नया शहर है, जो पाश्चात्य तरीके का व्यवस्थित उपनगर है। बोसफोरस के ऊपर दो आकर्षक पुल हैं। फातिह सुल्तान मुहम्मद पुल तथा बोस्फोरस पुल। बोस्फोरस पुल विश्व का सबसे बडा झूले पर आधारित पुल है। बोसफोरस की यह खुबसूरत नहर पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। सूर्यास्त के सुंदर चित्रों के लिये प्रसिद्ध दृश्यों वाली इस नहर पर दिन में अनेक प्रकार की नावों द्वारा नौकाविहार की व्यवस्था है किन्तु एकांत में शांत पानी को देखते रहने का सुख भी कुछ कम नहीं।

प्राकृतिक सौन्दर्य के आनंद को दुगना करने के लिये बोसफोरस के तट पर स्थित रेस्त्राओं मे हर प्रकार का भोजन मिलता है और इनकी साज सज्जा व चहल पहल देखते ही बनती है। शाकाहार के प्रेमियों के लिये थोड़ी कठिनाई ज़रूर होती है पर भूख मिटाने के लिये कुछ न कुछ मिल ही जाता है।

सूर्यास्त के समय बोसफोरस के जल पर झिलमिलाती लालिमा और दूसरे तट पर स्थित इमारतों की प्रतिछाया का मोहक दृश्य देखकर लगता है कि शताब्दी पूर्व इन्हीं दृश्यों के लिये इस विलक्षण स्थान पर इमारते बनायी गयी होंगी। बोसफोरस नहर पर दृश्यावलोकन यहाँ के ढाई हजार वर्ष पुराने स्मारक टर्की के सुदूर गौरवमयी अतीत के साक्षी देते हैं।संसार के प्रसिद्ध ऐताहासिक नगरों में इस्तंबूल की गणना होती है। समय के साथ साथ इस्तंबूल का नामकरण होता रहा , परन्तु आज भी इसे यूरोप और एशिया के संगम के रूप में जाना जाता है। विभिन्न प्राकृतिक परिदृश्यों के कारण यहाँ एक दिन में ही आप तीनों ऋतुओं का आनन्द उठा सकते हैं, जहाँ एक ओर अप्रैल की तीक्ष्ण गर्मी वहीं बैगनी पुष्पों से आच्छादित सम्पूर्ण नगर मनोहारी लगता है।

12लाख लोगो के जनसंकुल और कोलाहल ने इस शहर को चित्ताकर्षक बना दिया है। वास्तव में इस्तंबूल की मिश्रित संस्कृति, राजप्रासाद, संग्रहालय, चर्च, विशाल मस्जिद, बाजार और प्राकृतिक दृश्यों का सौन्दर्य अनन्त प्रतीत होता है। नगर के बीच स्थित विशालकाय स्टेडियम 'हिप्पोड्रोम' इस्तांबूल का एक जीवंत परिसर है। यह विशाल मनोरंजन का क्षेत्र आज घुडदौड, रथदौड, सर्कस, प्रर्दशनी एवं सभी प्रकार के मनोरंजन का केन्द्र बन गया है।

बस से जाते समय अया सोफिया का बाहरी हिस्सा बहुत आर्कषक नही लगा लेकिन अन्दर पहुँचने पर विस्मयकारी लगता है। इसकी विलक्षणता देखकर स्वमेव ही लगता है कि बाइजन्टाइन स्थापत्य कला कितनी विकसित थी। इस चर्च का 105 फुट घेरे वाले गुम्बद की गणना विश्व के सबसे बडे एवं खुबसूरत गुम्बदों में की जाती थी, जब तक रोम के सेन्ट बेसिलका का निमार्ण नही हुआ था। कानस्टेनटाइन के द्वारा बनाये गये चर्च को 1453 में ओटोमन ने मस्जिद के रूप में परिवर्तित करा दिया था। बाद में टर्की गणतन्त्र के संस्थापक अतातुर्क मुस्तफा कमाल ने इसे संग्रहालय के रूप मे प्रतिष्ठित कर दिया। हकीका सोफिया का कलात्मक गुंबद समुद्र तट पर थोडी उँचाई पर एक बहुत बडे घेरे के अन्दर निर्मित टोपकपी पैलेस तक अया सोफिया से पहुँचने में 5 मिनट लगते हैं ,जहाँ इस्तंबूल का अत्यन्त ऐताहासिक परिदृश्य आपका स्वागत करता है। सभी ओटोमन सुल्तानों ने इसे अपनी स्थापत्य कल्पनाओं के अनुरूप अलंकृति करते रहे हैं।यहाँ पर संग्रहीत शाही वस्तुओं को देखने से टर्की के ओटोमन सुल्तानों की विलासता एवं वैभव की स्पष्ट झलक मिलती है।

गौरवशाली ग्वालियर

ग्वालियर का किला भारतीय इतिहास के उस महत्वपूर्ण काल-खंड में, जिसे मध्ययुग कहते हैं, अनेक ऐसे ग्रन्थ लिखे गए जिनमें उस प्रमुख भू-भाग की, जिसे मध्यदेश कहा जाता था, बोली-ठोली, साहित्य, कला, संस्कृति, प्रथा-परम्पराओं, चिन्तन-मनन, आचार-विचार, व्यवहार आदि की पर्याप्त जानकारी मिलती है।

ग्वालियर का महत्व केवल इसी कारण नहीं है कि यह एक अति प्राचीन नगर है बल्कि इसलिए है कि भारतीय इतिहास के हर काल-खंड में यह एक प्रमुख सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में जगमगाता रहा है। साहित्य, संगीत, काव्य, चित्रकला, स्थापत्य, शिल्प, हस्तकला आदि सभी में ग्वालियर ने अपनी बुलंदियों की वजह से सारे जहां में नाम रौशन किया है।

ग्वालियर एक दूसरे से मिली हुई तीन शहरी आबादियों से निर्मित हैं। पहला है प्राचीन नगर ग्वालियर। दूसरा है लश्कर, जिसे सन् 1800 के लगभग महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी राजधानी और निजी सेना के कैंप के लिए बड़े चाव से निर्माण किया था। तीसरा है मुरार, जो किले के पूरब में हैं और इसे अंग्रेजों द्वारा सैनिक छावनी के रूप में उपयोग किया जाता था। सिंधिया राजाओं द्वारा बनवाई गई देशी-विदेशी स्थापत्य शैलियों की शानदार और भव्य इमारतों से सजा बहुत खूबसूरत शहर और मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण व्यावसायिक एवं व्यापारिक केन्द्र हैं।

ग्वालियर के समीप ऐतिहासिक कस्बा आंतरी है। तानसेन के प्रथम संगीत गुरू गोविंद स्वामी यहीं के थे, दरबारे- अकबरी का एक चमकीला रत्न यानी अबुल फज़ल चिर निद्रा में यहां सो रहा है। पन्द्रहवीं शती तक मध्यप्रदेश का संगीत इतना विकसित तथा प्रसिद्ध हो चुका था कि ग्वालियर की तान और मुल्तान की कमान जैसी लोकोत्तियां लोगों की जबान पर चढ़ गई थीं। यही वह जमाना था जब संगीत-सौन्दर्य व कलारसिक राजा मानसिंह की संगीत सभा ग्वालियर दुर्ग पर अपनी पूरी आन-बान व शान के साथ जमती थी। इसी संगीत सभा में ध्रुवपद यानी ध्रुपद का जन्म हुआ।

अब आइए, ग्वालियर के किले की ओर चलें जहां कभी राजा मानसिंह की संगीत सभा जुड़ती थी और गीत-संगीत की सुरीली स्वर लहरियों से ज़मीन-आसमान झूमते थे। ग्वालियर किले का निर्माण कब और किसने कराया इसे लेकर जो किंवदंतियां हैं उनमें प्रमुख यह है कि किसी ज़माने में कच्छवाहा राजा सूर्यसेन कोढ़ से पीड़ित था। मृगया-विहार करता वह इस इलाकें में आ निकला। यहां उसकी भेंट इस पहाड़ी पर तपस्यारत ऋषि गालव, जिनका उल्लेख ग्वालिय नाम से भी मिलता है, से हुई। उनकी कृपा-दृष्टि से सूर्यसेन रोगमुक्त हो गया और उसी ने गालव ऋषि के नाम पर ग्वालियर के किले का निर्माण कराया और जो बस्ती आबाद की उसका नामकरण किया ग्वालिआवर। यही बाद में ग्वालियर नाम से मशहूर हो गया।

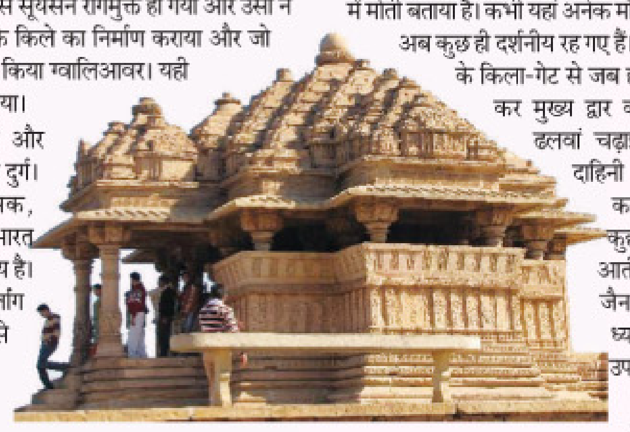

भारत के सुप्रसिद्ध, अजेय और प्रमुख किलों में से एक हैं ग्वालियर दुर्ग। इसका प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सामरिक महत्व भारत के तमाम दुर्गों में अप्रतिम व अद्वितीय है। उत्तर से दक्षिण तक 1 मील 6 फर्लांग लंबी, 300 फुट ऊंची और 600 से लेकर 2,800 फुट तक चौड़ी बलुआ पत्थर की पहाड़ी के एक समतल बनाये गए किले में स्थित महल मान मंदिर शिखर भाग पर, 35 फुट ऊंची सुदृढ़ दीवारों से निर्मित यह आज भी सर बुलन्द खड़ा है। यही वह खूबसूरत किला है जिसे विद्वानों ने उत्तर भारत के तमाम किलों में सबसे मनोरम माना व बताया है। मुगल बादशाह बाबर ने इसे हिन्दुस्तान के अन्य किलों में मोती बताया है। कभी यहां अनेक मंदिर थे जिनमें से अब कुछ ही दर्शनीय रह गए हैं। ग्वालियर नगर के किला-गेट से जब हम भीतर प्रवेश कर मुख्य द्वार की ओर बढ़ते, ढलवां चढ़ाई चढ़ते हैं तो दाहिनी और चट्टानी कन्दराओं में बनी कुछ गुफाएं नज़र आती हैं। यह कभी जैन-साधकों की ध्यान-साधना के उपयोग में आती थीं। कुछ और चढ़ाई चढ़ने पर रास्ते के दाहिनी तरफ पहाड़ी के कदमों में खिड़की जैसी नज़र आती है। भीतर झांकने पर पता चलता है कि जल भंडारण की क्या बढ़िया कुदरती ढकी हुई व्यवस्था है।

किले के मुख्य द्वार में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले विशाल मान मंदिर हमारा स्वागत करता है। यह राजा मानसिंह ने बनवाया था। इसके अन्तर्गत कभी बेहद खूबसूरत छः आलीशान महल थे। इसी के बगल में हैं मानसिंह की परिणीता रानी मृगनयनी का महल-गूजरी महल।

इसके तहखाने व शीशमहल आज भी अपनी खामोशी में न जाने कितनी रंगीन दास्तानें छुपाए हुए हैं। गूज़री महल स्थित राजकीय संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियों व प्रस्तर-प्रतिमाओं का बहुत बढ़िया संग्रह हैं।

जहाँ तीन महासागर मिलते हैं

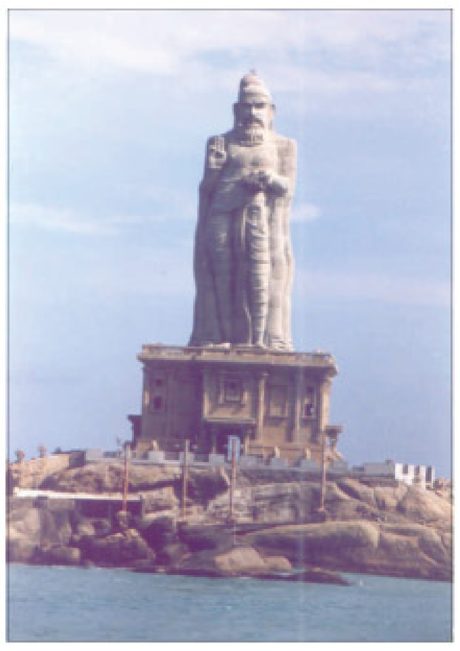

भारत भूमि के सबसे दक्षिण बिंदु पर स्थित कन्याकुमारी में केवल एक तीर्थस्थान है बल्कि देशी विदेशी सैलानियों का एक बड़ा पर्यटन स्थल भी है। देश के मानचित्र के अंतिम छोर पर होने के कारण अधिकांश लोग इसे देख लेने की इच्छा रखते हैं।

हिंद महासागर बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर के मिलन बिंदु पर स्थित इस नगर के लिए देश के अन्य भागों से वैसे तो अनेक रेलगाड़ियाँ हैं, किंतु हिमगिरि एक्सप्रेस देश की सबसे अधिक लंबी दूरी तय करने वाली एक्सप्रेस गाड़ी है। तामिलनाडु प्रांत में स्थित कन्याकुमारी की दूरी केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से ...... किलोमीटर है। कोंकण रेलवे बन जाने और नई दिल्ली तिरुवनंतपुरम राजधानी शुरू हो जाने से अब यहाँ तक पहुँचने के लिए समय में काफी बचत हो जाती है, इससे पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वैसे तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी के लिए अनेक गाड़ियाँ हैं, किंतु पंद्रह-पंद्रह मिनट के बाद अंतर्राज्यीय बस सेवाएँ भी हैं। सामान्यतया पर्यटक यदि बस से कन्याकुमारी जाता है तो लौटते समय वह रेलगाडी में यात्रा करना पसंद करता है क्यों कि दोनों के मार्ग अलग-अलग होने के कारण अनेक प्रकार के प्राकृतिक दृश्यों को देखने का अवसर मिल जाता है।

तिरुवनंतपुरम से लगभग छियासठ किलोमीटर की दूरी पर नागरकोविल है। कन्याकुमारी जाने से पूर्व पर्यटक यहाँ विश्राम करना पसंद करते हैं। देश की सबसे बड़ी केलों की मंडी यहाँ स्थित है। यहाँ न केवल भिन्न-भिन्न आकार के केले मिलते हैं बल्कि एक प्रकार का लाल रंग का केला भी पाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। यह नगर बहुत स्वच्छ एवं सुंदर है। नगर नारियल के वृक्षों से ढका है। तिरुवनंतपुरम से नागरकोविल की यात्रा बस द्वारा करने पर अंतिम से कुछ किलोमीटर को छोड़कर शेष रास्ता सड़क के दोनों तरफ़ दुकानों और मकानों से घिरा होने के कारण यह अनुमान लगा पाना मुश्किल होता है कि पहला नगर कब छूटा? छूटा भी या नहीं? यात्रा रोमांचक होती है तथा गाड़ी में जिज्ञासा बराबर बनी रहती है।

ठहरने का स्थान

नागरकोविल से कन्याकुमारी की दूरी लगभग बाईस किलोमीटर है। यहाँ से कन्याकुमारी के लिए पाँच-पाँच मिनट पर बसें मिलती हैं। देश के अनेक राज्यों की तुलना में यहाँ बस का किराया सबसे कम है। कन्याकुमारी पर्यटक स्थल होने के कारण महँगा है, किंतु नागरकोविल उसकी तुलना में काफी सस्ता है। जो पर्यटक एक से अधिक दिन कन्याकुमारी ठहरते हैं तथा उनके सदस्यों की संख्या अधिक होती है, वे अपनी भोजन सामग्री नागरकोविल से पैक कराकर ले जाते हैं।

कन्याकुमारी में ठहरने के लिए अनेक होटल, गेस्ट हाउस व लॉज हैं। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का अतिथिगृह भी काफी बड़ा, भव्य व खूबसूरत है। यहाँ अनेक एंपोरियम, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, साड़ियों आदि की दुकानें हैं। एंपोरियम में समुद्री वस्तुओं से बनी कलाकृतियाँ व अन्य सामग्री खरीदी जा सकती है। इसमें सभी धर्मों के लोग रहते हैं। यहाँ मंदिर, गिरजाघर और मस्जिद भी हैं। सागर तट के साथ पर्यटक परिसर विकसित हैं जहाँ पर्यटकों के रहने के लिए होटल, लॉज, अतिथिगृह हैं, वहाँ एम्पोरियम, दुकानें, दर्शनीय स्थल जैसे महात्मा गांधी स्मारक, प्रकाश स्तंभ. यंत्र नौका अड्डा, डाकघर, बैंक, कुमारी अम्मां मंदिर, गगनाथा स्वामी मंदिर, पुस्तकालय व आर. सी. चर्च हैं। यहाँ देश का अंतिम रेलवे स्टेशन व अंतिम बस अड्डा भी है।

विवेकानंद स्मारक

यंत्र-नौका अड्डे से नौका द्वारा कुछ मिनटों के फासले पर समुद्र के बीच में स्वामी विवेकानंद स्मारक है जो समुद्र के मध्य स्थित शिला पर 1970 ई. में निर्मित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि स्वामी विवेकानंद ने इस शिला पर 1892 ई. में योगसाधना की थी। और इसके उपरांत सन 1893 ईस्वी में विश्वविख्यात शिकागो के धर्म सम्मेलन में भाग लिया था। इस स्मारक में स्वामी जी की प्रतिमा के साथ ही एक ध्यान केंद्र भी है जिसमें कोई भी ध्यान केंद्रित कर सकता है किंतु बच्चों एवं स्त्रियों के लिए निषेध है। यहाँ स्वामी विवेकानंद पर आधारित साहित्य के विक्रय केंद्र भी हैं। इसके साथ ही एक शिला पर तमिल के महान कवि तिरुवल्लुवर की विशालकाय प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

कन्याकुमारी का सूर्योदय एवं सूर्यास्त देखने योग्य होता है। सूर्योदय तो किसी भी मौसम में देखा जा सकता है किंतु मानसून के दिनों में आकाश में बादल होने के कारण कभी-कभी वंचित भी होना पड़ सकता है इसलिए शरद ऋतु में सूर्योदय एवं सूर्यास्त दोनों देखा जा सकता है। गर्मियों में सूर्यास्त थोड़ा और पश्चिम की तरफ होने के कारण दिखाई नहीं पड़ता। यदि पूर्णमासी के दिन यहाँ की यात्रा की जाए तो सोने में सुहागा जैसा होता है।

कन्याकुमारी का पौराणिक माहात्म्य भी है। कहा जाता है कि देवराज इंद्र को गौतम ऋषि द्वारा प्राप्त श्राप से मुक्ति यहाँ मिली थी। यहाँ देवराज इंद्र ने कन्याकुमारी मंदिर के द्वितीय प्रकार के गणपति की देवेंद्र ने ही प्रतिष्ठा करके पूजा की थी इसलिए इसे 'इंद्रकांत विनायक', 'पापविनाशम' व 'मंडूक तीर्थक' भी कहते हैं।

सीढ़ियों वाला घाट

कन्याकुमारी के तीन सागरों के मिलन बिंदु पर सोलह स्तंभों वाला एक मंडप बना है जिसके नीचे सीढ़ियों वाला घाट है, इस घाट पर श्रद्धालु स्नान करते हैं। किंतु इससे थोड़ा पश्चिम हटकर प्राकृतिक रूप से फैली चट्टानों के मध्य सागर का उथला भाग है जहाँ पर्यटक एवं उनके साथ आए बच्चे सागर की लहरों के साथ खेलते हैं। कन्याकुमारी की जलवायु पश्चिमी घाट की है इसलिए वर्ष भर समताप रहता है और प्रतिवर्ष लगभग 102 से.मी. वर्षा हो जाती है। धरती पथरीली है इसलिए नारियल, कीकर, इमली के ही वृक्ष उगते हैं।

यहाँ के आदिवासियों की आजीविका समुद्र पर आधारित है। कुछ लोग पर्यटन व्यवसाय में लगे हैं, किंतु यहाँ अधिकांश दुकानों के मालिक अन्य राज्यों के हैं। यहाँ की भाषा तमिल, मलयालम और अंगरेज़ी है किंतु हिंदी में काम चलाया जा सकता है। दो अक्तूबर को कन्याकुमारी में जहाँ गांधी स्मारक निर्मित है, वहाँ गांधी जी का सिला वस्त्र समुद्र में विसर्जन हेतु रखा था। दो अक्तूबर को दोपहर के ठीक 12 बजे सूर्य की किरणें दिखाई देती हैं, वहीं गांधी जी का स्मारक बनाया गया है। प्रकाश स्तंभ से यदि कन्याकुमारी का दृश्य देखा जाए तो अद्भुत अनुभव होता है।

होटल में तब्दील होगा सिंगापुर का मरलॉयन

सिंगापुर की खास पहचान मरलॉयन अब एक होटल में तब्दील होने जा रहा है। सिंगापुर का नाम लेने पर सैलानियों के जेहन में आने वाली छवियों में एक सबसे प्रमुख मैरिना बे में खडे मुंह से पानी गिराते आठ मीटर ऊंचे मरलॉयन की भी है। अब सिंगापुर की संस्कृति का यह खास प्रतीक मशहूर जापानी कलाकार तात्जू निशी के डिजाइन किए हुए होटल में तब्दील होने जा रहा है। यह तब्दीली सिंगापुर आर्ट म्यूजियम द्वारा आयोजित किए जाने वाले सिंगापुर बाइनेल (द्विवार्षिकी) का हिस्सा है। 13 मार्च से 15 मई 2011 के बीच होने वाले बाइनेल का यह तीसरा संस्करण है।

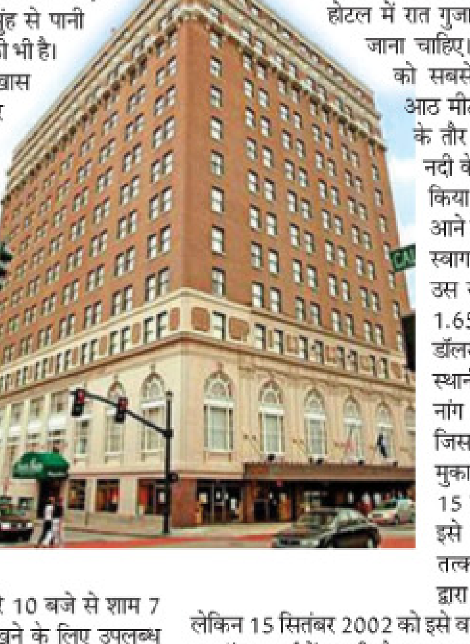

मरलॉयन का नया स्वरूप दरअसल अपने आप में एक कलाकृति है जो उसे एक अस्थायी शानदार होटल स्वीट का रूप दे देगी। दिन के समय (सवेरे 10 बजे से शाम 7 बजे तक) यह आम लोगों के देखने के लिए उपलब्ध रहेगा तो शाम के वक्त यह होटल के कमरे के तौर पर रात गुजारने के इच्छुक लोगों को किराये पर मिल सकेगा। इस अनुभव को उठाने के इच्छुक लोग 28 फरवरी 2011 से बुकिंग कराना शुरू कर सकते हैं। यह कमरा 4 अप्रैल से 5 मई के बीच दो वयस्क लोगों को 150 सिंगापुर डॉलर की दर पर एक रात के लिए उपलब्ध रहेगा। एक कमरे के इस होटल में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं- डबल बेड, बाथरूम, खास मरलॉयन होटल बटलर और सिंगापुर फुलर्टन होटल में सुबह का नाश्ता। हर मेहमान को वहां पहुंचने पर मेजबानों की तरफ से विशेष तोहफे भी मिलेंगे। और तो और, आम लोगों के लिए एक कॉंटेस्ट भी रखी गई है जिसमें बाइनेल की पहली व आखिरी रात (13 मार्च व 15 मई) को मरलॉयन होटल में ठहरने का मुकाबला जीता जा सकता है। इस मुकाबले में शामिल होने के लिए लोगों को सौ शब्दों में अपनी निजी कहानी लिखनी होगी कि क्यों उन्हें मरलॉयन होटल में रात गुजारने का मौका दिया जाना चाहिए। सिंगापुर मरलॉयन को सबसे पहले 1972 में आठ मीटर ऊंची कलाकृति के तौर पर बनाकरसिंगापुर नदी के मुहाने पर स्थापित किया गया था- सिंगापुर आने वाले सभी लोगों का स्वागत करने के लिए। उस समय इसकी लागत 1.65 लाख सिंगापुर डॉलर आई थी। उसे एक स्थानीय शिल्पकार लिम नांग सेंग ने बनाया था, जिसने शिल्प में कई मुकाबले जीते हुए थे। 15 सितंबर 1972 को इसे औपचारिक रूप से तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित किया गया। लेकिन 15 सितंबर 2002 को इसे वन फुलर्टन के निकट मरलॉयन पार्क में इसकी मौजूदा जगह पर ले जाया गया जो ठीक मैरिना बे पर है। अब इस नई कलाकृति को रूप देने के लिए मरलॉयन को 7 फरवरी को ढक दिया गया है। 9 मार्च तक यह ऐसे ही रहेगा। 11 मार्च को इसका अनावरण होगा।

एक बार सिंगापुर बाइएनेल 15 मई को खत्म हुआ तो 16 मई से 5 जून तक इसे फिर इसे अपने मूल स्वरूप में लाने का काम चलेगा और 6 जून को मरलॉयन फिर अपने असली रूप में लोगों के सामने होगा। इस सिंगापुर बाइएनेल का एक और खास आकर्षण होगा। मैरिना बे पर लाइट शो की जगह इस बार राफेल लोजानो-हेमर की एक अद्भुत कलाकृति होगी जिसमें लोग पुराने कलांग एयरपोर्ट की लंबी दीवार पर अपनी छाया डालकर मनपसंद रेडियो स्टेशन सुन सकेंगे। एक कंप्यूटराइज्ड ट्रैकिंग सिस्टम उनकी छाया के स्थान और आकार के अनुरूप रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्यून करेगा और वोल्यूम भी नियंत्रित करेगा। बस, लोग छाया हिलाएंगे और सुनेंगे मनपसंद स्टेशन।

चैम्पियंस ट्रॉफी : सचिवालय डेंजर्स और वॉरियर्स ने दर्ज की जीत

एजेंसी

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्राफी 2025 के तहत महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज क्रिकेट मैदान में खेले गए दो मुकाबलों में सचिवालय डेंजर्स और सचिवालय वॉरियर्स ने जीत दर्ज की। पहला मैच महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट ग्राउंड में सचिवालय डेंजर्स और सचिवालय सुपर किंग्स के बीच खेला गया। सचिवालय डेंजर्स ने निर्धारित 18 ओवर में कप्तान मनोज भट्ट के 66 रनों की बदौलत 165 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए सचिवालय सुपरकिंग्स की टीम 14 ओवर में 85 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह सचिवालय डेंजर्स ने 80 रनों से यह मैच जीता। सचिवालय सुपर किंग्स के अमित तोमर जिन्होंने 33 रन बनाए और एक विकेट भी लिया फाइटर ऑफ द मैच रहे तथा सचिवालय डेंजर्स के शीशपाल चार विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने। सचिवालय सेतु स्टार्स और सचिवालय वॉरियर्स के बीच खेले गये दूसरे मैच में सचिवालय सेतु स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अंकित कुमार के 45 रनों की बदौलत 104 रन का लक्ष्य रखा। सचिवालय वॉरियर्स ने दीपक शर्मा के 26 रनों की बदौलत 15वें ओवर में 05 विकेट खोकर जीत हासिल की।

मियामी ओपन 2025 : डेविड गॉफिन ने दूसरे दौर में कार्लोस अल्कराज को चौंकाया

नई दिल्ली। विश्व नंबर 3 कार्लोस अल्कराज को मियामी ओपन के दूसरे दौर में बेल्जियम के डेविड गॉफिन के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गॉफिन ने अल्कराज को तीन सेटों में 5-7, 6-4, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 2022 में मियामी ओपन खिताब जीतने वाले 21 वर्षीय अल्कराज इस बार अपनी लय में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, पूर्व विश्व नंबर 7 गॉफिन ने शानदार खेल दिखाया और लगभग ढाई घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में अपना अनुभव साबित किया। गॉफिन, जो पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ भी एक सेट से पिछड़ गए थे, ने अल्कराज के खिलाफ भी वही जुझारूपन दिखाया। बेल्जियन स्टार ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और स्पैनियार्ड को उनके खेल में स्थापित होने का मौका नहीं दिया। गॉफिन ने तीनों सेटों में शुरुआती ब्रेक हासिल किए और फिर बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के दौरान अपने दूसरे सर्व रिटर्न पॉइंट्स का 45त्न (15/33) जीता और नेट पर भी आक्रामक रुख अपनाते हुए 24 में से 17 पॉइंट्स अपने नाम किए।

खूंटी के सुधीर सांगा ने मिनी नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

खूंटी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय खूंटी के छात्र सुधीर सांगा ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में 21 मार्च से चल रही मिनी नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में अंडर-13 कंपाउंड बालक वर्ग के 30 मीटर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया। सुधीर की इस शानदार उपलब्धि से पूरे जिले और राज्य में खुशी का माहौल है। सुधीर सांगा का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बाल्यकाल में ही पिता का निधन हो गया था, जिसके कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई। उनकी मां बिरंग सांगा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, सुधीर की प्रतिभा और लगन ने उन्हें एक असाधारण खिलाड़ी बना दिया। सुधीर का झुकाव तीरंदाजी की ओर था, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण इसे सीखना आसान नहीं था। उनकी प्रतिभा को देखते हुए सरकार द्वारा संचालित नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय, खूंटी में उनका दाखिला कराया गया, जहां उन्हें खेल के लिए सही माहौल और प्रशिक्षण मिला। सुधीर के पास अभ्यास के लिए आवश्यक संसाधन नहीं थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज और वर्तमान में सीआरपीएफ में कार्यरत अस्मिता केरकेट्टा ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए अपना धनुष अभ्यास के लिए दिया। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज राहुल और मोनिका ने भी सुधीर की मदद की और उन्हें कीमती साइटर और तीर उपलब्ध कराए। इस सहयोग ने सुधीर के अभ्यास को और मजबूत बनाया और उन्हें प्रतियोगिता के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने का मौका दिया।

हॉकी इंडिया ने मनदीप और उदिता को दी शादी की बधाई

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने स्टार खिलाड़ी मनदीप सिंह और उदिता दुहान को परिणय सूत्र में बंधने की बधाई दी है। हॉकी इंडिया ने एक बयान जारी कर कहा हॉकी इंडिया अपने स्टार खिलाड़ियों मनदीप सिंह और उदिता दुहान को हार्दिक बधाई देता है, जो आज अपनी शादी का जश्न मना रहे हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में अनुकरणीय समर्पण और प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले इस जोड़े ने देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाई है। हॉकी इंडिया नवविवाहितों को उनके व्यक्तिगत और पेशेवर सफर में जीवन भर खुशियाँ और सफलता की कामना करता है। गौरतलब है कि ओलंपियन मनदीप सिंह ने भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कौर के साथ जालंधर के मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में सात फेरे लिए थे। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह और अन्य साथी खिलाड़ी मौजूद रहे।

आईपीएल 2025: विराट और सॉल्ट के तूफान में उड़ा कोलकाता

आरसीबी ने 7 विकेट से जीता पहला मुकाबला

एजेंसी

कोलकाता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सात विकेट से हरा दिया। ईडेन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने धमाकेदार अंदाज में जीत दर्ज की।पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे (56) और सुनील नरेन (44) ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया। हालांकि आखिर में अंकुश रघुवंशी ने

30 रन की पारी खेल कर टीम को 174 के स्कोर तक पहुंचाया। आरसीबी के लिए क्रुणाल पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 39 रन देकर 3 विकेट झटके। जबकि जोश हैजलवुड को दो विकेट मिले। वहीं यश दयाल, रसिक सलाम और सुयश शर्मा को एक-एक सफलता मिली। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल सॉल्ट (56) और विराट कोहली (59*) ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़कर मैच को एकतरफा बना दिया। सॉल्ट के आउट होने के बाद रजत पाटीदार (34) ने तेजतर्रार पारी खेली। कोहली ने 36 गेंदों में नाबाद 59 रन बनाकर टीम को 16.2 ओवर में जीत दिला दी। आरसीबी की यह जीत ऐतिहासिक रही क्योंकि 2008 में आईपीएल के प्रथम सीजन में कोलकाता ने पहले मुकाबले में उन्हें हराया था। अब 18 साल बाद आरसीबी ने केकेआर से उस हार का बदला ले लिया है। विराट कोहली इस जीत के साथ टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं।

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 65 सदस्यीय संभावित कोर समूह की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ल। हॉकी इंडिया ने आगामी सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 65 सदस्यीय संभावित कोर समूह की घोषणा की। यह कैंप 23 मार्च 2025 से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), बेंगलुरु में शुरू होगा।

इस समूह का चयन हाल ही में पंचकूला में संपन्न हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां हॉकी झारखंड ने फाइनल में हॉकी हरियाणा को शूटआउट में हराकर खिताब जीता था।इस 65 सदस्यीय समूह में 30 खिलाड़ियों को पहले से मौजूद कोर ग्रुप से बरकरार रखा गया है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को असम हॉकी, हॉकी चंडीगढ़, हॉकी हिमाचल, साई, हॉकी बंगाल, यूपी हॉकी, हॉकी झारखंड, हॉकी कर्नाटक, मणिपुर हॉकी, हॉकी पंजाब, केरल हॉकी, एमपी हॉकी, सीआरपीएफ, ओडिशा, सीबीडीटी, हॉकी मिजोरम, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी आंध्र प्रदेश से बुलाया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह इस चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों का आंकलन करने के लिए मौजूद थे। चयन को लेकर उन्होंने कहा, हमें इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कुछ बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखने को मिलीं। जिन खिलाड़ियों को इस कैंप के लिए बुलाया गया है, उनका चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह कैंप हमें यह समझने में मदद करेगा कि इन खिलाड़ियों को अगले स्तर के लिए कैसे तैयार किया जा सकता है।

जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन 2025 के साथ होगी भारत में अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी

एजेंसी

मुंबई। सात साल के लंबे इंतजार के बाद भारत में अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी होने जा रही है। 24 से 28 मार्च तक मुंबई के बॉम्बे जिमखाना में जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 53,500 अमेरिकी डॉलर होगी।

टूर्नामेंट की शुरुआत इनडोर कोर्ट पर होगी, जबकि क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले फुल-ग्लास आउटडोर कोर्ट पर खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक अनुभव मिलेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में भारत के रमित टंडन, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, अनाहत सिंह और आकांक्षा सालुंखे जैसे शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके अलावा, फ्रांस, स्पेन, मिस्र, कनाडा, इंग्लैंड, अमेरिका, मलेशिया और जापान के खिलाड़ी भी चुनौती पेश करेंगे। यह टूर्नामेंट इसलिए भी खास है क्योंकि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्क्वैश पहली बार शामिल होगा। इस मौके पर आईआईएस की अध्यक्ष

मनीषा मल्होत्रा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह, भारत के नंबर-1 स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन और भारत की नंबर 3 अनाहत सिंह ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने कहा, हम भारत में स्क्वैश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह टूर्नामेंट भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर चमकने का अवसर देगा। भारत के नंबर-1 खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा, अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना शानदार अनुभव होगा। यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा स्क्वैश टूर्नामेंट है और इससे खेल की लोकप्रियता को नई दिशा मिलेगी। महिला वर्ग में भारत की नंबर-3 अनाहत सिंह ने कहा, इस टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए गर्व की बात है। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलकर मेरी रैंकिंग और प्रदर्शन को मजबूती मिलेगी। टूर्नामेंट में कुल 24 खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें भारत के रमित टंडन और आकांक्षा सालुंखे शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं। सूरज कुमार चंद और अंजलि सेमवाल को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप: युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों को दबाव झेलने की मिल रही ट्रेनिंग

एजेंसी

चेन्नई। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप अंडर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल से पहले जर्मनी के टेबल टेनिस कोच क्रिस पाइफर ने इस आयोजन की सराहना की। शरथ कमल अकादमी से जुड़े पाइफर ने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत में टेबल टेनिस की नई पीढ़ी को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों को एक पेशेवर माहौल में खुद को परखने का शानदार अवसर मिला। टूर्नामेंट के दौरान छह कैमरों की हाई-टेक सेटअप के साथ लाइव स्ट्रीमिंग की सुविधा दी गई, जिससे खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी माहौल में खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो रहे हैं। पाइफर ने कहा, यह एक बेहतरीन पहल है। लाइव स्ट्रीमिंग और प्रोफेशनल सेटअप के कारण युवा खिलाड़ियों को दबाव झेलने की ट्रेनिंग मिल रही है। हमें ऐसे और भी प्रयासों की जरूरत है। पाइफर इस टूर्नामेंट में ष्ठस्स्न के ड्रीम अगेन प्रोग्राम के तहत अभिभावकों, कोचों और खिलाड़ियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर

रहे हैं। उन्होंने इस पहल को भारतीय टेबल टेनिस इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, टेबल टेनिस एक व्यक्तिगत खेल है, जिसमें कौशल के साथ-साथ वर्षों की मेहनत लगती है। माता-पिता को धैर्य रखना जरूरी है ताकि वे अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन कर सकें। एक मजबूत माहौल ही खिलाड़ी के विकास में मदद करता है अभिभावकों और कोचों ने भी इस पहल की प्रशंसा की। 13 वर्षीय प्रतीक तुलसानी, जो अंडर-13 श्रेणी में भारत के नंबर 1 खिलाड़ी हैं, की मां ने कहा, मेरे बेटे ने यहां बहुत कुछ सीखा है। हमें ऐसे और टूर्नामेंट चाहिए। प्रतीक के कोच राजेंद्र सावंत ने कहा, अभिभावक अक्सर कोचिंग में होने वाले प्रयासों को नहीं देख पाते। ये सत्र खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण सीख देते हैं। मैंने भी कई नई तकनीकें सीखी हैं, खासकर मल्टी-बॉल ट्रेनिंग और कलाई की मूवमेंट सुधारने की। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट ने न केवल युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धा का अनुभव दिया, बल्कि अभिभावकों और कोचों को भी नई शिक्षा और समझ दी।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स: पैरा आर्चरी में चमकीं पायल नाग, बिना हाथ-पैर के भी रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में ओडिशा की पायल नाग ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से सभी को चौंका दिया है।

बिना हाथ और पैरों के दुनिया की एकमात्र तीरंदाज पायल ने अपने हुनर और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर बाधा छोटी पड़ जाती है। जयपुर में हुई छठी पैरा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में उन्होंने देश की दिग्गज पैरा आर्चर शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। ओडिशा के बालंगीर जिले की रहने वाली पायल का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। महज पांच साल की उम्र में एक दर्दनाक हादसे में उन्होंने अपने दोनों हाथ और पैर खो दिए। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिससे उन्हें 2019 में बालंगीर के पार्वतीगिरी बाल निकेतन अनाथालय

भेज दिया गया। वहां तीन साल रहने के बाद जम्मू-कश्मीर आर्चरी अकादमी के कोच कुलदीप वेदवान की नजर उन पर पड़ी। कुलदीप ने पायल को आर्चरी के लिए तैयार किया और उनके लिए एक विशेष डिवाइस बनाई, जिससे वह अपने पैरों की मदद से तीर चला सकें। शुरुआत में कठिनाइयां आईं, लेकिन पायल ने कड़ी मेहनत और अभ्यास से खुद को साबित कर दिखाया। जनवरी 2025 में जयपुर में आयोजित छठी पैरा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में पायल ने पहली बार प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

यहां उन्होंने पैरालंपिक पदक विजेता शीतल देवी और अनुभवी ज्योति बालियान को मात देते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की ओर कदम बढ़ा दिया है।

पायल अब खुद को विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट (थाईलैंड) और 2026 टोक्यो पैरा एशियन गेम्स के लिए तैयार कर रही हैं। उनका सपना 2028 पैरालंपिक में स्वर्ण जीतकर देश का नाम रोशन करना है। पायल कहती हैं, जब खुद पर भरोसा हो, तो कोई भी चीज असंभव नहीं। मैं कोच सर और अपनी मेहनत की बदौलत यहां तक पहुंची हूं। अब मेरा लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण जीतना है।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल टीम ने लहराया परचम

एजेंसी

रामगढ़। अमेटी विश्वविद्यालय रांची की ओर से आयोजित खेल प्रतियोगिता में राधा गोविंद विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल टीम ने परचम लहराया है। एमीफोरीया खेल प्रतियोगिता तीन दिवसीय 19 मार्च से 22 मार्च तक हुआ। यह खेल राधा गोविंद विश्वविद्यालय रामगढ़ एवं एमिटी

विश्वविद्यालय रांची के बीच खेला गया। जिसमें राधा गोविंद विश्वविद्यालय महिला वॉलीबॉल टीम विजय हुआ। यह जानकारी शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष लेफ्टिनेंट डॉ. अमन वर्मा ने दी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह, सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार एवं प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार ने संयुक्त रूप से सभी सफल विद्यार्थियों की हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स: अल्फिया जेम्स और मंदीप कौर ने बैडमिंटन में मचाई धूम, अवनी लेखरा ने शूटिंग में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के तीसरे दिन इंदिरा गांधी स्टेडियम में बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हुआ, जहां अनुभवी पैरा एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के साथ कुछ नए खिलाड़ियों ने भी अपनी चमक बिखेरी। वहीं, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रही निशानेबाजी प्रतियोगिता में पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अवनी लेखरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स॥ कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता।

तमिलनाडु शीर्ष पर, हरियाणा दूसरे स्थान पर

एथलेटिक्स, बैडमिंटन और शूटिंग में कुल 75 स्वर्ण पदक विजेताओं की घोषणा हुई। पदक तालिका में तमिलनाडु 15 स्वर्ण के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है, जबकि हरियाणा 14 स्वर्ण के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 8 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर, जबकि राजस्थान और उत्तर प्रदेश 7-7 स्वर्ण पदकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

बैडमिंटन में नवोदित सितारों की धमाकेदार एंट्री

भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्टता साबित की। टोक्यो 2020 गोल्ड मेडलिस्ट कृष्णा नागर, पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट नितेश कुमार, पेरिस 2024 कांस्य पदक विजेता मनीषा रामदास और 13 बार के राष्ट्रीय चैंपियन संजीव कुमार ने स्वर्ण पदक जीते। हालांकि, असली चर्चा का विषय केरल की 21 वर्षीय व्हीलचेयर खिलाड़ी अल्फिया जेम्स और उत्तराखंड की मंदीप कौर रहीं, जिन्होंने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर सबको चौंका दिया।

अल्फिया, जो पहले बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं, 2017 में रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद खेल से दूर हो गईं। पांच साल बाद उन्होंने पैरा बैडमिंटन में वापसी की और हाल ही में स्पेन में स्वर्ण जीतने के बाद खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

29 वर्षीय मंदीप कौर, जो तीन बार की राष्ट्रीय आर्म-रेसलिंग चैंपियन रही हैं, ने बैडमिंटन में स्विच किया और पहली ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (युगांडा) में स्वर्ण पदक जीता। मंदीप ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स में खेलकर स्वर्ण जीतना सपना सच होने जैसा है। मैंने पहला गेम गंवाया था, दूसरे गेम में पिछड़ रही थी, लेकिन खुद को संभाला और जीत दर्ज की।

शूटिंग में अवनी लेखरा का दबदबा

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता राजस्थान की अवनी लेखरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 कैटेगरी में स्वर्ण पर कब्जा किया। उन्होंने राज्य की ही मोना अग्रवाल को करीबी मुकाबले में हराया, जबकि उत्तर प्रदेश की आकांक्षा ने कांस्य पदक जीता। पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH2 में महाराष्ट्र के स्वरूप महावीर उन्हालकर ने स्वर्ण और केविन विनोद केंगनलकर ने रजत पदक जीता, दोनों के स्कोर में महज 0.1 अंकों का अंतर रहा। वहीं, हरियाणा की सिमरन शर्मा ने मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH3 कैटेगरी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

चोटिल गार्डनर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

ऑकलैंड। अंगुली में चोट की शिकार ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की प्रमुख ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर न्यूजीलैंड दौरे के खिलाफ श्रृखंला के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गयी है। पहले टी20 मैच के दौरान उनकी दाहिनी तर्जनी अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है। स्कैन में इसकी पुष्टि हो गयी है। जिसकी वजह से गार्डनर शेष मैच नहीं खेल पायेगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि की है। गार्डनर 17वें ओवर में खुद की गेंद पर रिर्टन कैच लेने के प्रयास में चोटिल हो गई थी जिसके बाद सोफी डिवाइन ने उनकी गेंदों पर जबरदस्त प्रहार किया। गार्डनर अब आगे के स्कैन की प्रक्रिया से गुजरेंगी और सिडनी लौटने पर विशेषज्ञ की सलाह लेंगी। गार्डनर की अनुपस्थिति में, अनकैप्ड ऑलराउंडर चार्ली नॉट को 23 मार्च को खेले जाने वाले दूसरे टी20 में मौका दिया गया है।

तीरंदाजी प्रतियोगिता का पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया शुभारम्भ

एजेंसी

सोनभद्र। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री भारत सरकार हरदीप सिंह पुरी ने विशिष्ट स्टेडियम तियरा में पहुंचकर भगवान बिरसा मुण्डा व स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर तीसरी तीरंदाजी प्रतियोगिता का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। केन्द्रीय मंत्री ने उपस्थित जनमानस व खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद सोनभद्र में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयेजन हो रहा है। जिसमें जनपद के ही नहीं देश व प्रदेश के प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं और अपने प्रतिभा को दिखा रहे हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से अच्छे खिलाड़ी राज्य स्तर के साथ ही अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर देश व प्रदेश का नाम रौशन करेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले 10 महिला प्रतिभागियों एवं 10 पुरूष वर्ग को विशेष प्रकार का किट उपलब्ध कराया जायेगा। जिससे वह आगे की

प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ सकें। इस दौरान तीरंदाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष अवनीश अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार तीरंदाजी के क्षेत्र में लोगों को आगे लाने हेतु विशेष ध्यान दे रही है और उत्तर प्रदेश के तीरंदाजी के छात्र अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान तीरंदाजी के क्षेत्र में इण्टरनेशनल स्तर पर खेलने वाले अतुल वर्मा, जीना तारा, निष्ठा गुप्ता को किट देकर मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रदेश सरकार के मंत्री संजीव कुमार गोंड़, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दला गुप्ता उपस्थित रहे। इस दौरान मंत्री ने धनुष व तीर से निशाना भी साधा।

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे: रिकी पोंटिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। हम जीतने के लिए मैदान में उतरेंगे और कोई भी हमसे यह छीन नहीं सकता, यह कहना है पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम को खिताबी जीत की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू पीसीए स्टेडियम में आयोजित मेटा क्रिएटर्स इवेंट के दौरान अपनी रणनीति और टीम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस खास इवेंट में डिजिटल जगत के चर्चित नाम, जैसे झुमरू (अरुण सिंह), केशव आशीष, आदित्य शुक्ला और सुकृति शामिल हुए, जिन्होंने आगामी सीजन में टीम की मानसिकता और संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास किया।पंजाब किंग्स के चीफ़ कॉमर्शियल ऑफ़िसर सौरभ अरोड़ा ने इस इवेंट की सराहना करते हुए कहा, हम क्रिकेट, संस्कृति और हमारी नई टीम को लेकर डिजिटल क्रिएटर्स को एक मंच पर लाकर गर्व महसूस कर रहे हैं। साथ ही मुल्लांपुर स्थित अत्याधुनिक न्यू पीसीए स्टेडियम का परिचय कराना हमारे समुदाय-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम टूर के ज़रिए क्रिएटर्स को विश्वस्तरीय सुविधाओं का अनुभव मिला, जो पंजाब किंग्स की मैदान के अंदर और बाहर की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

रिकी पोंटिंग का विजयी मंत्र

पोंटिंग ने स्पष्ट किया कि टीम का प्राथमिक लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाना है। उन्होंने बताया, धर्मशाला में हमारे ट्रेनिंग कैंप के पहले ही दिन मैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने जा रहे हैं। यह प्रक्रिया रातों-रात नहीं होती, इसे निरंतर मेहनत से तैयार करना होता है।टीम में विजयी मानसिकता विकसित करने पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, जीतना एक मानसिकता है। हमें हर मैच में यह भावना रखनी होगी कि विरोधी हमसे कुछ छीनने आए हैं और हम ऐसा होने नहीं देंगे।

युवा और अनुभव का बेहतरीन संतुलन

इस सीजन में पंजाब किंग्स की टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार है। पोंटिंग ने कुछ युवा खिलाड़ियों की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने अब तक की ट्रेनिंग में प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, प्रियांश आर्य एक संभावित सलामी बल्लेबाज के रूप में उभर रहे हैं। इसी तरह सूर्यांश शेज भी हमारे प्रशिक्षण सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने आगे जोड़ा, मुशीर खान भी एक ऐसा नाम है जिसने अपनी ऊर्जा और जज़्बे से मुझे प्रभावित किया है। उसका रवैया टीम के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। पोंटिंग ने कहा कि वे टीम में विदेशी खिलाड़ियों को सही उदाहरण पेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बहुत से युवा भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों को आदर्श मानते हैं, इसलिए अगर वे सही दिशा में चलते हैं, तो पूरी टीम बेहतर बनती है। मैं चाहता हूं कि हमारे विदेशी खिलाड़ी नेतृत्व करें और उदाहरण स्थापित करें। पंजाब किंग्स अपना आईपीएल सीजन 18 का पहला मुकाबला 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वे लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेंगी। टीम फिर अपने घरेलू मैदान न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ लौटेगी, जहां वे राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो महत्वपूर्ण मैच खेलेंगी।

तेजस्वी प्रकाश

से शादी का हुआ सवाल तो पापा पर ठीकरा फोड़ने लगे करण कुंद्रा, कहा- जाकर उनसे पूछो

हिंदी टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सारे ऐसे कपल हैं, जिन्हें लोग काफी पसंद करते हैं. इनमें ही करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश का नाम भी शामिल है. दोनों की मुलाकात बिग बॉस 15 के दौरान हुई थी, जिसके बाद से दोनों का रिश्ता शुरू हो गया था. बीते कुछ वक्त में दोनों की शादी की खबर सामने आ रही है. इसकी वजह ये है कि हाल ही में तेजस्वी सेलिब्रिटी मास्टरशेफ का हिस्सा हैं. इसी दौरान एक्ट्रेस की मां भी शो पर आई थीं और उन्होंने दोनों की शादी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि 2015 में ही शादी होगी.हालांकि, तेजस्वी की मां के बाद अब इस मामले में करण कुंद्रा का भी रिएक्शन सामने आ गया है. हाल ही में करण से इंटरव्यू के दौरान उनकी शादी के सवाल के बारे में पूछा गया. जिसका जवाब देते हुए एक्टर ने इस पूरे मामले को अपने पिता पर डाल दिया. उनसे जब तेजस्वी का मां के कंफर्मेशन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसे लेकर कहा कि हो सकता है कि वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हो. आगे उन्होंने कहा कि आजकल ड्ठ कितना खतरनाक हो गया था.

'पापा आ रहे हैं तो उनसे पूछ लेना'

हालांकि, एक्टर ने तेजस्वी की मां के कंफेशन के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है. इसके साथ ही उन्होंने अपने पिता के मुंबई आने की बात का जिक्र करते हुए कहा, अरे मुझे क्या पता, मेरे पापा आ रहे हैं तो उनसे पूछ लेना. ये सारी बातें बच्चों से छोड़ी पूछते हैं. हालांकि, दोनों के फैंस भी उन्हें जल्द शादी करते देखना चाहते हैं. इनकी शादी टीवी इंडस्ट्री में मोस्ट अवेटेड शादियों में से एक है.

TejRan के नाम से फेमस

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश के फैंस ने दोनों का नाम TejRan दिया हुआ है. हालांकि करण ने शादी के बारे में बात करते हुए ये भी कहा कि मुझे लगता है कि जब वक्त आएगा, तो मैं इसके बारे में सोचना शुरू कर दूंगा. मुझे ये भी सोचना होगा कि शादी का फंक्शन बड़े लेवल पर करना है या छोटे. हालांकि, एक्ट्रेस के साथ रिश्ते की शुरुआत को लेकर करण ने कहा था कि वो जब शो में थे दो दीवाली पर जब दोनों ने एक-दूसरे को विश किया, तो उसी वक्त दोनों में कुछ फीलिंग आई थी.

क्या आलिया भट्ट के पहले किसी और से हो चुकी है रणबीर कपूर की शादी? एक्टर ने खुद बताया सच

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं. उनकी पत्नी आलिया और बेटी राहा के साथ तस्वीरों से सोशल मीडिया पटा रहता है. दोनों इंडस्ट्री के सबसे फेमस कपल्स में से एक हैं. दोनों को फैंस बहुत प्यार करते हैं. आलिया और रणबीर ने एक साथ ब्रह्मास्त्र में काम किया था और उनकी केमेस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था. रणबीर और आलिया ने साल 2022 में शादी की थी. अब रणबीर ने कुछ ऐसा बयान दे दिया है, जिसने फैंस को हैरान कर दिया है.रणबीर कपूर ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है, जिसमें रणबीर ने बताया कि आलिया भट्ट उनकी दूसरी पत्नी हैं. आलिया से पहले ही उनकी एक बार शादी हो चुकी है. हालांकि, रणबीर ने ये भी बताया कि वो पहली पत्नी से अभी तक मिले नहीं हैं लेकिन जल्द ही मिलना चाहते हैं.

'आलिया मेरी दूसरी पत्नी हैं...'

हाल ही में मेशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में रणबीर ने खुद इसका खुलासा किया है और बताया कि आलिया उनकी दूसरी पत्नी हैं. रणबीर ने बताया, 'मैं इसे पागलपन नहीं कहूंगा, लेकिन ये काफी पहले की बात है. जब मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में था तभी एक लड़की मेरे घर आई थी. इतना ही नहीं लड़की अपने साथ पंडित और शादी का सामान भी लाई थी. लड़की ने मेरे घर के बाहर की गेट पर मेरे से शादी कर ली. हालांकि मैं तब घर पर नहीं था.

गार्ड ने सुनाया था पूरा किस्सा

रणबीर ने आगे बताया कि मैं बाहर गया था और जब मैं लौटा तो गार्ड ने मुझे ये पूरा किस्सा बताया. मैंने घर के गेट पर देखा कि टीका लगा है और फूल बिखरे पड़े हैं, तो इस हिसाब से वही लड़की मेरी पहली पत्नी है. हालांकि मैं कभी उससे मिला नहीं हूं लेकिन जल्द ही मिलना चाहता हूं. इस हिसाब से आलिया भट्ट मेरी दूसरी पत्नी हुईं' रणबीर के इस बयान के बाद उनके फैंस हंस-हंसकर लोट-पोट हो रहे हैं.

सनी देओल के साथ रखा था बॉलीवुड में कदम, आज क्या कर रहे हैं ये सितारे

सनी देओल हाल ही में अपनी फिल्म 'जाट' को लेकर काफी वक्त से लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. उनकी इस फिल्म को लेकर उनके फैंस काफी बेसब्री से इंतजार में हैं. हालांकि, एक्टर की और भी कई सारी ऐसी फिल्म हैं, जिसको लेकर वो अक्सर ही लोगों के बीच चर्चा में रहे हैं. इनमें ही अनिल शर्मा की डायरेक्शन में बनीं उनकी फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' और उसका सीक्वल 'गदर 2' का नाम भी शामिल है.सनी देओल का फिल्मी करियर काफी शानदार रहा है. उन्होंने साल 1983 में 'बेताब' फिल्म से फिल्मी दुनिया में अपना कदम रखा था. इस फिल्म के बाद से उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई. हालांकि, सनी देओल ने जिस साल अपने करियर की शुरुआत की थी, उसी साल और भी कई फिल्मी सितारों ने भी बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था. उनमें से कुछ स्टार्स ने अभी भी अपना जलवा वैसे ही कायम किया है, लेकिन कुछ ने फिल्मों से दूरी बना ली है.

अनिल कपूर का फिल्मी करियर

अनिल कपूर आज के समय में बॉलीवुड का काफी बड़ा नाम हैं, हालांकि, उनका सफर इतना आसान नहीं रहा है. एक्टर ने फिल्म वो सात दिन के जरिए फिल्मों में लीड एक्टर के तौर पर शुरुआत की थी. इस फिल्म के बाद से अनिल 'बेटा', 'मिस्टर इंडिया', 'कर्मा', 'मेरी जंग' जैसी फिल्मों में दिखे. उन्होंने अभी तक के अपने करियर में कई सारी सुपरहिट फिल्में दी हैं. आज के वक्त में भी अनिल कपूर के पास कई सारे अपकमिंग प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिनमें यशराज फिल्म का स्पाई यूनिवर्स, 'एनिमल पार्क', 'हाउसफुल 5' जैसी फिल्मों के नाम हैं.

अमृता सिंह का फिल्मी करियर

इनमें पहला नाम अमृता सिंह का है, उन्होंने सनी देओल के साथ ही 'बेताब' फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी. ये फिल्म काफी हिट रही थी, इसके बाद से एक्ट्रेस ने कई कमाल की फिल्मों में काम किया है. इसमें 'मर्द', 'साहेब', 'चमेली की शादी', 'नाम', 'खुदगर्ज' जैसी और भी कई फिल्मों में नजर आईं. हालांकि, फिल्म के बाद एक्ट्रेस और सनी देओल का नाम भी साथ जुड़ा था. हालांकि, बाद में कुछ वक्त डेट करने के बाद अमृता ने सैफ अली खान से शादी रचाई. शादी के बाद से ही एक्ट्रेस में फिल्में कम कर दी. हालांकि, कुछ सालों के बाद अमृता और सैफ का तलाक हो गया. तलाक के बाद अमृता अर्जुन कपूर की मां के तौर पर फिल्म '2 स्टेट्स' में नजर आईं थीं.

मीनाक्षी शेषाद्री का फिल्मी करियर

मीनाक्षी शेषाद्री 80 के दशक की काफी चर्चित एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं. सनी देओल के साथ एक्ट्रेस ने कई सारी कमाल की फिल्में दी हैं. 29 साल पहले उन्होंने फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया था. लेकिन जितने वक्त तक वो फिल्मों में काम कर रही थीं, उस दौरान उन्होंने काफी सारी हिट फिल्में दी हैं. उन्होंने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है. एक्ट्रेस की फिल्मों की बात करें, तो उन्होंने 'दामिनी', 'घातक', 'घायल', 'घर हो तो ऐसा', 'आदमी खिलौना है' जैसी फिल्में की हैं.

'वो बहुत ज्यादा हो गया था...' 16 साल के लड़के ने 51 की

मलाइका अरोड़ा

को किए गंदे इशारे, एक्ट्रेस के बयान ने मचाई हलचल

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो काफी सुर्खियों में रहा था जिसमें वो अपने एक शो के दौरान एक 16 साल के लड़के को फटकार लगती हुई नजर आई थीं. एक कंटेस्टेंट ने एक्ट्रेस को गंदे इशारे किए थे. इसके बाद उन्होंने सबके सामने ही उसकी क्लास लगा दी थी.मलाइका को शो के अन्य कंटेस्टेंट का भी साथ मिला था. मलाइका ने कंटेस्टेंट को सबके सामने डांटते हुए उससे उसकी मां का नंबर तक मांग लिया था. ये मामला काफी चर्चा में रहा. अब मलाइका ने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि वो बहुत ज्यादा हो गया था. उसकी जरूरत नहीं थी.

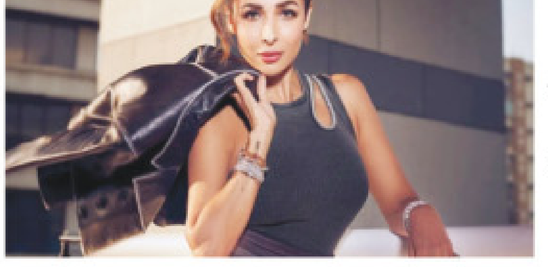

16 साल के लड़के को डांटने पर क्या बोलीं मलाइका

मलाइका अरोड़ा इन दिनों 'हिप हॉप इंडिया' सीजन 2 को जज कर रही हैं. इसकी शुरुआत 14 मार्च से हुई है. मलाइका के साथ इसमें मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा भी जज की भूमिका में नजर आ रहे हैं. हाल ही में इसका एक प्रोमो वीडियो काफी वायरल हुआ था जिसमें मलाइका एक लड़के पर काफी गुस्सा हो गई थीं.मलाइका को 16 साल के एक कंटेस्टेंट ने कभी फ्लाइंग किस दी थी तो कभी उन्हें आंख मारी थी. लड़के की ये हरकत एक्ट्रेस को बिलकुल पसंद नहीं आई. अब उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में बताया कि उनका इरादा लड़के को डांटने का बिलकुल नहीं था. एक्ट्रेस ने कहा, मेरा उस समय उसको डांटने का बिलकुल इरादा नहीं था. न ही ये बताने का इरादा था कि जो तुम कर रहे हो वो गलत है. मैं बस उसे ये समझाना चाह रही थी कि जो तुम कर रहे हो वो बहुत ज्यादा हो रहा है. जो भी कर रहे हो उसे कम करो. इतना कुछ करने की कोई जरूरत नहीं है.

मलाइका ने की लड़के के डांस की तारीफ

मलाइका ने आगे लड़के के डांस की तारीफ की. उन्होंने कहा, हम यहां (हिप हॉप इंडिया सीजन 2) बैठे हैं. हम तुम्हारे जज हैं. हम गाते भी हैं, थोड़ा गाने में ड्रामा भी करते हैं. मजाक भी उड़ाते हैं. ये सब ठीक है. हम किस भी करते हैं. ये सब मुझे बिल्कुल ठीक लगता है जो कि अभिव्यक्ति का एक हिस्सा है. लेकिन उस समय मुझे लगा वो थोड़ा ज्यादा हो रहा था. आगे कंटेस्टेंट की तारीफ में एक्ट्रेस ने कहा, वो एक टैलेंटेड डांसर है, और वास्तव में अच्छा बच्चा है.